राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 29 अप्रैल 2025

वर्ष 06, अंक 210, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

विकलांग होते हुए भी खेती, परचून और गौसेवा में मिसाल बने उमाशंकर...03

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी की उदासीनता के कारण सिंगला नदी पर आरसीसी पुल का मरम्मत कार्य धीमी गति से चल रहा है....12

भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्ते कैसे रहे? जब-जब नवाज शरीफ रहे प्रधानमंत्री

सड़क हादसों के शिकार लोगों के लिए कैशलेस इलाज की योजना तैयार करने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र पर नाराजगी जाहिर की है।

स्वतंत्र प्रभात

पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी लगातार बढ़ती जा रही है. हालात इस कदर चिंताजनक हुए जा रहे हैं कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के दर्जनों टीवी चैनल, सोशल मीडिया इंफलुएंसर के यूट्यूब चैनल को बंद करा दिया है. पर युद्ध की गहराती आशंका के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपने भाई और देश के मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सलाह दी है कि इस्लामाबाद को भारत के साथ उलझने से बचना चाहिए. पाकिस्तानी अखबार द ट्रिब्यून ने अपने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि नवाज शरीफ ने शहबाज सरकार को कूटनीति के रास्ते पर चलने का मशवरा दिया है. साथ ही, शांति बहाली के लिए सभी तरह के कूटनीतिक विकल्पों पर विचार करने की बात की है।

नवज ने इतना ही नहीं किसी भी तरह के आक्रामक रूख को अख्तियार करने से बचने की बात की है. कहा जा रहा है कि शहबाज शरीफ ने नवाज शरीफ को रविवार को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की तरफ से सिंधु जल समझौते को रद्द करने के भारत के फैसले के बाद अपनी तैयारियों की जानकारी दी. शरीफ परिवार के घर जाती उमरा में परिवार के लोगों की बैठक हुई. यहां नवाज की बेटी और पाकिस्तानी पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी मौजूद थीं. सवाल है कि एक तरफ जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ समेत और दूसरे नेता एक सुर में भारत पर हमले और युद्ध की ललकार कर रहे हैं. नवाज शरीफ क्यों नरमी की बातें कर रहे हैं. इसके पीछे की वजहें कई हैं।

3 बार प्रधानमंत्री रहे शरीफ

नवाज शरीफ पाकिस्तान के पहली दफा प्रधानमंत्री साल नवंबर 1990 में प्रधानमंत्री बने थे. उनका ये कार्यकाल जुलाई 1993 तक चला था. शरीफ का दूसरा कार्यकाल फरवरी 1997 से अक्टूबर 1999 के बीच रहा. वहीं, आखिरी दफा वे जून 2013 से लेकर जुलाई 2017 के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे. उनके प्रधानमंत्री रहते हुए कुछ एक मौके तो ऐसे हैं, जब भारत-पाकिस्तान में काफी नजदीकियां आई. मई 2024 में नवाज शरीफ के उस बयान को काफी सराहा गया जब उन्होंने कहा कि फरवरी 1999 में हुए लाहौर डिक्लेरेशन के बाद जो कुछ भी हुआ, वो भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भरोसे के साथ विश्वासघात था. यहां शरीफ का इशारा जो कुछ भी से कारगिल युद्ध की तरफ था।

वाजपेयी-शरीफ का दौर

दरअसल, तब 1999 मेंनवाज शरीफ के निमंत्रण पर वाजपेयी लाहौर तक गए थे. लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी की पाकिस्तान और दोस्ती की वो यात्रा पाकिस्तानी मिलिट्री को रास नहीं आई. पाकिस्तानी सेना के उच्च अधिकारियों ने बिना नवाज शरीफ से मंजूरी लिए जुलाई 1999 में भारत के खिलाफ कारगिल युद्ध छेड़ दिया. शरीफ का अलग रूख उनके सत्ता से बेदखलल होने का कारण भी बना. बाद में, अक्टूबर 1999 में नवाज सरकार का तख्तापलट कर जनरल मुशर्रफ ने सत्ता की कमान अपने हाथ में ले लिया. शरीफ इससे पहले 1997 के कॉमनवेल्थ एडिनबर्ग सम्मिट में भी हिस्सा लेने गए तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदर कुमार गुजराल से हुई द्विपक्षीय बैठक में दोस्ती की बात कर चुके थे।

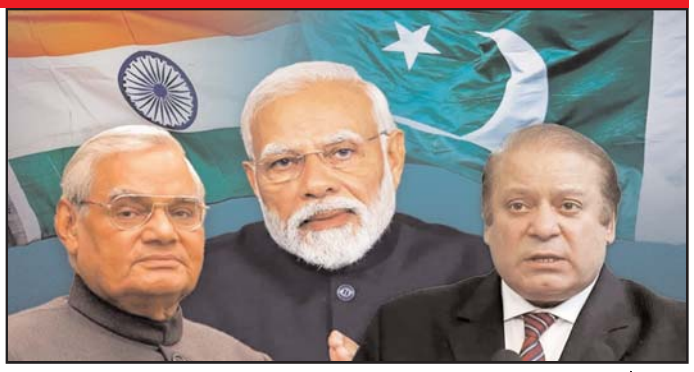

नरेंद्र मोदी-शरीफ का दौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की बात की जाए तो2014 में जब वे पहली बार शपथ लेने जा रहे थे तो उन्होंने दक्षिण एशिया (सार्क के सदस्य देश - अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका) के सभी प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों को बुलाने का फैसला किया था. तब शरीफ ने न्योता कुबूल किया और दिल्ली आए. फिर रमजान के मौके पर मोदी का शरीफ को फोन और बातचीच का दौर चला. एक मौका वो भी आया जब प्रधानमंत्री मोदी शरीफ के जन्मदिन के मौके पर लाहौर तक चले गए. लेकिन फिर पठानकोट और उरी में आतंकी हमला हुआ और चीजें पटरी से उतर गई. खैर, नवाज 2017 में सत्ता से बेदखल हुए और फिर इमरान खान के दौर में पुलवामा से लेकर और कई मोर्चों पर चीजें बिगड़ीं।

सीजफायरः इमरान ड्रक्स-शरीफ

मगर नवाज शरीफ दोस्ती की पैरोकारी करते रहे.पिछले साल ही दोनों देशों के बीच संबंधों में तब नरमी के संकेत मिले थे, जब भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए इस्लामाबाद गए थे. तब नवाज शरीफ ने जयशंकर की यात्रा को एक अच्छी शुरूआत बताया था. नवाज शरीफ के कार्यकाल के दौरान जहां भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर उल्लंघन के मामले कभी भी एक बरस में हजार से ऊपर नहीं गए. पर इमरान खान के सत्ता में आते ही 2018 में सीजफायर के 2 हजार से ज्यादा, 2019 में तीन हजार से अधिक और 2020 में 5 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए. अब फिर एक बार बॉर्डर पर सीजफायर उल्लंघन की घटनाएं बढ़ने लगी हैं।

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार- आप हाईवे बना रहे हैं, लेकिन सुविधाओं की कमी से लोग मर रहे

सड़क हादसों के शिकार लोगों के लिए कैशलेस इलाज की योजना तैयार करने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र पर नाराजगी जाहिर की है।

● कोर्ट ने सरकार से कहा है कि आप बड़े-बड़े राजमार्गों का निर्माण कर रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में रही है।

स्वतंत्र प्रभात

देश में सड़क हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जो चिंता का सबब बन गए हैं. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने सड़क-मोटर वाहन हादसों के शिकार लोगों के लिए कैशलेस इलाज की योजना तैयार करने में देरी को लेकर केंद्र पर नाराजगी जाहिर की है. कोर्ट ने सरकार से कहा है कि आप बड़े-बड़े राजमार्गों का निर्माण कर रहे हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव में रही है सोमवार (28 अप्रैल) को जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि 8 जनवरी के आदेश के बावजूद केंद्र ने न तो निर्देश का पालन किया और न ही समय बढ़ाने की मांग की. कोर्ट ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 164 एक अप्रैल, 2022 को 3 साल के लिए प्रभाव में लाई गयी थी लेकिन केंद्र ने दावेदारों को अंतरिम राहत देने के लिए योजना बनाकर इसे लागू नहीं किया।

सड़क परिवहन मंत्रालय से स्ष्ट ने पूछे सवाल

सुनवाई के दौरान बेंच ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव से पूछा 'आप अवमानना कर रहे हैं, आपने समय बढ़ाने की मांग करने की जहमत नहीं उठाई, यह क्या हो रहा है? आप हमें बताएं कि आप योजना कब बनाएंगे?. आपको अपने कानूनों की परवाह नहीं है, यह कल्याणकारी प्रावधानों में से एक है. इस प्रावधान को प्रभाव में आए 3 साल हो गए हैं. क्या आप वाकई आम आदमी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं?'

सुप्रीम कोर्ट ने ने सचिव से यह भी पूछा 'क्या आप इतने लापरवाह हो सकते हैं? क्या आप इस प्रावधान के प्रति गंभीर नहीं हैं? लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं, आप बड़े-बड़े राजमार्ग बना रहे हैं, लेकिन वहां लोग मर रहे हैं क्योंकि वहां कोई सुविधा नहीं है. गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट (हादसे के एक घंटे में इलाज) की कोई योजना नहीं है'. कोर्ट ने कहा कि इतने सारे राजमार्ग बनाने का क्या फायदा है।

क्या है मोटर वाहन अधिनियम

दरअसल मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 2 (12-ए) के तहत गोल्डन ऑवर सड़क हादसे में किसी गंभीर चोट के बाद एक घंटे की अवधि को संदर्भित करता है, जिसके तहत समय पर चिकित्सा मुहैया कराने से इंसान की जान बच सकती है उनकी मौत को रोका जा सकता है।

'जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने जताई आपत्ति'

सुप्रीम कोर्ट ने सचिव को योजना में देरी के कारणों को स्पष्ट करने के लिए तलब किया था. वहीं सचिव ने कहा कि एक मसौदा योजना तैयार की गई थी, लेकिन जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के आपत्ति जताने की वजह से इसमें परेशानी आ गई. सचिव ने कहा कि जीआईसी सहयोग नहीं कर रही है. जीआईसी ने तर्क दिया है कि उसे दुर्घटना में शामिल मोटर वाहन की बीमा पॉलिसी की स्थिति की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

13 मई को होगी अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने यह बयान भी रिकार्ड पर लिया कि गोल्डन ऑवर की योजना सोमवार से एक सप्ताह के अंदर लागू हो जाएगी. इसके बाद बेंच ने योजना को 9 मई तक रिकॉर्ड में रखने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई अगले महीने की 13 मई को तय की है।

संक्षिप्त ख़बरें

राघवेंद्र बाजपेई के परिजनों को न्याय दिलाने पत्रकार सीतापुर रवाना हुए

बरेली/नवाबगंज प्रेस क्लब पर अखिलेश उपाध्याय की अध्यक्षता मैं बैठ कर सीतापुर के महोली क्षेत्र से दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या होने के बाद पीड़ित परिवार को न्याय न मिलने पर एप्जा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा द्वारा सीतापुर कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना की घोषणा की गई है। इसके समर्थन में बरेली से नवाबगंज क्यों लड़िया के पत्रकारों ने सामूहिक बैठक की जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा का सहयोग करने साथ ही पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने हेतु सीतापुर रवाना होने का निर्णय लिया गया इसमें अध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व देव राठौर प्रभारी सुमित कश्यप रियाज गुड्डु राजू गंगवार हीरालाल गंगवार शाहिद अली नजमुल हसन शैलेंद्र गंगवार यशपाल गंगवार अखलाक अहमद बबलू कश्यप समेत भारी संख्या में पत्रकार एकत्रित हुए।

अवकाश ग्रहण पर शमशाद को दी गई विदाई

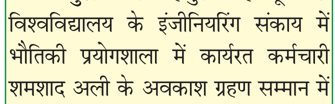

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में भौतिकी प्रयोगशाला में कार्यरत कर्मचारी शमशाद अली के अवकाश ग्रहण सम्मान में विदाई समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने उनके उत्कृष्ट योगदान को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो संतोष कुमार ने शमशाद अली के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ये एक कर्मठ और विनम्र कर्मचारी थे। समारोह में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. अमरेंद्र सिंह डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. केवल भारती, श्यामजी त्रिपाठी, रामसेवक यादव, मोहिंदर पाल, चंद्रेश शर्मा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामपुर के 50 साल पुराने मीना बाजार पर चला बुलडोजर; 40 दुकानें ढहाई

स्वतंत्र प्रभात

रामपुर- मीना बाजार की 40 दुकानें आखिरकार ध्वस्त कर दी गई. लगभग 50 साल पुरानी इन दुकानों को कोर्ट के आदेश के बाद ढहाया गया. ये दुकानें सड़क पर बना ली गई थीं. जब प्रशासन ने इनको हटाने का नोटिस दिया तो मामला कोर्ट में पहुंच गया था. सोमवार सुबह 6 बजे से शुरू हुई दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में नगर पालिका के कर्मचारी और पुलिस फोर्स तैनात थी. एक दिन पहले ही दुकानदारों को नोटिस देकर अवगत कराया गया था कि सभी दुकानों से सामान निकाल लें. इसके बाद आज दुकानें ढहा दी गई।

दरअसल, पूरा मामला सिविल लाइंस इलाके का है. यहां जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय की बाउंड्री से लगी सड़क पर वर्षो पहले कब्जा कर एक के बाद एक दुकानें बना ली गई थीं. फ्लाईओवर बनने के बाद यह जगह और भी संकरी हो गई. प्रशासन ने सड़क पर बनी दुकानों को हटाने के लिए कवायद शुरू की. मीना बाजार की दुकानों पर पूर्व में हुए स्टे आर्डर को एक पक्षीय कार्रवाई ठहराते हुए नगर पालिका ने सेशन कोर्ट में अपील की। इस बीच दुकानदार हाईकोर्ट पहुंच गए. जिस पर हाईकोर्ट ने दो माह में निस्तारण का आदेश लोअर कोर्ट को दिया. 11 अप्रैल को लोअर कोर्ट ने 7 सी प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए दुकानदारों को 15 दिन में दुकानें खाली करने का आदेश दिया. साथ ही यह भी कहा था कि समयावधि पूरी होने पर पालिका को विधिक कार्रवाई का अधिकार होगा।

दुकानदारों ने सेशन कोर्ट में दायर की अपील~ लोअर कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ दुकानदारों ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की, जिसमें पालिका के अधिवक्ता संदीप सक्सेना की ओर से आपत्ति दाखिल की गई थी। जिसमें सेशन कोर्ट ने लोअर कोर्ट का ही आदेश बरकरार रखते हुए दुकानदारों की अपील खारिज कर दी थी। अब 15 दिन में दुकानें खाली करने की समय अवधि भी समाप्त हो गई है, जिसके बाद सोमवार को नगर पालिका की और से दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई~ इस मामले पर जिलाधिकारी रामपुर जोगिंदर सिंह ने बताया कि यह सिविल लाइंस का मामला है. जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के सामने किसी समय मुख्य मार्ग हुआ करता था. उस पर दुकानें बना ली गई थीं। शासकीय अधिकारी नगर पालिका की तरफ से पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके तहत अतिक्रमण हटाने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस की नियुक्ति की गई थी। सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन का आदेश था कि अतिक्रमण हटाया जाए। अब आम जनमानस के लिए फ्लाईओवर के नीचे जो सर्विस लाइन थी, वह पूर्ण रूप से खुल गई है. सुचारू यातायात चालू हो गया है. लगभग 40 दुकानें थीं, जो हटाई गईं। जो कुछ अन्य दुकानें थीं वह लोगों ने खुद ही हटा ली थीं।

रास्ता पूछ कर लिफ्ट देकर कार में की महिला से की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

● .....पीजीआई कोतवाली क्षेत्र की घटना।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृन्दावन योजना में कार सवारों ने एक महिला से रास्ता पूछा, महिला को लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठा लिया, रास्ते में छेड़छाड़ शुरु कर दी। महिला ने किसी तरह कार से कूदकर अपनी इज्जत बचाई, शोर मचाने पर कार सवार मौके से भाग निकला। पीडिता ने पीजीआई कोतवाली पहुचकर तहरीर दी, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। लखनऊ के नगराम इलाके की रहने वाली पीडिता ने पीजीआई कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि वह बीते शनिवार की शाम लगभग 4.30 बजे वृन्दावन योजना में स्थित सरयू इन्क्लेव से अपने घर के लिए जा रही थी, रास्ते में सरथुवा के पास एक कार पास में आकर रुकी,उसमे सवार ने पीडिता से खुजौली जाने का रास्ता पूछा, पीडिता ने उसे रास्ता बताया, महिला के उसी तरफ चलने की बात कहने पर कार सवार ने पीड़िता को कार में बैठा लिया, कुछ दूर चलने पर महिला से छेड़छाड़ करने लगा, महिला ने विरोध किया और किसी तरह बरकत नगर मे कार से कूदकर अपनी इज्त बचाई, शोर मचाने पर लोगों को जुटता देख कार सवार कार लेकर भाग गया। पीजीआई पुलिस ने रविवार को पीडिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल शुरु कर दी थी।

आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे.........

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अनुपम तिवारी 28उर्फ सत्यम तिवारी निवासी खुजौली ,मोहारी खुर्द को सोमवार दोपहर बाद गिरफ्तार कर,जांच पड़ताल में हुई पुष्टि के बाद छेड़छाड़ के मुकदमे में दुष्कर्म की धाराओं मे बढ़ोत्तरी करते हुए जेल भेज दिया गया है।

सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में स्कॉर्पियो और टेंपू में हुई भयानक टक्कर, हादसे में दो मजदूरों की हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

बलिया (यूपी) के सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के गांधी इंटर कॉलेज के समीप आज दोपहर स्कॉर्पियो और टेंपू के बीच भयानक टक्कर हो गई। इस घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के खबर पाकर सूचना थाना प्रभारी प्रवीण सिंह मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। पत्रकार सैयद सेराज अहमद ने सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि नेमा टोला गांव निवासी बेचू राजभर (40) व लक्ष्मण उर्फ देवा राजभर (45) मजदूरी के कार्य के लिए टेंपो से जिला मुख्याल की ओर जा रहे थे। जैसे ही टेंपो गांधी इंटर कॉलेज के समीप पहुंचा।

सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए और दोनों मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन प्राथमिक उपचार के दौरान ही डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर गांव में पहुंची तो मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि दोनों शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव की कामधेनु बनकर रह गई मनरेगा योजना

मास्टर रोल मे फर्जी हाज़िरी लगाकर एवं फर्जी फोटो अपलोड कर डकारा जा रहा मनरेगा का धन

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी भले ही सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ जहां भ्रस्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जीरो टारलेंस की नीति लागू कर रहे हो पर जिले के विभागीय जिम्मेदारो की धनलोलुप्त की वजह से योगी के आदेशों का कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है मामला विकास क्षेत्र लखीमपुर की ग्राम पंचायत खम्भेल जिम्मेदार अधिकारी व पंचायत सचिव व पंचायत मित्र की मिली भगत के चल रहा फर्जीवाड़ा मनरेगा के तहत मजदूरो के खाते में ट्रांसफर किये गये हजारों रुपए व बैंक से निकल भी गए। जो उनके व्यक्तिगत लोग है फर्जी मैठ बना कर खड़ा कर दिया जाता है जो की वो लोग केवल घूमने जाते है जब कोई पूछता है बोलते है कि हम मैट हूं कोई काम नहीं करूंगा कानूनन देखा जाए तो एक ही मैट होना चाहिए और एक पानी पिलाने वाला और इस ग्राम पंचायत में कई मैट है जो एक साथ मनरेगा का कार्य करते हैजो कभी घर से बाहर नहीं निकलते हैं वो आदमी की आड़ में बैंक से घर बैठे निकाल रहे हैं मनरेगा का पैसा,। ग्राम पंचायत खम्भाल में महात्मागांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में भ्रष्टाचार का तड़का लग चुका हैं।पूरा मामला ग्राम पंचायत खम्भाहौल का हैं। जहां के ग्रामीणों के खातों में बिना मजदूरी किए इस योजना का पैसा ग्राम पंचायत सचिव व पंचायत मित्र जिम्मेदार अधिकारी की मिली भगत से पंचायत मित्र अपने ही चहेते अपने खास आदमी के खाते में मनरेगा का पैसे ट्रांसफर कर दिया जाता है ।इसके बाद ग्राम खम्भाल के पंचायत मित्र की मिली भगत से कुछ पैसे देकर पूरा पैसा खुद की जेब में रख लिया जाता है।यह जिम्मेदार लोग कई सालों से फर्जीवाड़ा मनरेगा में कामनहीं कर रहे हैं और अपने चहेतों के खातो में पैसा ट्रांसफर कर के निकाल रहे हैं।अब देखना यह होगा कि खबर चलने के बाद इन फर्जीवाड़ा करने वालों पर क्या कुछ कार्रवाई होती है या ऐसे ही मामला दब जाएगा। अगली खबर जिन लोगों के खातों में फर्जी तरीके से पैसा ट्रांसफर किया गया है। उसके बाद कुछ पैसा देकर निकाल लिया गया है अब नाम सहित खबर होगी उजागर।

ग्राम पंचायत खम्भाल में मनरेगा योजना अंतर्गत किए गए मजदूरों के भुगतानों की सूची पर एक नजर डालें तो सूची में दर्ज नाम में से 50% से अधिक ऐसे लोग हैं जो कभी काम करने गए ही नहीं है इनकी फर्जी फोटो अपलोड कर फर्जी हाजिरी लगा करके एक व्यापक स्तर पर उनके खातों में पैसा डालकर मनरेगा योजना को आए सरकारी धन का बंदरबाट कर अपनी-अपनी तिजोरिया भर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं अधिकांश लोग कभी काम करने ही नहीं जाते हैं और उनको 100 दिवस का रोजगार दिया जाना दर्शाया गया है।और इसी के तहत उनके खातों में भुगतान भी भेजा गया यदि जिम्मेदार अधिकारी ने मामले का संज्ञान और कराये निष्पक्ष जांच तो मनरेगा योजना में एक बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा होगा। देखना अब यह है की खंड विकास अधिकारी से लेकर जिला स्तरीय मनरेगा उपायुक्त द्वारा इस मामले पर क्या कार्रवाई की जाती है.।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात कारणों से सिवान में लगी आग, गन्ने और गेंहू की फसल जलकर राख

बस्ती। बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के हथियांव, बगही और कलवारी थानाक्षेत्र के सिकंदरपुर गांव के सिवान में तेज आंधी के दौरान अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग का तांडव देख सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक किसानों की गन्ना और गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। आग से किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे वे बेहद मायूस हैं। जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के बगही हाथीयव कलवारी थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर शहीद दर्जनों गांव में आपका तांडव देखने को मिला किसने की गाड़ी कमाई फसल गेहूं जलकर राख हो गया काफी मशक्कत के बाद आज पर काबू पाया गया तब तक किसानों की 150 विगहा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई साथ में खड़े गनना और पेडी तथा रखे हुए जानवरों के चेहरे भूसा सहितकाफी नुकसान हुआ मौके पर सूचना पाकर थाना अध्यक्ष फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर आग बुझाने में कामयाब रही अभी तक किसानों का आकलन राजस्व विभाग का कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा किसानों में निराशा झलक रही है कैसे किसने की भरपाई होगी गेहूं सहित तमाम फैसले चलकर बात हो गई हवा के झोंके में किसानों के लगभग सैकड़ो भीगी किसानों के गेहूं जलकर राख हो गई

अधिशासी अधिकारी के साथ फोन पर हुई अभद्रता व धमकी को लेकर केस दर्ज

प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस लालगंज ने नगर पंचायत लालगंज के अधिशासी अधिकारी के साथ फोन पर की गई अभद्रता व धमकी को लेकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रयागराज जिले के देवप्रयागम झलवा धूमनगंज निवासी अभयरंजन पुत्र दयाराम यहां नगर पंचायत लालगंज में अधिशासी अधिकारी के पद पर तैनात है। अधिशासी अधिकारी अभयरंजन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि नगर पंचायत के सफाई विभाग में ठेका कर्मचारियों के रूप में चालक पद पर तैनात वृंदावन पाण्डेय ने बीते माह काम छोड़ दिया है। इस पर उन्होंने उसका कार्यालय में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया था। पीड़ित अधिशासी अधिकारी का आरोप है कि पचीस अप्रैल को आरोपी वृंदावन ने उससे फोन पर आपत्तिजनक वार्ता की और अभद्रता करते हुए जानलेवा धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपी ने फोन पर कहा कि नगर पंचायत कार्यालय उसकी जमीन पर बना है। वह उसमें किसी को बैठने नहीं देगा। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि अधिशाषी अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ शनिवार की शाम मुकदमा दर्ज किया गया है।

पहलगाम घटना पर की गयी पोस्ट पड़ी भारी, पुलिस ने आरोपी का किया चालान

प्रतापगढ़। जम्मू कश्मीर के पहलगाम घटना को लेकर एक आरोपी द्वारा इंटरनेट मीडिया पर की गयी पोस्ट उसे भारी पड़ी। पोस्ट को लेकर लोगों में आक्रोश भी पनपता दिखा। इस मामले में सनातन सेना के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने सांगीपुर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठायी। मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान कर दिया। सांगीपुर इलाके में रविवार को इंटरनेट मीडिया पर पहलगाम घटना से जुड़ी एक पोस्ट को लेकर आक्रोश पनप उठा। सनातन सेना के कार्यकर्ताओं आलोक सिंह, अतुल मिश्र, शैलेन्द्र सिंह, अटल सिंह, अंकुर सिंह, राहुल सिंह आदि ने सांगीपुर थाने पहुंचकर एसओ को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि आरोपी सीएचसी सांगीपुर में कर्मचारी भी है। कार्यकर्ताओं की ओर से कहा गया है कि उसके द्वारा इंटरनेट मीडिया पर की गयी पोस्ट से धार्मिक उन्माद बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। आक्रोश देख पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि हिरासत में लिया गया आरोपी मो०उमर सीएचसी सांगीपुर में कर्मचारी है। शांतिभंग में उसका चालान किया गया है।

ब्राम्हण की तुलना आतंकवाद से करने वाले गौर ब्लाक के सरकारी शिक्षक की गिरफ्तारी की मांगटला धरना जल्द होगी विधिक कार्यवाही - जिलाधिकारी

● ब्राम्हण की तुलना आतंकवाद से करने वाले गौर ब्लाक के सरकारी शिक्षक विजय पटेल के निलंबन व गिरफ्तारी की मांग को लेकरधरना जिलाधिकारी के आश्वासन पर धरना टला

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के गौर ब्लाक शिक्षक द्वाराब्राम्हण की तुलना आतंकवाद से करने वाले गौर ब्लाक के सरकारी शिक्षक विजय पटेल के निलंबन व गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज से समर्थकों के साथ बेमियादी धरने पर बैठने हेतु भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय ÷सुदामा÷जैसे ही कलेक्ट्रेट परिसर पहुंच धरने पर बैठे जिलाधिकारी ने तुरंत धरनारत श्री पाण्डेय को वार्ता हेतु आमन्त्रित किया विजय शंकर त्रिपाठी, वेदप्रकाश त्रिपाठी, संतोष पाठक व विमलेंद्र सिंह सहित सात सदस्यीय टीम के साथ चली करीब आधे घंटे की वार्ता में आज ही निलंबन या गिरफ्तारी हेतु डटे श्री पाण्डेय को जिलाधिकारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी शिक्षक को जबाब देने हेतु बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा नोटिस जारी कर दो दिन का समय दिया गया था जिसके क्रम में यदि शनिवार तक जबाव दिया गया होगा तो आज डाक से मिल जायेगा अथवा आज पुनः नोटिस जारी किया जाएगा तत्पश्चात निलंबन की कार्यवाही होगी श्री पाण्डेय का कहना था कि खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ बर्मा हों या शिक्षक विजय पटेल कहीं न कहीं इनपर त्वरित कार्यवाही न होने के चलते ही ऐसे बयान वीरों की बाढ आ रही है जिलाधिकारी ने श्री पाण्डेय को आश्वस्त किया कि इसी सप्ताह कार्यवाही सुनिश्चित हो जायेगी तत्पश्चात श्री पाण्डेय ने एक सप्ताह के लिए अपना आन्दोलन स्थगित कर दिया किन्तु स्पष्ट कर दिया कि यदि ऐसे शिक्षक पर कार्यवाही नहीं हुई तो यह शांत बैठने

वाले नहीं हैं कारण ऐसे बयान हिंदुस्तान में हिंदुओं को बांटने वाला व समाज में नफरत फ़ैलाने वाला है ऐसे में इस तरह का बयान देश द्रोह की श्रेणी में आता है यदि ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं हुई तो समाज में अराजकता फैलेगी शिक्षा का स्तर व शिक्षकों की गरिमा घटेगी हिंदुस्तान में हिंदुओं को बांटने या कमजोर करने के किसी भी मंसूबे को सफल नहीं होने दिया जाएगा मीडिया द्वारा यह सवाल करने पर कि शायद आरोपी शिक्षक ने अपनी ग़लती हेतु माफी मांगी है श्री पाण्डेय ने जबाव देते हुए कहा कि जब बयान मीडिया व शोषल मीडिया के जरिए सार्वजनिक हो चुका है तो माफी भी सार्वजनिक होना चाहिए रामायण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीताजी को चोंच मारने वाले जयंत को भगवान श्री राम ने ही माफ किया था न कि शंकर जी या ब्रम्हा जी ने नहीं माफ किया था ठीक उसी तरह सार्वजनिक टिप्पणी हेतु जनता माफ कर सकती है अधिकारी नहीं इस मौके पर श्री पाण्डेय के साथ महेंद्र चौहान, राजेश सिंह, विमलेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, शक्ती दीप पाठक, संतोष पाठक, विजय शंकर तिवारी,ओम प्रकाश उपाध्याय,वेद प्रकाश तिवारी, राजीव पाण्डेय,दीपक पाण्डेय,चन्द्र प्रकाश तिवारी, नवीन तिवारी,संदीप तिवारी,संजय शुक्ल, विजय शुक्ल, दिवाकर पाण्डेय, जगतबली सिंह,मनोज सिंह, सत्येन्द्र शुक्ल, पंकज त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी, अरूणेश पाठक प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अरशद वारसी खान तीसरे स्थान व युवराज सिंह यादव जिले में सातवां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया

स्वतंत्र प्रभात

गैसड़ी / बलरामपुर – शिक्षा क्षेत्र गैसड़ी के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज गैसड़ी में शिक्षा ग्रहण कर रहे हाई स्कूल के छात्र अरशद वारसी खान ने जिले में हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले में तीसरी स्थान प्राप्त की है तो वहीं युवराज सिंह यादव ने जिले में सातवां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है गौरतलब हो कि निकट स्टेशन रोड राजकीय इंटर कॉलेज में युवराज सिंह यादव व अरशद वारसी खान ने अपने कड़ी मेहनत व परिश्रम से सफलता प्राप्त की है अरशद वारसी खान हाई स्कूल में 93.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में जहां तीसरे स्थान पर रहे वहीं युवराज सिंह यादव हाई स्कूल में 92.50त्न अंक पाकर हाई स्कूल में जनपद बलरामपुर में सातवें स्थान पर रहे हैं इस कामयाबी की चर्चा सुनकर क्षेत्रीय युवाओं में उत्साह देखी गई लोगों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर हर्ष व्यक्ति किया । जब कि इसी राजकीय इंटर कालेज की छात्रा सृष्टि शुक्ला ने जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया था जिसमें जिला व मण्डल स्तर पर चौथा स्थान हासिल कर जिले व विद्यालय का नाम रोशन किया वहीं माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने 5000 रुपए का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया था । इस सफलता पर प्रधानाचार्य व शिक्षक शिक्षिकाओं, कर्मचारियों व अभिभावकों, विद्यार्थियों में खुशी की लहर है ।

दो पक्षों में मारपीट के दौरान चोट लगने से व्यक्ति की हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के नगर पंचायत केनगर थाना क्षेत्र के फुलवरिया निषाद ग्राम में बच्चों के विवाद के बाद हुई मारपीट में साजन नामक व्यक्ति घायल हो गए। परिजनों द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। नगर थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी तथा अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार..

शनिवार को बच्चों के बीच क्रिकेट खेलने के दौरान हुए विवाद ने रविवार को बड़ा रूप ले लिया। गांव फुलवरिया निषाद में 55 वर्षीय साजन पुत्र मुन्नर की कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी सुमन की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।जानकारी के अनुसार, साजन के पुत्र राज का गांव के ही राजू निषाद के पुत्र अल्वीलाल से क्रिकेट खेलते समय शनिवार को विवाद हो गया था। इस विवाद को लेकर रविवार को राजू निषाद अपने तीन पुत्रों–विनोद, संतोष और

अल्वीलाल के साथ साजन के घर पहुंचा। आरोपितों को देख राज घर के अंदर छिप गया। इसके बाद आरोपितों ने घर के बाहर खड़े होकर गाली-गलौज शुरू कर दी।जब साजन ने बाहर आकर अपशब्द कहने से मना किया तो आरोपितों ने उन्हें दरवाजे पर ही लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। गंभीर हालत में साजन को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह व क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने मृतक के परिजनों व गांववासियों से पूछताछ की। गांव के कुछ लोगों ने बताया कि मृतक साजन पहले से बीमार चल रहे थे।घटना के बारे में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि क्रिकेट खेल के दौरान बच्चों के विवाद को लेकर यह घटना हुई है। मृतक की पत्नी की तहरीर पर आरोपित राजू निषाद पुत्र वासुदेव, तथा उनके तीन पुत्र–विनोद, संतोष व अल्वीलाल–के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया है। शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।नगर थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह के अनुसार, घटना का मुख्य कारण मृतक साजन के बेटे राज और आरोपी अल बिलाल के बीच क्रिकेट खेलते समय हुई कहासुनी रही। इसी कहासुनी के बाद विपक्षीगण साजन के घर पहुंचे और विवाद बढ़ गया, जो मारपीट में तब्दील हो गया।पूछताछ में गांव वालों ने यह भी बताया कि साजन काफी दिनों से बीमार थे और हार्ट के मरीज थे। मौके पर कोई स्पष्ट बाहरी चोट नहीं दिखाई दे रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की पूरी जानकारी हो पाएगी। बहरहाल सूत्रों के अनुसार घटना के बारे में परिजनों द्वारा तथा पुलिस द्वारा बताए गए थ्योरी में सामानता नहीं है सच क्या है यह तो आगे जांच के बाद ही पता चलेगा

कांग्रेस नेता द्वारा संविधान बचाओ रैली में हिस्सा लेंगे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के कांग्रेस द्वारा आगामी 28 अप्रैल को पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह के परिसर में दिन में 11 बजे से प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया है। शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के संयोजन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूप रेखा के साथ ही पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण किया गया। तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुये कार्यक्रम संयोजक केशव चन्द यादव ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार संविधान को बदलने की तैयारी में है और संसद से लेकर सड़क तक संविधान को कमजोर करने के साथ ही संविधान निर्माता बाबा साहब को भी अपमानित करने का सुनियोजित षड़यंत्र निरन्तर जारी है। देशा वासियों को जगाने और संविधान बचाने की दिशा में 28 अप्रैल की कांग्रेस की रैली महत्वपूर्ण है। कहा कि पार्टी के सभी

पदाधिकारी, कार्यकर्ता रैली की सफलता के लिये अपनी पूरी ताकत झोंक दें। कांग्रेस कार्यालय पर हुई बैठक में आलोक प्रसाद पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, राम जियावन, अनूप पाण्डेय, वीरेन्द्र प्रताप पाण्डेय 'बबलू' जय करण वर्मा, देवेन्द्र श्रीवास्तव, कौशल त्रिपाठी, नर्वदेश्वर शुक्ल, अनिल भारती, अमित सिंह, वाहिद सिद्दीकी, अलीम अख्तर, राम बचन भारती, राणा सिंह, लाल जी पहलवान, शौकत अली, नन्हू, संदीप श्रीवास्तव गंगा मिश्रा, राजन सिंह, आनंद के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं ने संविधान बचाओ रैली को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने वरिष्ठ नेताओ के सुझावों का स्वागत करते हुये बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्यक्रम संयोजक लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बसन्त चौधरी के संयोजन में आयोजित संविधान बचाओ रैली में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश सचिव सत्य नरायन पटेल के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेता, प्रदेश के अनेक सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, विधायक, कार्यकर्ता हजारों की संख्या में हिस्सा लेंगे। बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिये तहसील, ब्लाक और न्याय पंचायत स्तर पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में दायित्वों का वितरण कर दिया गया है। कांग्रेस पदाधिकारी, तहसील, ब्लाकों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाओ रैली की सफलता के लिये ताकत झोंक दिया है। गांव-गांव जाकर सघन सम्पर्क किया जा रहा है। दावा किया कि प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली ऐतिहासिक होगी।

ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए गए

स्वतंत्र प्रभात

उतरौला (बलरामपुर) – संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सोमवार को ग्राम बनकटवा (ब्लॉक-उतरौला) में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. सी. पी. सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए गए कार्यक्रम में डॉ. सी. पी. सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, "संचारी रोग जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस आदि से बचाव के लिए साफ-सफाई अत्यंत आवश्यक है। घर के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें, समय-समय पर जलजमाव वाली जगहों पर दवा का छिड़काव करें और पूरी बाजू के कपड़े पहनें।" उन्होंने यह भी बताया कि "बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और स्वयं इलाज न करें

कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष उपाध्याय, डॉ. अमरेंद्र कुमार, डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि अंशुमान मिश्रा, वीरेंद्र कुमार गौड़, ग्राम की आशा कार्यकर्ता कामना देवी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जुगरा ग्राम प्रधान शायरा बनो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि अंशुमान मिश्रा ने भी ग्रामीणों को संचारी रोगों के लक्षण, बचाव के उपाय और समय पर उपचार के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों और बुजुर्गों में विशेष सावधानी बरतने की अपील की आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव के लिए पम्पलेट वितरित किए और साफ-सफाई के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के अंत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने स्वच्छता शपथ भी दिलाई और हर ग्रामीण से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया।

अन्याय के विरूद्ध सामाजिक क्रांतिकारी थे बाबा साहेब- राम प्रसाद चौधरी

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में लोक जन सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष बी.पी. आनन्द के संयोजन में कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के भावपुर गांव में भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जयन्ती अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन सिर्फ शिक्षा या संविधान तक सीमित नहीं था, वे एक सामाजिक क्रांतिकारी थे। उन्होंने जीवनभर छुआछूत, जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा लिया। उन्होंने दलितों, महिलाओं और वंचितों को आत्मसम्मान और अधिकार दिलाने के लिए अनेक आंदोलन चलाए। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि चन्द्र प्रकाश चौधरी, अशोक सिंह ने कहा

कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार हैं। उन्होंने भारत के संविधान की रचना करते समय यह सुनिश्चित किया कि देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, भाषा या वर्ग से हो , समानता, न्याय और स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हो। उनका संविधान आज भी हमारा सबसे मजबूत लोकतांत्रिक आधार है। उनके संकल्पों को पूरा करने के लिये एकजुटता से आगे बढना होगा। लोक जन सेवा समिति अध्यक्ष बी.पी. आनन्द, डा. बी.आर. अम्बेडकर एजुकेशनल संचालक सुनील कुमार, सुभाष निषाद, शिवशंकर चौधरी, रामकुमार, रामस्वारथ चौधरी, मन बहाल सिंह, जय सिंह, राम जतन, अनिल पाण्डेय आदि ने बाबा साहेब के जीवन संघर्षो, उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षित बनो, संघर्ष करो का जो नारा दिया उसे मिलकर पूरा करना होगा। कार्यक्रम में सुभाष चन्द्र, सूरज कुमार, राजाराम, अनिल कुमार, छैल बिहारी, मुन्नीलाल, आशाराम, गया प्रसाद, हरिराम, राम सहाय, बाबूराम, अशोक कुमार, कृष्णा अनुरागी, रामशव्द तिवारी, राजेश तिवारी, राम बचन राव, आर.डी. निषाद के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

बेहतर शिक्षा के लिये परिषदीय विद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण- राम प्रसाद चौधरी

● -शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन, अंक पत्र वितरित

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय किसी भी मामले में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से कम नहीं है। चाहें शिक्षा के गुणवत्ता की बात हो या किसी कार्यक्रम के आयोजन की। बेसिक शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है। यह विचार सांसद रामप्रसाद चौधरी ने सल्टौआ विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय - रामपुर मुड़री में शारदा संगोष्ठी और वार्षिकोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये व्यक्त किया। विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए सांसद श्री चाधरी ने कहा कि ऐसा भव्य आयोजन किसी बेसिक विद्यालय में विरले ही देखने को मिलता है।' खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में निरंतर सुधार हो रहा है भौतिक परिवेश के साथ साथ शैक्षिक परिवेश में गुणात्मक सुधार हुआ है।' प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय

शंकर शुक्ल ने कहा कि सभी अभिभावकों का ये दायित्व है कि वे अपने बच्चों को प्रत्येक दिवस विद्यालय भेजें ताकि वे गुणवत्ता परक शिक्षा ग्रहण कर सकें।' प्रधानाध्यापक राम भरत वर्मा ने गत सत्र में विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया और वर्तमान सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत किया। सुभासपा के पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी ने विद्यालय विकास में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।'वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के साथ ही कार्यक्रम में मोहक नृत्य व प्रासंगिक विषयों पर आधारित प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कंपोजिट विद्यालय पड़री पाण्डेय की छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुति दी।' विद्यालय में सभी छात्रों को सत्र 2024- 25 वार्षिक परीक्षा का अंकपत्र भी वितरित किया गया। अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल, शील्ड, पानी का बोतल,लंच बॉक्स, कॉपी और पेंसिल बॉक्स देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में नव प्रवेशी छात्रों को कॉपी और पेन देकर उनका स्वागत विद्यालय परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन विजय प्रकाश चौधरी ने किया।' कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के राघवेन्द्र प्रताप सिंह, राम प्रकाश शुक्ल, रमेश चंद्र चौधरी, महेश चन्द्रा ,विवेक चौधरी, चंद्रशेखर पाण्डेय, सौरभ पद्माकर, विकास वर्मा, प्रताप नारायण चौधरी अशोक कुमार चौधरी, मनोज चौधरी, राजमणि, दिलीप चौधरी, सुनील, शकन्हैया पटेल , मुनिराम वर्मा, विपिन कुमार, लाल साहब पाण्डेय, मो खुर्शीद, अतुल चौधरी, मनोज वरुण, रजनीश धर द्विवेदी, योगेन्द्र सिंह, रत्नेश चौधरी, अभय चौधरी अश्विनी पाण्डेय, डा0 अमित नायक, डा विनीता नायक, रंजना चौधरी और ब्लाक के अन्य शिक्षक शिक्षामित्र एवं अनुदेश साथियों के साथ साथ अभिभावक गण और कई ग्राम पंचायतों के प्रधान गण बीडीसी गण के साथ विद्यालय परिवार के स0अ0 संजीव कुमार, सत्येंद्र सिंह, शिवांगी अग्रहरि, और अनुराधा जायसवाल उपस्थित रहे।'

सचिवों का अनिश्चितकालीन आंदोलन बरकरार

निलंबन वापसी तक सभी विकासखंडों में कार्य बहिष्कार

स्वतंत्र प्रभात

अंबेडकरनगर। जिले के ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत सचिवों ने अपने निलंबित साथियों के समर्थन में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। बसखारी विकासखंड से शुरू हुआ यह आंदोलन अब जिले के सभी विकासखंडों में फैल चुका है। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक निलंबन की कार्रवाई वापस नहीं ली जाती, तब तक वे कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय के समक्ष मुख्य विकास अधिकारी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि निलंबन की कार्रवाई बिना उचित जांच और प्रक्रिया के की गई है, जो न्यायोचित नहीं है। इसी के विरोध में सचिव लामबंद हो गए हैं।

प्रमुख स्थानों पर नेतृत्व और समर्थन

बसखारी में राजीव वर्मा, कटेहरी में अनिल कुमार सिंह, टांडा में राजशेखर सिंह, अकबरपुर परिसर में गंगाराम गुप्ता तथा जहांगीरगंज में धीरेंद्र मौर्य के नेतृत्व में सचिवों ने मोर्चा संभाला है। आंदोलन को ग्राम प्रधानों, सफाईकर्मी संगठनों तथा अन्य कर्मचारी संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है।

प्रशासन के खिलाफ आक्रोश

आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक सभी निलंबित कर्मचारियों को बहाल नहीं किया जाता और उनकी मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती, तब तक कार्य बहिष्कार अनवरत जारी रहेगा। आंदोलन के और तेज होने के संकेत देते हुए कर्मचारियों ने आगामी दिनों में जिले स्तर पर एक बड़ा प्रदर्शन करने की भी चेतावनी दी है।

स्थिति पर प्रशासन की नजर

इधर, जिला प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और वार्ता के जरिए समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, आंदोलन की तीव्रता को देखते हुए प्रशासन के लिए चुनौती बढ़ती नजर आ रही है।

जिला सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेले का आयोजन 30 अप्रैल को

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में 30 अप्रैल को पूर्वान्ह 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की 05 कम्पनियों द्वारा ट्रेनी आपरेटर, सुपरवाइजर, सिक्योरिटी गार्ड, एरिया आफीसर, आफिस असिस्टेंट, टेलीकॉलर, इन्श्योरेन्स एडवाइजर के विभिन्न पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ आई0डी0, मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर आनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर आनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है।

संक्षिप्त खबरें

हाईवे पर अवैध कट बंद करने के आदेश सड़क सुरक्षा पर जिलाधिकारी सख्त, ओवरब्रिज निर्माण की धीमी प्रगति पर जताई नाराज़गी

सीतापुर जनपद सीतापुर में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक हुई जिलाधिकारी ने सीतापुर-सिधौली मार्ग पर हो रहे हादसों को देखते हुए अवैध कटों को बंद करने के निर्देश दिए नवीन चौक पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था को समय सीमा में काम पूरा करने का आदेश दिया दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ओवरस्पीडिंग नियंत्रण और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पटरियों का निर्माण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा में विभागीय समन्वय पर जोर दिया पुलिस, लोक निर्माण, परिवहन और विद्युत विभाग को आपसी सहयोग से काम करने को कहा मार्च-अप्रैल की दुर्घटना रिपोर्ट जल्द मांगी गई है यातायात में बाधक विद्युत पोलों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं लेन मार्किंग और ट्रैफिक चालान की निगरानी बढ़ाई जाएगी। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर रोक और जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया गया बैठक में सीओ नगर अमन सिंह, नगर पालिका परिषद के ईओ वैभव त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे!!

मुस्लिम समाज ने किया आतंकवाद का विरोध, पहलगाम हमले के बाद सीतापुर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

सीतापुर जनपद सीतापुर मुस्लिम समाज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया समाज के लोग इमामबाड़ा काज़ियारा में एकत्र हुए वहां से जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आतंकी घटना की कड़ी निंदा की गई साथ ही देश में शांति और एकता बनाए रखने का संदेश दिया गया वक्ताओं ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता यह मानवता पर हमला है प्रदर्शन में मौलाना इश्तियाक हुसैन, सफ़्फ़ान सूफ़ी और कारी सलाउद्दीन शामिल थे नोमान सिद्दीकी, हुसैनी टाइगर के जिला अध्यक्ष हसन इमाम भी मौजूद रहे। मंज़र रिज़वी, समीर जैदी, सादिक रज़ा और सैय्यद अख़्तर अब्बास समेत बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया सभी ने आतंकवाद के खिलाफ नाराज़गी जताई सरकार से कठोर कार्रवाई की मांग की कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ!!

प्रो. संजीव चड्ढा विधि अध्ययन विभाग के बने डीन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बीबीएयू विधि अध्ययन विभाग के प्रो. संजीव कुमार चड्ढा को डीन बनाया गया है। पूर्व में प्रो. चड्ढा विधि अध्ययन विभाग के अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने बताया कि छात्रों के कल्याण के लिये हर संभव प्रयास किये जाएंगे और विधि विभाग को शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जाएगा एवं विभाग की समस्याओं का त्वरित निदान भी किया जाएगा।

पौधरोपण कर मनाया समाजसेवी ने जन्मदिवस

बीते कल शहर के गाँधी मैदान में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

हरदोई युवा समाजसेवी एवं दृष्टि दोष विशेषज्ञ कर्ण सिंह राणा का जन्मदिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधरोपण कर मनाया गया। समाजसेवी के जन्मदिवस पर शहर के गाँधी मैदान परिसर में पौधारोपण नगर पालिका परिषद् हरदोई अध्यक्ष के सुपुत्र मिलन मिश्रा सहित सम्भ्रान्त नागरिकों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम में श्री मिश्रा ने समाजसेवी की इस मुहिम की सराहना करते हुए सभी क़ो अपने विशेष अवसरो पर पौधरोपण करने का संदेश दिया। समाजसेवी सिंह ने बताया कि वे प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिवस पर पौधरोपित करते है और आगे भी करते रहेंगे एवं उन्होंने सभी से भी अपने विशेष अवसरो क़ो यादगार बनाने के लिए पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा भीषण गर्मी से निजात सिर्फ पेड़ पौधे ही दिला सकते है इसीलिए हमें उनके संरक्षण एवं रख रखाव की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस मौके पर महात्मा गाँधी जनकल्याण समिति सदस्य जोगिंदर सिंह गाँधी, यूथ आइकॉन आलोकिता श्रीवास्तव, टंडौर प्रधान नीरज पाण्डेय, अंकित सिंह परमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विकलांग होते हुए भी खेती, परचून और गौसेवा में मिसाल बने उमाशंकर

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ के विकास खण्ड मोहनलालगंज के गांव कनेरी स्थित गौ आश्रय केंद्र में हाल ही में एक अद्भुत मिसाल देखने को मिली, जहां विकलांगता को अपने हौसले के आगे नतमस्तक कर उमाशंकर ने गौसेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। रायबरेली जिले के ग्राम सोनहरा, पोस्ट बछरावां निवासी उमाशंकर, जो पैरों से विकलांग हैं, ने कनेरी गांव की गौशाला में तेरह कुंतल भूसा और दो कुंतल आटा गायों के भोजन हेतु दान स्वरूप भेंट किया। उमाशंकर न केवल कृषि कार्य करते हैं, बल्कि अपनी परचून की दुकान भी चलाते हैं। जीवन की कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। भागवत पुराण और शिव पुराण में वर्णित गौसेवा के महत्व को पढ़ने-सुनने के बाद उनके मन में संकल्प जगा कि वे अपनी खेती से प्राप्त भूसा और हरा चारा हर वर्ष गौशालाओं को दान करेंगे।सर्दियों के मौसम में भी जब चारे की कमी महसूस होती है, उस कठिन समय में उमाशंकर ने अपने खेत में हरा चारा बोकर उसे निःस्वार्थ भाव से विभिन्न गौशालाओं को अर्पित किया। उनकी इस प्रेरक पहल की जानकारी जब कनेरी गांव के ग्राम प्रधान बृजेश मौर्य को मिली, तो उन्होंने स्वयं उमाशंकर से भेंट कर उनके सेवा कार्यों का कारण और प्रेरणा जानने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि तेज धूप और भीषण गर्मी के समय अक्सर समाचारों में गौशालाओं में पानी और चारे की कमी के दर्दनाक दृश्य सामने आते हैं। ऐसे में उमाशंकर की पहल न केवल गायों के लिए संजीवनी का कार्य कर रही है, बल्कि यह अन्य किसानों के लिए भी एक आदर्श और प्रेरणा का स्रोत बन गई है। यदि हर किसान अपने खेत से निकला हुआ थोड़ा सा भूसा भी गौशालाओं में दान कर दे तो गौमाता तथा अन्य बेसहारा पशुओं का कल्याण सुनिश्चित हो सकता है। शिक्षिका और समाजसेविका रीना त्रिपाठी नेउमाशंकर के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निस्वार्थ सेवाभावी युवाओं को समाज के विभिन्न आयोजनों में सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से गौसेवा करना हमारे धर्मग्रंथों में अत्यंत पुण्यकारी माना गया है, जो न केवल लोक में बल्कि परलोक में भी कल्याणकारी सिद्ध होता है। आज के समय में जहां युवाओं में समाजसेवा और दान-पुण्य की भावना कमजोर होती जा रही है, वहीं उमाशंकर अपनी त्रि-साइकिल पर सवार होकर विभिन्न गौशालाओं का भ्रमण कर अपने संकल्प को निभा रहे हैं। उनकी यह सेवा भावना न केवल उनके जैसे अक्षम व्यक्तियों के लिए बल्कि संपूर्ण समाज के लिए एक प्रेरणा है। उमाशंकर आज वास्तव में भारत माता के सच्चे सपूत और हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में सामने आए हैं। उनके द्वारा दिखाई गई सेवा, समर्पण और आत्मबल का यह अद्भुत उदाहरण आने वाली पीढ़ियों को निस्वार्थ सेवा का संदेश देता रहेगा।

अवैध अतिक्रमण से लगी जाम एक घंटे तक फंसी एंबुलेंस धूप में परेशान रहे लोग

सीतापुर लहरपुर में मजाशाह चौराहे से तंबौर जाने वाले मार्ग पर गंभीर जाम की स्थिति बन गई इस जाम में दो एंबुलेंस समेत कई वाहन फंस गए जाम का मुख्य कारण सड़क के दोनों किनारों पर दुकानदारों द्वारा किया गया। अवैध अतिक्रमण था इसके अलावा सड़क किनारे नाला निर्माण की मिट्टी डाल दी गई थी इससे सड़क संकरी हो गई और भारी वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ चिलचिलाती धूप में वाहन चालक करीब एक घंटे तक जाम में फंसे रहे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन चालकों की मदद से एक तरफ वाहनों को रोककर व्यवस्था बनाई कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुला और लोगों ने राहत की सांस ली स्थानीय लोगों प्रेम कुमार, जियाउद्दीन, रईस अहमद और मुनीर अहमद ने बताया कि तहसील पुलिस और लोक निर्माण विभाग कभी-कभी मजाशाह चौराहे से नहर रेगुलेटर तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हैं लेकिन अभियान समाप्त होते ही दुकानदार फिर से इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध अतिक्रमण कर लेते हैं उनका कहना है कि जब तक स्थायी रूप से अतिक्रमण नहीं हटेगा जाम की समस्या बनी रहेगी!!

नेशनल गर्ल्स कॉलेज में हुआ निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। जनपद पुराने सीतापुर के पटिया मोहल्ले में स्थित नेशनल गर्ल्स कॉलेज में एक विशेष निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप एशिया का परिषद आई हॉस्पिटल द्वारा लगाया गया कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नेत्र रोगों की पहचान कर उन्हें समय रहते उचित उपचार प्रदान करना था इस अवसर पर कुल 150 बच्चों का निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया नेत्र विशेषज्ञों की एक अनुभवी टीम ने शिविर में भाग लिया डॉक्टरों ने बच्चों की आँखों की बारीकी से जांच की जरूरतमंद बच्चों को आगे के उपचार के लिए परामर्श भी दिया गया कैंप में बच्चों को आंखों की देखभाल संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई नेशनल गर्ल्स कॉलेज का वातावरण उत्साहपूर्ण और अनुशासित रहा छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का उत्साह देखने को मिला कैंप में उपस्थित अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की वही नेशनल गर्ल्स कॉलेज के प्रबंधक सलाहुद्दीन अंसारी ने आए हुए डॉक्टरों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया सलाहुद्दीन अंसारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य होते रहेंगे एशिया का परिषद आई हॉस्पिटल की टीम ने भी कॉलेज प्रशासन को धन्यवाद दिया डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों में समय रहते नेत्र रोगों की पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण है इस तरह के कैंप से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार संभव है कैंप के दौरान कुछ बच्चों में चश्मा लगाने की आवश्यकता पाई गई आवश्यकतानुसार बच्चों को चश्मे उपलब्ध कराने का वादा भी किया गया नेशनल गर्ल्स कॉलेज के शिक्षकों ने भी कैंप में सक्रिय योगदान दिया कैंप की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित और प्रभावी रही बच्चों ने भी नेत्र जांच में बढ़-चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित डॉक्टरों को सम्मानित किया गया समापन अवसर पर उपस्थित सभी ने इस सफल आयोजन के लिए एक-दूसरे को बधाई दी इस सफल आयोजन ने कॉलेज में स्वास्थ्य जागरूकता की एक नई मिसाल कायम की। इस मौके पर आई हॉस्पिटल टीम से, समीकक्षा मिश्रा, अक्षित विश्वकर्मा, ऑफथाल्मिक असिस्टेंट, पी एन शुक्ला विशन सेंटर असिस्टेंट, डॉक्टर पूजा कुमारी बजरनिया, नेशनल गर्ल्स कॉलेज के स्टाफ व प्रबंधक सलाहुद्दीन अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस चौंकी के सामने गैरेज में लगी आग दो कार और ट्रैक्टर ट्रॉली जलकर ख़ाक, दमकल ने पाया आग पर काबू

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के महमूदाबाद के शारदा सहायक नहर पुल के पास स्थित नूरपुर चौकी के सामने रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक गैरेज में अचानक आग भड़क उठी आग इतनी भीषण थी कि गैरेज में खड़ी दो कारें और एक ट्रैक्टर-ट्राली पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग लगने से करीब 10 लाख से अधिक की संपत्ति जलकर बर्बाद हो गई जानकारी के अनुसार, गैरेज जाफरपुर टेढ़वा गांव निवासी खतीक पुत्र सफी का है देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में गैरेज में आग लग गई गैरेज के ठीक सामने स्थित नूरपुर पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जब गैरेज से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं तो तुरंत गैरेज मालिक को सूचना दी और फायर ब्रिगेड को भी खबर दी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक गैरेज में खड़ी एक मारुति वैन, एक अर्टिगा कार और ट्रैक्टर-ट्राली पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुके थे। आग की लपटों से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। वहीं, गैरेज मालिक खतीक द्वारा अभी तक पुलिस में किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके!!

डिजार ने मारी जोरदार टक्कर एक घायल एक की मौत

मिश्रिख (सीतापुर) कोतवाली क्षेत्र मिश्रिख के ग्राम अरसेहड़ा मजरा कोहरावां निवासी अजय मिश्रा पुत्र ओमप्रकाश मिश्रा अपने पुत्र निखिल मिश्रा के साथ कल लखनऊ जा रहे थे। तभी काल्ली चौराहे पर तेज स्पीड में आ रही कार यू पी 34 एपी 8485 ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पिता पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख में भर्ती कराया गया था। परन्तु हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण यहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मुख्यालय रेफर कर दिया था। लेकिन हालात जादा गम्भीर होने के कारण यहां के चिकित्सकों ने लखनऊ ट्रमा सेंटर रेफर कर दिया था वहां आज अजय मिश्रा की मृत्व हो गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भराकर अंतिम संस्कार के लिए परिवारीजनों को दे दिया है।

मूक बधिर संगठन के अध्यक्ष नीलेश, महासचिव बने नरेन्द्र सिंह, सूरज राय बनाए गए विधिक सलाहकार

● मूक बधिर संगठन की बैठक में हुआ कार्यकारिणी का गठन

स्वतंत्र प्रभात

हर्षित ने हाईस्कूल परीक्षा में प्राप्त किए बेहतर अंक

हर्षित कक्षा 10 के छात्र है और बोलने तथा सुनने की शक्ति नहीं रखते। लेकिन उनके हौसले ने हाईस्कूल परीक्षा में 58 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। अवधेश मिश्रा के पुत्र हर्षित ने सांकेतिक भाषा में बतायाकि वह इसी प्रकार अपने अग्रिम कक्षा में बेहतर अंक लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

सीतापुर। जिनमें बोलने और सुनने की शक्ति नहीं होती शायद उन्हें ईश्वर इसलिए आत्म शक्ति वरदान स्वरूप देते है। इसको साफ तौर से सीतापुर के अग्रसेन अतिथि भवन में आयोजित उत्तर प्रदेश मूक बधिर संगठन की बैठक में देखा गया। संठगन को मजबूत करने के लिए रविवार को चुनाव प्रक्रिया अपनाकर पदाधिकारियों का चयन भी हुआ। मूक बधिर कार्यकारिणी गठन चुनाव अधिकारी पियूष व अमन सक्सेना द्वारा मतदान के माध्यम से कराया गया। जिसमें उपस्थित मूक बधिक जनों ने अध्यक्ष नीलेश, महासचिव नरेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष शुभम वर्मा व सली, संयुक्त सचिव जसप्रीत सिंह, कोषाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, खेल सचिव पिंकू, महिला सचिव नीतू श्रीवास्तव, ट्रांसलेटर अवनी सिंह चौहान, सदस्य अंकित, राहुल, हर्षित, संदीप, आकाश, शैलेन्द्र, अर्चना तथा विधिक सलाहकार सूरज राय एडवोकेट को निर्वाचितर्कि या। निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका अभिनंदर्ना किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए चुनाव अधिकारी ने सांकेतिक भाषा में बतायार्कि हम मूक बधिर जनो को भी बराबरी का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन नौकरी में वेतन कम मिलना, प्रमोशन रोका जाना, सरकार से ट्रांसलेटर रखने की अनुमति न मिलना, ड्राइविंग लाइसेंस के लिए परीक्षा में न लिया जाना जैसे अन्य तमाम अधिकारों से वंचित रखा जाता है। इसलिए आगामी माह में आवश्यकता पड़ने पर लखनऊ में प्रदर्शन भी किया जाएगा। वहीं विधिक सलाहकार सूरज राय एडवोकेट ने कहार्कि पीआरडब्लूएफ एक्ट 2016 के अनुसार दिव्यांगजनों को अधिकार प्राप्त है, फिर भी मूक बधिर कम्यूनिटी को स्कूल, चिकित्सालय, न्यायालय आदि जगह पर अपने बात रखने में काफी परेशानी होती है और उनकी बात को समाज के सामने रखने, समस्या के निराकरण हेतु तथा न्याय दिलाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। श्रीराय ने कहार्कि समाज, परिवार की जिम्मेदारी बनती हैर्कि अगर मूक बधिर कम्यूनिटी को परेशानी है, तो उनका सहयोग करे, क्योंकि यह उनका मानवाधिकार भी है। इस मौके पर काफी संख्या में मूक बधिर दिव्यांगजन मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा में अव्वल आए बच्चों को स्कूल में किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल में बोर्ड परीक्षा में अव्वल आए बच्चों को स्कूल की तरफ से सरस्वती प्रतिमा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जारी हुए बोर्ड परीक्षा के परिणाम में सस्पन स्थित सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल के बच्चों ने माल ब्लॉक में अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय सहित माता पिता व अध्यापकों का नाम रोशन किया था।

सोमवार को स्कूल के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें दसवीं कक्षा की छात्रा पूजा गौतम ने 600 में से 549 अंक लाकर प्रथम स्थान,प्रांजलि ने 600 में से 536 अंक पाकर द्वितीय स्थान तो वहीं प्रियंका सैनी ने 600 में से 532 अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं का स्कूल प्रबन्धन की तरफ से सरस्वती प्रतिमा भेंट कर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।प्रबन्धक संदीप तिवारी ने कहा कि सभी सम्मानित बच्चों ने कठिन परिश्रम और लगन से विद्यालय में अच्छा प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य विवेक मिश्रा ने कहा कि इन बच्चों की उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर परिश्रम करना चाहिए।

ऑपरेशन मुस्कान को मिली सफलता, माता-से मिला बच्चा, मां की आंखों से निकले खुशी के आंसू, पिहानी पुलिस की परिजन कर रहे सराहना

हरदोई पिहानी कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत नौ वर्षीय मासूम रेहान को उनके परिजनों से मिलाया। अपने बच्चों के मिलने की खुशी में मां की आंख से आंसू निकल आएं। पुलिस ने रेहान को परिवार के साथ रवाना कर दिया गया है। मोहम्मद रेहान नवादा दादा पार्क दिल्ली से 12 अप्रैल को खेलते समय गुम हो गया था। रेहान की मां मोबिना ने दिल्ली पुलिस को बेटे के गायब हो जाने की सूचना दी थी। काफी खोजबीन के बावजूद रेहान नहीं मिला था। मोबिना मूल निवासी मुजफ्फरनगर की है।पिहानी कोतवाली के अंतर्गत जहानी खेड़ा में गस्त के दौरान कोतवाल विद्यासागर पाल व जहांनी खेड़ा चौकी इंचार्ज विजय कुमार शुक्ला को रेहान लावारिस हालत में टहलते हुए मिला। कोतवाल विद्यासागर पाल अपनी तत्परता व सूझबूझ दिखाते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से जहानी खेड़ा स्थित मुजफ्फरनगर ढाबे पर फोटो वायरल कराई। मासूम रेहान बार-बार मुजफ्फरनगर जाने की बात कह रहा था। सोशल मीडिया के माध्यम से रेहान की मां मोमिना का पता लगाकर पिहानी पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया।अपने बच्चों को देखकर खुशी में मां की आंखों से आंसू निकल आएं. उनके माता और परिवार बालों ने खुशी का इजहार किया।इसके साथ ही पुलिस की प्रशंसा की।

एसबीआई बैंक से महिला के पर्स से 20 हजार रुपये चोरी, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के नगराम थाना अन्तर्गत देवीखेड़ा निवासिनी चंद्रावती पत्नी स्वर्गीय अमर सिंह के साथ शुक्रवार को एक चोर ने बड़ी सफाई से हाथ साफ कर दिया। चंद्रावती ने बताया कि वह सुबह लगभग 10 बजे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोहनलालगंज शाखा गई थीं, जहां उन्होंने चेक के माध्यम से 44,000 रुपये निकाले। बैंक से निकासी के बाद वह पासबुक प्रिंट कराने लगीं।करीब 11 बजे वह ऑटो से अपने घर के लिए रवाना हुई। दोपहर करीब 12-30 बजे जब वह घर पहुंचीं और पर्स की जांच की, तो देखा कि पर्स में रखी 200-200 रुपये की गड्डी, जिसमें 20,000 रुपये थे, गायब थी। हालांकि, शेष 24,000 रुपये उनके पर्स में सुरक्षित मिले।

चंद्रावती का कहना है कि उनके पर्स से किसी अज्ञात व्यक्ति ने पैसे चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर घटना की गहनता से छानबीन करते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस का कहना है कि बैंक और रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपी का पता लगाकर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभिषेक सिंह ब्लाक अध्यक्ष व, दिनेश प्रताप सिंह महामंत्री निर्विरोध मनोनीत

● ... विकासखण्ड मोहनलालगंज में ग्राम विकास अधिकारी संघ कार्यकारिणी का निर्विरोध हुआ गठन।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। सोमवार को राजधानी लखनऊ के विकासखण्ड मोहनलालगंज में स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई सभागार में ग्राम विकास अधिकारी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में संघ की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति एवं निर्विरोध रूप से किया गया। बैठक की प्रक्रिया में पर्यवेक्षक के रूप में एडीओ (आईएसबी) अवध बिहारी की उपस्थिति रही, जिन्होंने संपूर्ण प्रक्रिया को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराया। ब्लाक की नवगठित कार्यकारिणी में अभिषेक सिंह को अध्यक्ष, दिनेश प्रताप सिंह को महामंत्री, सरला वर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शशांक शुक्ला को प्रवक्ता, पंकज वर्मा को संरक्षक , राजेश सिंह को जनपद प्रतिनिधि, विनय सागर को कोषाध्यक्ष, बृजेश कुमार थारु को संगठन मंत्री, प्रमोद कुमार यादव को ऑडिटर तथा श्रुति अग्निहोत्री को उपाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर बीडीओ आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका ग्रामीण सशक्तिकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण है और नई कार्यकारिणी से बेहतर समन्वय और कार्य निष्पादन की अपेक्षा की जाती है।

वहीं निर्विरोध नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने सभी कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि नवगठित कार्यकारिणी का गठन होने से कर्मचारियों की समस्याओं के निदान के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत व परेशानी न हो। बैठक के समापन पर अध्यक्ष सहित समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर अन्य कर्मचारियों ने भव्य स्वागत कर मिठाई बांट कर अपनी शुभकामनाएं दी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री के नियुक्ति में धांधली का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़- विकास खंड के खैरा ग्राम सभा के टकटकपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के नियुक्ति में धांधली का आरोप गांव के ही रंजना सिंह ने लगाई है। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री की नियुक्ति में रंजना सिंह ने भी आवेदन किया था। जिसमें उक्त ग्राम पंचायत में दो लोगों के आवेदन मेरिट के आधार पर लिया गया। रंजना सिंह ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा मेरिट के आधार पर नियुक्ति होनी थी किन्तु अंजना सिंह का हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में मुझसे कम मेरिट होने के वावजूद विभाग द्वारा मेरी नियुक्ति न कर के अंजना सिंह की नियुक्ति कर दी गई है। जबकि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में अंजना सिंह से अधिक मेरी मेरिट है। वहीं उन्होंने तहसीलदार चुनार को भी प्रार्थना पत्र देकर आय प्रमाण पत्र की जांच कराने की मांग की है। तहसीलदार को दिए गए प्रार्थना पत्र में रंजना सिंह ने आरोप लगाया है कि अंजना सिंह को जो तहसील से आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है उसमें 3833.33रूपया मासिक आय जारी किया गया है जबकि अंजना सिंह के पति सी आर पी एफ में कार्यरत हैं। रंजना सिंह ने जिलाधिकारी से जांच करा कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा अक्षय तृतीया पर होने वाले संभावित बाल विवाह की रोकथाम हेतु आज जनपद के केन सोसायटी नेहरु डिग्री कालेज, हरदोई सीएसएन कालेज में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया, कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने सभी छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि आने वाली 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की संभावना ज्यादा रहती है जिसको ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा सभी बाल हितधारकों व सम्बंधित विभागों को सख्त निर्देश प्राप्त हुआ कि बाल विवाह को रोके जाने हेतु ज्यादा से ज्यादा जागरूकता की जाए, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने बताया कि बाल विवाह करना एक अपराध की श्रेणी में आता है जिसके लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 अधिनियम बना है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह को अवैध घोषित करना और बाल विवाह में शामिल लोगों को दण्डित करना है, विवाह की न्यूनतम आयु सीमा बालिका की 18 वर्ष व बालक की 21 वर्ष होनी चाहिए, बाल विवाह करने वाले या इसमें मदद करने वाले व्यक्ति को 02 साल तक का कठोर कारावास और 01 लाख रूपये का जुर्माना या दोनों हो सकते है, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक ने सभी को जागरूक किया यदि कही बाल विवाह हो रहा है या होने की जानकारी मिलती है तो तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर-1098 पर या पुलिस हेल्पलाइन-112 पर दे सकते है, जागरूकता कार्यक्रम में कालेज के प्रधानाचार्य कौशलेन्द्र कुमार सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी, सुपरवाइजर विभा शुक्ला व केस वर्कर वरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

घर से किला घुमने निकाला युवक गंगा में शव उतराया मिला

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़। चुनार थाना क्षेत्र के पक्का पुल से गंगा में छलांग लगाकर जान देने वाले युवक की लाश सोमवार को उतराया मिला।शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु मीरजापुर भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल राय 18वर्ष पुत्र राजकुमार राय निवासी लक्ष्मीराम पुर थाना कछवा रविवार को घर से चुनार किला देखने की बात कह कर निकला था। और गंगा में छलांग लगा कर अपनी जान दे दी। अदलपुरा चौकी प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि रविवार को चुनार पक्का पुल पर एक मोटरसाइकिल लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर घर वालों से संपर्क किया तो बताया गया कि विशाल घर से किला देखने निकाला हुआ था जो देर शाम तक घर वापस नहीं आया। सूचना पर परिजनों ने मौके पर पहुंच कर अपने स्तर से काफी तलाश किया किन्तु विशाल का कही पता चला। सोमवार को संदेह के आधार पर पुलिस ने गंगा में स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश करानी शुरू किया शाम को मेड़िया घाट पर विशाल का शव उतराया मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मीरजापुर भेज दी।

सिंधु जल - साथ-साथ नहीं बह सकते पानी और खून

रूस और चीन के बाद सैन्य क्षमता में भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। जहां तक सक्रिय सैन्य कर्मियों का प्रश्न है भारत (14लाख 55550) चीन के बाद (20 लाख 35 हजार) दूसरे स्थान पर है। हमारी तुलना में पाकिस्तान 12वें स्थान पर है। भारत के पास 20.52 लाख की संख्या वाला सशस्त्र अर्द्धसैनिक बल भी है जबकि इस दृष्टि से पाकिस्तान अभी भी 5 लाख के आंकड़े को छू नहीं पा रहा। वायुसेना में भी भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। इस सेना में हमारे पास 513 जेट विमानों सहित कुल 2221 सक्रिय लड़ाकू विमान हैं और कुल सैनिक क्षमता 1 लाख 7 हजार वायु सैनिकों की है। हमारी टैंक संख्या 4201 है, जबकि पाकिस्तान की टैंक क्षमता 2627 ही है। हमारे पास 1 लाख 48 हजार 594 बख्तरबंद वाहन हैं और पाकिस्तान हमसे एक तिहाई क्षमता ही रखता है। नौसेना के मामले में भी हम काफी ज़्यादा आगे हैं। हमारे पास 18 पनडुब्बियां हैं जबकि पाकिस्तान के पास केवल 8 हैं। हमारी समुद्री सीमा बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और हिंद महासागर तक फैली है। हमारे बेड़े की ताकत 293 है जबकि पाकिस्तान की क्षमता 121 ही है। हमें नौ सेना की दृष्टि से भी वैश्विक स्तर पर %ब्लू वाटर-नौ सेना% का दर्जा प्राप्त है जबकि पाकिस्तान की क्षमता भी सीमित है और उसे विश्व के स्तर पर %ग्रीन वाटर नौ सेना% का दर्जा ही प्राप्त है जहां तक परमाणु-क्षमता का प्रश्न है भारत के पास 180 परमाणु-अस्त्र हैं जबकि पाकिस्तान के पास भी 170 का आंकड़ा है। हम सभी क्षेत्रों में सैन्य दृष्टि से पाकिस्तान से काफी आगे हैं। हमारी मारक क्षमता भी कहीं अधिक है मगर विचारणीय पहलू यह है कि कमज़ोर होने के बावजूद पाकिस्तान हमसे डरता नहीं है। आंतरिक स्थिति क्या है, इस बारे में सार्वजनिक रूप में अभी कुछ भी कहना तर्कसंगत नहीं है मगर फिलहाल पाकिस्तान की मुख्य चिंता सिंधु-जल को लेकर है। पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष ने एक भड़काऊ बयान ने कश्मीर को पाकिस्तान की %शाह-रग% बताया था मगर अब पूरे पाकिस्तान को एहसास हो जाएगा कि कश्मीर से कहीं अधिक बड़ी 'शाह-रग 'सिंधु जल-समझौता है। चलिए थोड़ा इसे विस्तार से समझ लें। सिंधु जल समझौते के तहत भारत इसके 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी का ही उपयोग कर सकता है और शेष पानी पाकिस्तान को देता रहा है। यह तस्वीर 2016 में बदली, जब उरी हमले के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने इसका प्रवाह भारतीय परियोजनाओं के जरिए जम्मू-कश्मीर और पंजाब में उपयोग के लिए मोड़ने का फैसला किया। दरअसल, सिंधु नदी जल समझौते के तहत कुल छह नदियों को लेकर आपसी सहमति बनाई गई थी। इनमें से तीन-सिंधु, झेलम और चिनाब को पश्चिमी नदियां बताया गया और इनके पानी के इस्तेमाल का अधिकार मूलत- पाकिस्तान को दिया गया। जबकि शेष तीन- ब्यास, रावी और सतलुज को पूर्व नदियां बताते हुए इस पर भारत का अधिकार तय किया गया। हालांकि, समझौते के जो प्रावधान थे, उनके मुताबिक सिंधु नदी का 80 फीसदी पानी पाकिस्तान जाता रहा, जबकि 20 फीसदी पानी हमारे इस्तेमाल के लिए बचा। वह भी उस सूरत में जब कुछ अपवादों को छोड़कर पूर्वी नदियों का पानी हम बेरोकटोक इस्तेमाल कर सकते थे और पश्चिमी नदियों के पानी का भी सीमित अधिकार (पनबिजली परियोजनाओं या कृषि आदि के लिए) हमारे पास था। जाहिर है यह एक ऐसा समझौता था जो पाकिस्तान को एकतरफा तमाम अधिकार दे रहा था। इसे भारत महसूस तो कर रहा था लेकिन उस पर अमल करना उसकी मजबूरी बनी रही। वास्तव में इस समझौते को खत्म न कर सकने वाले प्रावधान ने भारत के हाथ बांध रखे थे। यानी, भारत हो या पाकिस्तान, कोई भी इस समझौते से बाहर नहीं निकल सकता। यह एक स्थायी समझौता है। यही कारण है कि भारत ने फिलहाल इसे स्थगित करने की बात कही है। अब यहां सवाल है कि इस फैसले का पाकिस्तान पर असर क्या पड़ेगा? पाकिस्तानी पंजाब अपनी कृषि के लिए पूरी तरह से इसके पानी पर निर्भर है। इसके बाद बहुत कम मात्रा में इसका पानी सिंध में ही इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान की 80 फीसदी खेती योग्य जमीनें इन्हीं नदियों पर निर्भर है, इसलिए भारत द्वारा समझौते को स्थगित करने से पाकिस्तान की खेती-किसानी को बड़ा नुकसान पहुंच सकता है। पाकिस्तान के लिए इन नदियों का महत्व इससे भी समझा जा सकता है कि इनके किनारे ही यहां की तकरीबन 60 फीसदी आबादी बसती है। तरबेला और मंगला जैसी पनबिजली परियोजनाएं भी इन्हीं नदियों पर हैं। यानी, पाकिस्तान की उपज को प्रभावित करने के साथ-साथ भारत का यह कूटनीतिक कदम उसकी कई अन्य परियोजनाओं को भी प्रभावित करने वाला साबित होगा। ऐसे में, पाकिस्तान इस फैसले के खिलाफ क्या कर सकता है? इस्लामाबाद की ओर से कहा गया है कि यदि भारत ने पानी रोका तो इसे युद्ध माना जाएगा।

वहां भी राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। मगर यहां यह समझना होगा कि सिंधु नदी समझौता भले ही विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुआ था लेकिन उसकी भूमिका सिर्फ दोनों पक्षों को एक साथ लाने की थी। उसे ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है कि वह समझौते को लेकर कोई सवाल-जवाब संबंधित देश से कर सके। फिर जितना संधि के तहत यह समझौता किया गया था, जिसमें आपसी भरोसे को तवज्जो दी गई थी। ऐसे में, यदि पाकिस्तान पानी और खून की नीति साथ-साथ चलाए रखेगा तो भारत ही नहीं, कोई भी अन्य देश समझौते को स्थापित करने का विकल्प ही चुनेगा। मगर अब भारत को भी अपनी जल-संग्रह क्षमता अर्थात् जल-भण्डारण क्षमता युद्ध स्तर पर बढ़ानी होगी। पाकिस्तान को जाने वाला पानी हमारे काम आ सके, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चीन के रवैये को लेकर भले ही सवाल उछल रहे हों लेकिन अच्छी खबर यह है कि 5 साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष 30 जून से शुरू हो रही है जो 25 अगस्त तक चलेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों के पंजीकरण के लिए वेबसाइट भी खोल दी है। वर्ष 2020 में सीमा पर गतिरोध पैदा हो जाने के बाद से ही चीन ने यह यात्रा रोक दी थी। सीमा पर गतिरोध के चलते गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों में संघर्ष भी हुआ था। 5 साल के अंतराल के बाद यात्रा को फिर से शुरू करना दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मान्यता है कि कैलाश मानसरोवर भगवान शिव का निवास है। कैलाश पर्वत 22028 फीट ऊंचा एक पत्थर का पिरामिड है जिस पर साल भर बर्फ की सफेद चादर लिपटी रहती है। हर साल कैलाश-मानसरोवर की यात्रा करने, शिव-शंभु की आराधना करने, हजारों साधु-संत, श्रद्धालु, दार्शनिक यहां एकत्रित होते हैं, जिससे इस स्थान की पवित्रता और महत्ता काफी बढ़ जाती है। मान्यता है कि यह पर्वत स्वयंभू है। कैलाश-मानसरोवर उतना ही प्राचीन है, जितनी प्राचीन हमारी सृष्टि है। इस अलौकिक जगह पर प्रकाश तरंगों और ध्वनि तरंगों का समागम होता है, जो ? की प्रतिध्वनि करता है। इस पावन स्थल को भारतीय दर्शन के हृदय की उपमा दी जाती है, जिसमें भारतीय सभ्यता की झलक प्रतिबिंबित होती है। कैलाश पर्वत की तलछटी में कल्पवृक्ष लगा हुआ है। कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से महाविष्णु के करकमलों से निकलकर गंगा कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है, जहां प्रभु शिव उन्हें अपनी जटाओं में भर धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित करते हैं।

हिन्दू धर्म के चार वेदों में से एक ऋग्वेद में भी कैलाश पर्वत का उल्लेख है। यही वजह है कि हिन्दुओं के लिए यह एक पवित्र जगह है। जैन धर्म में यह मान्यता है कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ ने यहीं से मोक्ष प्राप्त किया था। बौद्ध ग्रंथों में इसे ब्रह्मांड का केन्द्र बिन्दु बताया गया है। भारत और चीन ने पिछले वर्ष अक्तूबर में समझौते के तहत डेमचौक और देपसांग से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तब पांच वर्ष बाद रूस के कजान शहर में मिले थे। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की थी। इसके बाद दोनों देशों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और उड़ानें शुरू करने का फैसला किया था। कैलाश मानसरोवर का ज्यादातर एरिया तिब्बत में है

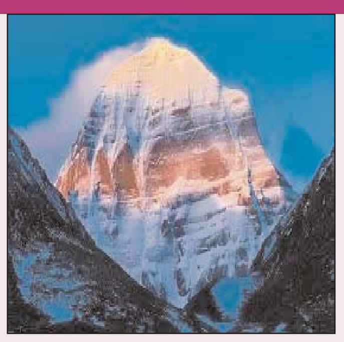

और तिब्बत पर चीन का अधिकार है। 20 मई,2013 को भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर जाने के लिए पहला समझौता हुआ था। तब इस यात्रा के लिए लिपुलेख दर्रा खोला गया था। दूसरा समझौता 18 सितम्बर, 2014 को नाथुला के जरिये कैलाश मानसरोवर जाने वाले रास्ते को लेकर हुआ था। भारत और चीन ने इसी वर्ष कूटनीतिक रिश्तों के 75 वर्ष पूरे किए। वर्ष 1950 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और उस समय के चीनी राष्ट्रपति माओ त्से तुंग ने राजनीतिक संबंधों की औपचारिक शुरूआत की थी, परन्तु 1962 के चीनी हमले के बाद दोनों देशों के रिश्ते ठंडे पड़े रहे। यह भी सच है कि चीन को पूर्वी लद्दाख गतिरोध के दौरान पहली बार भारत के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी। चीन को इस बात का अहसास हो चुका है कि भारत अब न केवल बड़ी आर्थिक शक्ति है बल्कि उसकी सैन्य शक्ति में भी बहुत वृद्धि हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ से वैश्विक परिदृश्य पर नए-नए समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चीन अब कह रहा है कि भारत और चीन को आपस में सहयोग करना चाहिए। ड्रैगन और हाथी को एक साथ डांस करना चाहिए। संबंधों में जटिलता के बावजूद एशियाई युग लाने के लिए दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब आना ही चाहिए। ऐसे में इस बात की सम्भावनाएं बन रही हैं कि दोनों देशों के बीच नए आर्थिक समीकरण बन जाएं। भारत और पाकिस्तान में अगर युद्ध होता है तो रक्षा विशेषज्ञ इस बात की सम्भावना से इंकार नहीं कर रहे कि हो सकता है चीन पाकिस्तान के पाले में खड़ा दिखाई दे। रक्षा विशेषज्ञों की राय चीन पर भरोसे की कमी की ओर ही इशारा कर रही है। अब जबकि भारत में चीन के नए राजदूत ने भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए चीन के बाजार और अधिक खोलने की बात कही है, तो चीन को पाकिस्तान के समर्थन में नहीं खड़े होकर भारत को सहयोग का भरोसा देना होगा। वैश्विक भू-राजनीति एक बार फिर अस्थिरता के दौर में है। ऐसे में जरूरी है कि भारत-चीन संबंधों की उष्मा आगे भी बनी रहे।

पापा बाहर मत जाओ...

पश्चिम बंगाल इस समय गहरे संकट में है। राज्य के कई ज़िले सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में हैं। मुर्शिदाबाद जल रहा है। वहां मौतें हो चुकी हैं, लूटपाट और आगज़नी की घटनाएं सामने आई हैं और बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। यदि भारतीय जनता पार्टी के दावों को आधार माना जाए, तो 'हिंदुओं का शिकार किया जा रहा है।' इस हिंसा की वजह समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। वजह वही है वक्फ संशोधन विधेयक-जिसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार ने लागू करने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक उनकी सरकार का बनाया हुआ नहीं है, इसलिए इसे राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मुर्शिदाबाद में हिंसा की घटनाओं के बीच उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और चेतावनी दी कि जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए हिंसा भड़का रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा-राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। मुर्शिदाबाद में बीते कई दिनों से हालात बेकाबू हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी, सड़कों पर अवरोध खड़े किए और सुरक्षा बलों पर पथराव किया। बीते शुक्रवार की नमाज़ के बाद जब वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया, तब पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़पें हुईं, जिनमें दर्जनभर से ज़्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस चौकियों, सरकारी दफ्तरों और दुकानों को निशाना बनाया गया, तोड़फोड़ की गई और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ितों ने घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए डरावनी कहानियां साझा कीं। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, शमशेरगंज और ढूलियन समेत कई इलाकों में शुक्रवार की नमाज़ के बाद नाराज़ प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और पुलिस से टकराव शुरू कर दिया। एक पीड़ित ने बताया, "सब कुछ रात के अंधेरे में हुआ और यह सब स्थानीय लोगों द्वारा अंजाम दिया गया।" उसने कहा कि उसका परिवार डरा हुआ था। जब वह अपनी दुकान बचाने बाहर निकलना चाहता था, तो उसकी बेटी ने कहा-पापा, बाहर मत जाइए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आगज़नी, लूटपाट और हिंसा के कई घंटे बाद तक पुलिस का कोई अता-पता नहीं था। शमशेरगंज थाना से महज़ 500 मीटर की दूरी पर स्थित घरों और दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ितों का कहना है कि पुलिस को लगातार एसओएस कॉल किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मुर्शिदाबाद एक मुस्लिम बहुल ज़िला है, जहां एक समूह ने पुलिस के साथ भिड़ंत की। इसमें कई लोग घायल हुए और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम के अनुसार, महिलाओं को उनके घरों से घसीटकर निकाला गया और उनके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया। आयोग ने राज्य सरकार की विफलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकी। इन घटनाओं के बाद कई प्रभावित परिवार या तो गांव छोड़ चुके हैं या राहत शिविरों में शरण ले चुके हैं। बेटबोना गांव इस हिंसा का सबसे बड़ा शिकार बना है। वहां के निवासियों का कहना है कि यह कोई सामान्य हिंसा नहीं, बल्कि एक 'सुनियोजित हमला' था। हिंदू समुदाय के लोग मुस्लिम बहुल इलाकों से हमले की आशंका के चलते अपने घर छोड़कर भाग गए हैं। अब यह इलाका युद्ध क्षेत्र-सा प्रतीत होता है। राजनीतिक मोर्चे पर भाजपा ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि 'स्वामी विवेकानंद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और रवींद्रनाथ ठाकुर की भूमि को तुष्टीकरण की राजनीति में झोंक दिया गया है। राहत कार्यों में जुटे स्वयंसेवकों, जिनमें अधिकतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं, का कहना है कि हिंदू समुदाय के लोग बेघर हो चुके हैं और राज्य सरकार वक्फ कानून को महज़ बहाना बनाकर हिंदुओं को निशाना बना रही है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि 'कुछ राजनीतिक दल धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा 'पूर्व नियोजित' थी और इसकी साजिश में बीएसएफ व कुछ केंद्रीय एजेंसियां भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश से घुसपैठ को बढ़ावा देकर तनाव को भड़का रही हैं। आरोप-प्रत्यारोप और दावों के बीच राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा चुकी है। लेकिन सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को हो रहा है, जो अपने ही घरों से उजड़ चुके हैं और अब वहां लौटने से डर रहे हैं। जहां पहले बेटी ने कहा था 'पापा, बाहर मत जाइए', अब वही कह रही है 'पापा, हम वापस नहीं जाएंगे।' यह एक त्रासदी है, जो मानवता को झकझोर देने वाली है। यहीं पर रुक कर यह सवाल उठाना आवश्यक हो जाता है -क्या वक्फ कानून वास्तव में हिंसा की जड़ था, या फिर यह किसी गहरी साजिश की महज़ एक परत भर है? क्या यह केवल राजनीति है? आरोप-प्रत्यारोप का खेल? या फिर इससे भी बड़ा कोई षड्यंत्र? और सबसे महत्वपूर्ण -क्या यह सब चुनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है? यह उल्लेख करना ज़रूरी है कि राज्य विधानसभा चुनाव अब से लगभग एक वर्ष दूर हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि विरोध की शुरुआत वक्फ विधेयक के खिलाफ हुई, लेकिन परिस्थितियां जल्द ही हिंसक हो गईं। रिपोर्टों के अनुसार, जब कुछ युवा इसमें शामिल हुए तब मामला बेकाबू हो गया। कांग्रेस सांसद ईशा ख़ान के हवाले से कहा गया, -वे युवा, जिनका न कोई वैचारिक आधार है और न ही किसी पार्टी से कोई जुड़ाव। साथ ही, यह भी उतना ही सच है कि जब भी कोई हिंसा होती है-विशेषकर सांप्रदायिक -तो बाहरी तत्व आग में घी डालने का काम करते हैं। मुर्शिदाबाद की घटना भी इससे अलग नहीं है। कुछ राजनीतिक दलों द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि सुरक्षा बलों की भूमिका संदिग्ध है, लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि देश के बाहर कुछ शक्तियां हर उस विरोध में समर्थन देने को तत्पर रहती हैं जो सरकार के खिलाफ हो। मुर्शिदाबाद की हालिया घटनाओं में भी ऐसी ही संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। पर्याप्त संकेत हैं कि राजनीतिक दलों और बाहरी शक्तियों की मिलीभगत इस अशांति को लगातार हवा दे रही है। यह सर्वविदित है कि मुर्शिदाबाद की सीमा बांग्लादेश से लगी है, जिसकी लंबाई लगभग 125 किलोमीटर है। यह इलाका मुस्लिम बहुल है, अतः स्वाभाविक था कि वक्फ विरोध की चिंगारी यहीं से भड़की। अतीत में भी सुरक्षा एजेंसियां इस क्षेत्र में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों को लेकर सतर्क कर चुकी हैं। मुर्शिदाबाद की अशांति न केवल सीमाई सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि यह अंतर-सामुदायिक विश्वास की टूटन और सांप्रदायिक तनाव के गहराते खतरों की ओर भी इशारा करती है। ऐसे में यह मानना भूल होगी कि मुर्शिदाबाद की हिंसा और उसका विस्तार कोई एक बार की घटना है। यह उन शुरुआती चेतावनियों में से है जिन्हें अगर गंभीरता से न लिया गया, तो वे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर संकट बन सकती हैं। इस पृष्ठभूमि में, चाहे भाजपा हो या तृणमूल कांग्रेस, अगर राजनीतिक लाभ के लिए असंतोष को हवा दी जा रही है, तो यह समझना ज़रूरी है कि यह आग से खेलना है-ऐसा खेल जिसमें सीमा सुरक्षा भी दांव पर लग सकती है। चुनाव आएंगे और चले जाएंगे, पार्टियां जीतेंगी और हारेंगी लेकिन यदि राष्ट्रीय सुरक्षा एक बार कमज़ोर पड़ी या बाहरी ताकतें सांप्रदायिक ताकतों का लाभ उठाने लगीं, तो वापसी की कोई राह नहीं बचेगी। इसलिए भारत की हर राजनीतिक पार्टी की यह राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी बनती है कि वह सांप्रदायिक शक्तियों को दूर रखे, न कि उन्हें समर्थन और संरक्षण देकर हिंसा के रास्ते पर ढकेले। यही मुर्शिदाबाद से लिया गया सबसे बड़ा सबक और संदेश होना चाहिए।

संपादकीय

भाजपा-संघ के राष्ट्रवाद को छद्म राष्ट्रवाद कहना सनातन सांस्कृतिक मूल्यों की घोर उपेक्षा

'वसुधैव कुटुंबकम 'की अवधारणा पर आधारित सनातन सांस्कृतिक मूल्यों पर भारतीय राष्ट्र को गढ़ना छद्म राष्ट्रवाद कहना कोरी मूर्खता और विकृत सोच कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। 22 अप्रैल को भारत वर्ष के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर राज्य के पहलगांव में पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों ने धर्म पूछकर 27 हिंदुओं और 1 ईसाई की नृशंस हत्या कर दी। इससे विश्व के देश अचंभित हो मृतक परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए भारत के साथ खड़े हैं। वहीं दूसरी ओर, घोर हिंदू संस्कृति विरोधी लिबरल गैंग बेशर्मी से यह कहते हुए गौरवान्वित हो रहे हैं कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता। आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, यह सही है, लेकिन भारत वर्ष के जम्मू-कश्मीर, मुंबई आदि में जो आतंकी हमले हुए, वे क्या मुसलमान नहीं थे? 22 अप्रैल को पहलगांव में हिंदू पर्यटकों की पत्नियों और बच्चों के समक्ष ही धर्म पूछकर उनकी नृशंस हत्या की गई। यदि वे इस्लामिक प्रशिक्षित आतंकी नहीं थे तो कलमा न पढ़ पाने वाले की हत्या और पैंट खोलकर खतना देखने की घटनाएं कैसे घटीं? वहीं आतंकियों के "बिस्मिल्लाह" कहने पर क्या वे मुस्लिम आतंकी नहीं थे?

पिछले वर्षों में भी जब भारत पर आतंकियों ने हमले किए, तो तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ऐसे राष्ट्रद्रोहियों पर कठोर कार्रवाई नहीं की। उलटे दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं ने 'हिंदू आतंकवाद 'का राग छेड़कर मुस्लिम आतंकियों का बचाव किया। पहलगांव में धर्म पूछकर की गई हत्या से देश ही नहीं, विश्व के अनेक राष्ट्र भी मर्माहत हैं और आतंकियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर भारत के साथ खड़े हैं। भारत में भी सभी धर्मों के लोग और विभिन्न राजनीतिक पार्टियां इस आतंकी हमले के विरोध में एकजुटता प्रदर्शित कर रही हैं। यही है भारतीय राष्ट्रवाद जो सर्वोपरि है। फिर भी कुछ पत्रकार और राजनेता निराधार कथन और लेखों से राष्ट्रीय धारा को बाधित करते रहते हैं। ऐसा ही एक आलेख 25 अप्रैल को संजय पराते द्वारा प्रकाशित हुआ, जिसमें भाजपा-संघ के राष्ट्रवाद को छद्म राष्ट्रवाद बताया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से हिंदू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने मुस्लिम विरोधी भावनाएं फैलाई और वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम कर रहा है। उन्होंने कश्मीर से धारा 370 हटाने को भी नकारात्मक बताया।

ऐसे लोग भूल जाते हैं कि सातवीं से बारहवीं सदी तक भारत पर मुस्लिम आक्रांताओं बीन कासिम, मोहम्मद गोरी, गजनवी, बख्तियार खिलजी ने मजहब के नाम पर भीषण अत्याचार किए। साथ ही देशी राजाओं की आपसी बैमनस्यता ने मुगलों का भारत में प्रवेश सरल बनाया। दार्शनिकों का कहना है कि अतीत की गलतियों से सीखकर वर्तमान को सुधारना चाहिए। भारत एक प्राचीन आध्यात्मिक और धर्म आधारित राष्ट्र है, जहां दया, परोपकार, विनम्रता और सहिष्णुता जैसे मानवीय गुण प्राचीन काल से विद्यमान रहे हैं। परंतु आवश्यकता पड़ने पर ऋषियों और देवताओं ने भी अस्त्र-शस्त्र धारण किए, यह काल्पनिक नहीं बल्कि सत्य का प्रमाण है। लिबरल गैंग को समझना चाहिए कि केवल मुगलों और अंग्रेजों का शासन ही भारत का इतिहास नहीं है। भारत की संस्कृति को समझने के लिए वेद, उपनिषद और पुराणों का अध्ययन जरूरी है, न कि कुटिल अंग्रेजों द्वारा रचित विकृत इतिहास का। ऐसे लोग, जिन्हें "ब्रह्मराक्षस" कहा जाता है, प्रखर बुद्धि के बावजूद भारत और सनातन संस्कृति के विरोध में काम करते रहे हैं। बंगाल जैसे गौरवशाली प्रदेश में वामपंथियों ने 34 वर्षों तक शासन किया, परंतु आज वहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हिंदू पीड़ित हैं। क्या संजय पराते को यह ज्ञात नहीं है? भारत का अतीत अति समृद्ध और शक्तिशाली था, परंतु एक हजार वर्षों तक पराधीनता क्यों आई, इस पर गंभीर मंथन आवश्यक है। भारत को स्वतंत्र कराने में सभी धर्मों और पंथों के लोगों ने प्राणों की आहुति दी। परंतु अंग्रेजों ने मजहब के आधार पर देश को विभाजित कर पाकिस्तान बनाया, जो आज भी भारत को आतंकवाद से लहूलुहान कर रहा है।

क्या संजय पराते नहीं जानते कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से पर कब्जा किया और आज भी आतंकी गतिविधियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है? क्या 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं बढ़ी? आतंकी घटनाओं में स्थानीय समर्थन और पाकिस्तान समर्थक नेताओं की भूमिका रही है। संजय पराते ने हिंदू ध्रुवीकरण का आरोप लगाया, लेकिन कांग्रेस सरकारों ने ही हिंदुओं को जातियों में बांट कर आपसी बैमनस्यता फैलाई और मुस्लिम तुष्किरण को बढ़ावा दिया। क्या बंगाल और अन्य राज्यों में मुस्लिम कट्टरता की घटनाएं नजरअंदाज की जा सकती हैं? क्या पीएफआई, भू-माफिया, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसे राष्ट्र विरोधी कृत्यों पर कार्रवाई करना मुसलमानों पर अत्याचार है? नहीं, यह राष्ट्र रक्षा का कार्य है। आज भी भारत में हिन्दुओं को उनके धार्मिक जुलूसों पर पत्थरबाजी, सरकारी संपत्ति की क्षति, पाकिस्तानी झंडे फहराने जैसी घटनाओं से अपमानित किया जाता है। किंतु अब हिन्दू समाज में व्यापक चेतना आई है और वे समझने लगे हैं कि सनातन धर्म कर्म आधारित व्यवस्था है, जो राष्ट्र और समाज हित में है। हिंदुओं की एकता से केवल राष्ट्र विरोधी तत्वों को खतरा है। राहुल गांधी मुस्लिम लीग जैसी घोर साम्प्रदायिक पार्टी को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं और भाजपा जैसी राष्ट्रवादी पार्टी को साम्प्रदायिक। 'इंडिया 'गठबंधन के नेताओं की दृष्टि में हिन्दुओं की निंदा धर्मनिरपेक्षता है, और राम मंदिर जाना साम्प्रदायिकता। लेकिन अब हिन्दू समाज ने इस पाखंड को भली-भांति पहचान लिया है।

मदन माधुर्य

डिजिटल युग में बच्चे गुस्सैल और आक्रामक क्यों?

आज के डिजिटल युग में, बच्चों का व्यवहार और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। माता-पिता और शिक्षक अक्सर यह शिकायत करते हैं कि बच्चे पहले की तुलना में अधिक गुस्सैल, चिड़चिड़े और आक्रामक हो गए हैं। इसका एक प्रमुख कारण बच्चों का कम उम्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग है। प्रारंभिक स्क्रीन टाइम और डिजिटल दुनिया बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप उनमें गुस्सा और आक्रामकता बढ़ रही है। आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं, यानी वे उस दुनिया में पैदा हुए हैं जहां स्मार्टफोन, टैबलेट और इंटरनेट रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। पहले जहां बच्चे खेल के मैदान में दोस्तों के साथ समय बिताते थे, वहीं अब वे मोबाइल स्क्रीन पर गेम खेलने, वीडियो देखने और सोशल मीडिया पर समय बिताने में व्यस्त रहते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 6-12 वर्ष की आयु के बच्चे औसतन प्रतिदिन 2-4 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। ये आंकड़ा किशोरों में और भी अधिक है।

हालांकि तकनीक ने शिक्षा और मनोरंजन के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि कम उम्र में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बच्चों के मस्तिष्क के विकास, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक कौशलों को प्रभावित करता है। गुस्सा और आक्रामकता के कारण बच्चों का मस्तिष्क विकास के महत्वपूर्ण चरण में होता है और इस दौरान स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मस्तिष्क के 'प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स' को प्रभावित करता है, जो भावनाओं को नियंत्रित करने और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मोबाइल गेम्स और सोशल मीडिया में तेजी से बदलते दृश्य और तत्काल पुरस्कार (जैसे गेम में जीत या लाइक्स का मिलना) बच्चों के मस्तिष्क में 'डोपामाइन' का स्तर बढ़ाते हैं।

इससे वे तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं और जब वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होता, तो वे निराश, चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध कई गेम्स और वीडियो में हिंसा, आक्रामकता और अनुचित व्यवहार को दर्शाया जाता है। बच्चे, जिनका दिमाग अभी परिपक्व नहीं हुआ है, इन सामग्रियों को देखकर हिंसक व्यवहार को सामान्य मानने लगते हैं। उदाहरण के लिए कई लोकप्रिय मोबाइल गेम्स में युद्ध, लड़ाई और विनाश को बढ़ावा दिया जाता है, जो बच्चों में आक्रामक प्रवृत्तियों को बढ़ा सकता है। मोबाइल और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से बच्चे वास्तविक दुनिया में अपने दोस्तों और परिवार से कट जाते हैं। वे सोशल मीडिया पर तो सक्रिय रहते हैं, लेकिन वास्तविक सामाजिक संपर्क की कमी उन्हें अकेला और उदास बनाती है। यह अकेलापन और भावनात्मक खालीपन अक्सर गुस्से और आक्रामकता के रूप में व्यक्त होता है। देर रात तक मोबाइल फोन का उपयोग, विशेष रूप से नीली रोशनी का संपर्क, बच्चों की नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। अपर्याप्त नींद बच्चों में चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्से को बढ़ाती है। एक शोध के अनुसार, जो बच्चे रात में अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं, उनमें भावनात्मक अस्थिरता और आक्रामक व्यवहार की संभावना अधिक होती है।

सोशल मीडिया बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाता है। वे दूसरों की 'परफेक्ट' जिंदगी, लुक्स या उपलब्धियों को देखकर खुद को कमतर महसूस करते हैं। यह आत्मसम्मान में कमी और असंतोष का कारण बनता है, जो गुस्से और आक्रामकता के रूप में सामने आता है। प्रारंभिक उम्र में मोबाइल और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग केवल गुस्सा और आक्रामकता तक सीमित नहीं है। इसके दीर्घकालिक प्रभाव भी चिंताजनक हैं। बच्चों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो रही है, उनकी रचनात्मकता प्रभावित हो रही है और वे भावनात्मक रूप से कमजोर हो रहे हैं। इसके अलावा, लगातार स्क्रीन टाइम के कारण शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है, जैसे कि मोटापा, आंखों की समस्याएं और खराब मुद्रा।

इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और समाज को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। निम्नलिखित कुछ सुझाव हैं जो बच्चों में गुस्सा और आक्रामकता को कम करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखनी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2-5 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रतिदिन 1 घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम नहीं देना चाहिए। बड़े बच्चों के लिए भी उम्र के अनुसार समय सीमा निर्धारित करें। बच्चों को खेल, कला, संगीत और पढ़ने जैसी गतिविधियों में शामिल करें। ये न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें भावनात्मक रूप से स्थिर भी बनाते हैं। माता-पिता को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए। साथ में भोजन करना, कहानियां सुनाना या बाहर घूमने जाना बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। बच्चों को ऐसी सामग्री देखने के लिए प्रोत्साहित करें जो शिक्षाप्रद और सकारात्मक हो। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे हिंसक गेम्स या वीडियो से दूर रहें। बच्चों को इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करें। उन्हें सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताएं। यदि बच्चा लगातार गुस्सा या आक्रामक व्यवहार दिखा रहा है, तो मनोवैज्ञानिक या काउंसलर की मदद लें। प्रारंभिक हस्तक्षेप से समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है।

बच्चों के लिए ही नहीं हम सबके लिए भी ये चेतावनी है कि लगातार डिजिटल उपकरणों का उपयोग मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुक्सान पहुंचाता है। इसके लिए 'डिजिटल डिटॉक्स' करने के जरूरत होती है। जो तनाव कम करने, नींद सुधारने और वास्तविक रिश्तों को मजबूत करने में मदद करता है। यह एकाग्रता बढ़ाता है और बच्चों को स्क्रीन से दूर प्रकृति व खेलों से जोड़ता है। समय-समय पर 'डिजिटल डिटॉक्स' अपनाकर हम और हमारे बच्चे संतुलित और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग आधुनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है, लेकिन इसका बच्चों पर होने वाला प्रभाव गंभीर है। यह माता-पिता और समाज की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को डिजिटल दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाएं और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित करें। संतुलित जीवनशैली, सकारात्मक वातावरण और प्रेमपूर्ण देखभाल के साथ, हम बच्चों को न केवल गुस्से और आक्रामकता से मुक्त कर सकते हैं, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ और खुशहाल भविष्य भी दे सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

कैण्डल मार्च के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के लगे नारे, वीडियो वायरल, जाँच जारी

देवरिया। जनपद के बघौच घाट थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त एक वीडियो में पुलवामा कांड को लेकर निकाले गए कैण्डल मार्च के दौरान पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगने का मामला संज्ञान में आया है। इस संबंध मे सीओ सीटी द्वारा जाँच करने पर ज्ञात हुआ कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये भारतीयों के प्रति कैण्डल मार्च व रोष प्रदर्शन किया जा रहा था तथा मार्च के दौरान पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाने की विडियो क्लिप सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी है । इस सम्बन्ध में सीओ सीटी ने बताया कि प्रकरण के संबंध में कैण्डल मार्च से सम्बन्धित विडियो एकत्र कर साइबर सेल की मदद से वृहद् गहनता से जांच की जा रही है । जाँच के उपरांत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी ।

दूसरे व्यक्ति के नाम पर फर्जी नौकरी कर रहा अध्यापक गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की खामपार पुलिस ने दूसरे व्यक्ति के नाम पर फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे फर्जी अध्यापक को गिरफ्तार किया है। 27 अप्रैल को मु0अ0सं0-49/2021 धारा 419, 420, 467, 468,471 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त संजय यादव उर्फ गुड्डू पुत्र धर्मदेव निवासी ग्राम बरडीहा परशुराम परसन टोला थाना लार देवरिया को खामपार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बंगरा के पास से गिरफ्तार किया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । बता दें कि अभियुक्त संजय यादव उर्फ गुड्डू प्राथमिक विद्यालय विरमापट्टी भाटपार रानी में सुरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र मानबहादुर सिंह कन्हौली खास देवरिया के नाम से फर्जी तरीके से कूटरचित दस्तावेज के आधार पर जुलाई 2010 से जुलाई 2020 तक नौकरी कर रहा था। 2 अप्रैल को वादी मुकदमा शैलेन्द्र कुमार खण्ड शिक्षा अधिकारी भाटपार रानी देवरिया द्वारा मुकदमा दर्ज कराये जाने के बाद से ही अभियुक्त संजय यादव विद्यालय से फरार चल रहा था ।

यूट्यूबर को पीटने पर एसएसपी कार्यालय पर हुई धक्का-मुक्की, बसपा के झंण्ड़े लहराये

अलीगढ़। थाना लोधा क्षेत्र में यूट्यूबर पर हमले और पुलिस की कथित निष्क्रियता के विरोध में भीम आर्मी और पीड़ितों के परिजन एसएसपी कार्यालय पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी और रिश्वतखोर दरोगा को सस्पेंड करने की मांग को लेकर जमकर हंगामा हुआ। प्रदर्शनकारियों ने एसएसपी गेट पर धक्का-मुक्की की और मायावती के झंडे लहराए। बताया गया है कि दोनों युवकों को लड़की छेड़ने के आरोप में पीटा था। दलित जाति के दो युट्यूबरों को पीटने और पुलिस कार्रवाई पर उनके स्वजन और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सोमवार को एसएसपी कार्यालय पहुंच गए। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एसएसपी गेट पर धक्का-मुक्की की। स्थिति बढ़ते देख पीएसी बुला ली गई। एसएसपी कार्यालय के बाहर मायावती के झंडे लहराए गए। प्रदर्शनकारी आरोपितों की गिरफ्तारी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर आरोपित दरोगा को सस्पेंड करने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी एसएसपी को कार्यालय से बाहर आकर बात सुनने की मांग पर अड़े थे। बन्नादेवी के नगला कलार निवासी भगवती प्रसाद ने बताया कि उनका बेटा प्रदीप और राहुल डॉक्टर आंबेडकर पर प्रेणादायक वीडियो बनाते हैं। इसी वजह से रविवार को सुबह शिखावटी थाना लोधा गए थे। यहां वीडियो बना रहे थे। तभी अचानक 20 से 30 लोगों ने लाठी और बेल्टों से पीटा। लातों और घूंसों से मारा। इससे वे गंभीर घायल हो गए। दोनों युवकों को पीटने का कारण लड़की छेड़ना बताया और पुलिस को बुला लिया। पुलिसवालों ने शांतिभंग में दोनों को जेल भेज दिया।

डीएम ने दो निजी भवनों में संचालित चकबन्दी कार्यालयों को कलेक्ट्रेट परिसर में किया स्थापित

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने दो निजी भवनों में संचालित चकबन्दी कार्यालयों को जोत चकबन्दी अधिनियम की धारा-42 (2) में प्रदत्त अधिकारों के अधीन चकबन्दी अधिकारी सदर कार्यालयों को शासकीय भवन में स्थापित कर दिया है। उन्होने चकबन्दी अधिकारी सदर प्रथम व चकबन्दी अधिकारी सदर द्वितीय के कार्यालय जो निजी भवन स्टेशन रोड पर संचालित हो रहा था उसे नवीन स्थल कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित कर दिया है।

गोरखपुर में टोल बचाने की होड़ ने जनता को बनाया बंधक- भारी वाहनों का शॉर्टकट बना जाम का जख्म

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- जनपद दक्षिणांचल में टोल टैक्स बचाने के लिए भारी वाहनों द्वारा अपनाए जा रहे शॉर्टकट मार्ग अब आम जनमानस के लिए नासूर बन चुके हैं। खजनी, कौड़ीराम, सहजनवा, सिकरिगंज, बांसगांव, पिपरौली, जैतपुर और नगावा जैसे क्षेत्रों में हर दिन घंटों जाम की समस्या ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। मरीजों से लेकर एंबुलेंस तक इस जाम में फंसकर हांफ रहे हैं, वहीं व्यापारियों और स्थानीय निवासियों में प्रशासन के खिलाफ गुस्सा पनप रहा है।

टोल बचत का खेल, सरकार को चपत, जनता को सजा

बिहार, बनारस और मिर्जापुर की ओर से आने वाले लोडेड ट्रक कौड़ीराम से खजनी मार्ग होते हुए सहजनवा निकल जाते हैं, जिससे वे दो से तीन टोल प्लाजा की फीस बचाते हैं। दूसरी ओर, लखनऊ से आने वाले भारी वाहन जीरो पॉइंट से यू-टर्न लेकर कौड़ीराम के रास्ते टोल बचाते हैं। यह टोल चोरी न केवल सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि संकरी सड़कों पर जाम का कारण बन रही है। खजनी उनवल बाँसगांव जैतपुर बोकटा तक दो लेन की सड़कों पर भारी वाहनों की वजह से जैतपुर में जाम की स्थिति सबसे गंभीर है, जो सभी प्रमुख मार्गों को जोड़ता है। यहां छोटे वाहनों की भीड़ के बीच बड़े ट्रक और ट्रेलर शॉर्टकट के चक्कर में जाम को और विकराल बना रहे हैं।

जाम का दंश- मरीजों की जान पर बन आई आफत

जाम की वजह से एंबुलेंस और मरीजों को अपनी मंजिल तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में गोरखपुर के निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे पर भगवानपुर के पास हुए एक हादसे में दो युवकों की मौत और तीन श्रद्धालुओं के घायल होने की घटना ने सड़क सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि तेज रफ्तार और संकरी सड़कों पर भारी वाहनों का दबदबा हादसों को न्योता दे रहा है। प्रशासन की चुप्पी, जनता में आक्रोश स्थानीय निवासियों और व्यापारियों का कहना है कि गोरखपुर प्रशासन इस समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। भारी वाहनों पर नकेल कसने के लिए न तो चेकिंग हो रही है और न ही वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के चलते जाम और हादसे रोजमर्रा की बात हो गई है।मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में भी उठा मुद्दा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में भी स्थानीय लोग इस समस्या को बार-बार उठा रहे हैं। सीएम ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए हैं, लेकिन जाम और टोल चोरी की समस्या पर अब तक कोई कारगर कदम नहीं दिखा।

स्थानीय नेताओं और व्यापारियों की मांग

स्थानीय व्यापारी नेता रामबृक्ष बर्मा, मदन सिंह, अनिल पांडेय आदि लोगो ने कहा, "जाम की वजह से हमारा कारोबार ठप हो रहा है। प्रशासन को भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाना चाहिए और टोल चोरी पर सख्ती करनी चाहिए।" वहीं, खजनी के निवासी रामजी बर्मा ने बताया, "जाम में फंसकर मरीजों की जान खतरे में पड़ रही है। प्रशासन को तुरंत इस पर एक्शन लेना चाहिए।"

क्या है समाधान?

विशेषज्ञों का कहना है कि टोल चोरी रोकने के लिए हाईवे पर नियमित चेकिंग, सीसीटीवी निगरानी और भारी वाहनों के लिए तय मार्ग लागू करना जरूरी है। साथ ही, खजनी, कौड़ीराम और सहजनवा जैसे क्षेत्रों में सड़कों के चौड़ीकरण और फ्लाईओवर निर्माण से जाम की समस्या से निजात मिल सकती है।जनता की पुकार- अब और इंतजार नहीं गोरखपुर की जनता अब इस समस्या से त्रस्त हो चुकी है। अगर प्रशासन ने जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो स्थानीय लोग और व्यापारी सड़क पर उतरने की चेतावनी दे रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक गोरखपुर की सड़कों पर जाम का यह जख्म जनता को तड़पाता रहेगा?

उपनगर उरुवा में भीषण अग्निकांड, पचास लाख की क्षति, फर्नीचर और कपड़े के कारोबार को लगा तगड़ा झटका

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के उपनगर उरुवा बाजार में 24 अप्रैल की सुबह सात बजे एक भीषण हादसा घटित हुआ, जिसने क्षेत्रवासियों को दहला दिया। जायसवाल ट्रेडर्स नामक फर्नीचर दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और बगल की निधित क्लॉथ सेंटर को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के भरसक प्रयास किए, लेकिन लपटें इतनी भयावह थीं कि उन्हें रोक पाना मुश्किल हो गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर दो बजे आग पर काबू पाया जा सका।

लेकिन तब तक आग अपना तांडव दिखा चुकी थी। जायसवाल ट्रेडर्स के संचालक दीनदयाल जायसवाल और निधित क्लॉथ सेंटर के मालिक खीरमल कसौधन की दुकानों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। अनुमान है कि इस अग्निकांड में लगभग पचास लाख रुपये की भारी क्षति हुई है। पीड़ित दुकानदारों ने संयुक्त रूप से उरुवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने 27 अप्रैल को रोजनामचा संख्या 39 में मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, दीनदयाल जायसवाल ने अपनी तहरीर में उल्लेख किया कि उनकी फर्नीचर की दुकान 'जायसवाल ट्रेडर्स' उरुवा-सिकरीगंज मार्ग पर स्थित है। बगल में खीरमल कसौधन की 'निधित क्लॉथ सेंटर' नामक कपड़े की दुकान थी। अचानक हुए इस हादसे ने दोनों परिवारों को आर्थिक रूप से बुरी तरह झकझोर दिया है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने प्रशासन से पीड़ितों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

गोला बाजार- ड्रग इंस्पेक्टर के पहुंचते ही गोला में धड़ाधड़ बंद हुई दवा दुकानें, जांच में बाधा, सख्त कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात

गोला बाजार /गोरखपुर- जनपद के गोला बाजार उपनगर के पश्चिमी चौराहे से सीएचसी गोला तक के मार्ग पर स्थित दवा दुकानों में सोमवार को हड़कंप मच गया, जब ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार अपने दल-बल के साथ औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही इलाके की अधिकांश दवा दुकानों के शटर धड़ाधड़ बंद हो गए, जिससे निरीक्षण कार्य प्रभावित हो गया। ड्रग इंस्पेक्टर के अनुसार, दवा की दुकानें आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत आती हैं और उनका इस तरह से सामूहिक रूप से बंद होना संदेह को जन्म देता है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जल्द ही बंद पाई गई दुकानों को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हड़कंप का नजारा

बताया जा रहा है कि राहुल कुमार बड़हलगंज से होते हुए अपराह्न के समय पश्चिमी चौराहे पर पहुंचे थे। उनकी टीम के इलाके में पहुंचते ही बिजली की गति से खबर फैल गई। देखते ही देखते चौराहे से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला तक दोनों ओर की दवा दुकानों के शटर एक के बाद एक गिरने लगे। ड्रग इंस्पेक्टर ने जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर निरीक्षण किया, तो वहां भी आधे घंटे तक ठहरने के बावजूद कोई दवा दुकान नहीं खुली। जब इस अप्रत्याशित घटनाक्रम को लेकर उनसे सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट रूप से संदेहास्पद है। दवा की दुकानें आवश्यक सेवा का हिस्सा हैं। इस तरह अचानक बंद हो जाना नियमों का उल्लंघन है। संबंधित दुकानदारों को नोटिस भेजकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

जांच टीम रही साथ

निरीक्षण के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर के साथ उनका स्टाफ भी मौजूद रहा, जो स्थिति का गहन अवलोकन करता रहा। प्रशासनिक स्तर पर अब इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। नतीजा साफ-लापरवाही पर अब नहीं चलेगा समझौता।

गोरखपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी- चोरी और धोखाधड़ी के मामले में 2 अभियुक्त गिरफ्तार, 5.80 लाख रुपये और कार बरामद

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- थाना गुलरिहा पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी और धोखाधड़ी के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गुलाम मुस्तफा शेख (निवासी महराजगंज) और रमेश राजभर (निवासी आजमगढ़) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 5 लाख 80 हजार रुपये नकद, एक कार, तीन फर्जी आधार कार्ड, चार जोड़ी नंबर प्लेट और 23 स्क्रू बरामद किए हैं।

पुलिस का अभियान और कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देश पर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ के पर्यवेक्षण में थाना गुलरिहा के प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार सिंह, स्वाट प्रभारी मनीष यादव और एसओजी प्रभारी सूरज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की।

दरअसाल-25 अप्रैल 2025 को एक

शिकायतकर्ता ने थाना गुलरिहा में शिकायत दर्ज की कि अभियुक्तों ने पैसे को दोगुना करने का झांसा देकर उन्हें कार में बिठाया और 5 लाख रुपये चुराकर फरार हो गए। इस मामले में मुकदमा संख्या 348/2025, धारा 303(2)/318(4) बी.एन.एस. के तहत केस दर्ज किया गया। इसी तरह, 27 अप्रैल 2025 को एक अन्य शिकायत में बताया गया कि अभियुक्तों ने उसी तरह का झांसा देकर 1 लाख रुपये चुरा लिए। इस मामले में मुकदमा संख्या 364/2025 दर्ज किया गया।

बरामदगी और कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 5.80 लाख रुपये, घटना में इस्तेमाल की गई कार, फर्जी आधार कार्ड, नंबर प्लेट और स्क्रू बरामद किए। दोनों मामलों में धारा 317(2), 338, 336(3), 340(2) बी.एन.एस. की बढ़ोतरी की गई है। अभियुक्तों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास

गुलाम मुस्तफा शेख- पूर्व में कुशीनगर के थाना कप्तानगंज में चोरी और धोखाधड़ी के मामले में मुकदमादर्ज है, रमेश राजभर-गुलरिहा थाने में दर्ज दोनों ताजा मामलों में शामिल है।

पुलिस टीम की सराहना

इस ऑपरेशन में शामिल पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार सिंह, स्वाट प्रभारी मनीष यादव, एसओजी प्रभारी सूरज सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोरखपुर पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में दहशत और आम जनता में विश्वास बढ़ा है।

गोरखपुर पुलिस का संदेश

अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जनता से अपील है कि किसी भी तरह के लालच या झांसे में न आएं और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गंगा स्नान करते समय छात्र डूबा

अलीगढ़। थाना दादों क्षेत्र के सांकरा घाट पर गंगा स्नान करते समय एक युवक डूब गया। निजी गोताखोरों ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। परिजनों का हाल रो-रोकर बुरा है। युवक हाईस्कूल में पास होने की खुशी मनाने के लिए दोस्तों के सथा गंगा स्नान को गया था। छर्रा थाने के गांव भमोरी बुजुर्ग निवासी 17 वर्षीय विकास पुत्र सुखराम अपने दोस्त लोकेश, शिवम, अंकित, मयंक, किशन के साथ हाईस्कूल में पास होने की खुशी में दो बाइकों पर सवार होकर सांकरा स्थित गंगा घाट पर सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे गंगा स्नान करने गया था। साथी गौरव पुत्र नरेंद्र ने बताया कि विकास नहाते समय गहरे पानी की तरफ जा रहा था। हम लोगों ने माना किया, पर इतनी देर में वह डूब गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गए निजी गोताखोरों को लगाकर गंगा में डूबे किशोर की तलाश शुरू कर दी गई। छर्रा स्थित दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य सुशील दिवाकर ने बताया सभी छात्र हमारे विद्यालय के थे। विकास के गंगा नदी में डूबने की सूचना मिली है, बड़ा दुखद समाचार है। किशोर के डूबने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बैतालपुर चीनी मिल को लेकर पूरे प्रदेश के किसान होंगे लामबंद- शिवा जी

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में बैतालपुर चीनी मिल को चलाने हेतु कलेक्ट परिसर देवरिया जिले में किसानों द्वारा चलाए जा रहा धरना आज 152 वें दिन जारी रहा। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद आस मोहम्मद ने कहा देश की अर्थव्यवस्था का रीढ कृषि है और कृषि को किसान संपादित करता है किसानों को उसके कृषि उत्पादन का लाभकारी मूल्य कृषि के क्षेत्र में गंगा की खेती नगदी और लाभकारी मानी जाती है जिसके लिए चीनी मिल की अवधारणा की गई और बैतालपुर चीनी मिल उसी की एक महत्वपूर्ण कड़ी है जिसे बंद किया गया और उसे चालू करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार घोषणा किया गया पर चालू ना हो सकी। इस परिपेक्ष में देवरिया में हमारे किसान बैतालपुर चीनी मिल के लिए लगातार लड़ रहे हैं जो किसान हित में बड़ी तपस्या है। कामरेड शिवाजी राय ने कहा हम पूरे प्रदेश के किसानों को इकट्ठा करने का काम करेंगे जब तक बैतालपुर चीनी मिल चालू नहीं हो जाती है। इस अवसर पर संघर्ष समिति के अध्यक्ष बृजेंद्र मणि त्रिपाठी, राजू चौहान, रत्नेश मिश्रा, पन्नालाल चौहान, विकास दुबे, वृद्धि यादव, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, जितेंद्र सिंह, बकरीदनबरकत अली, रामनिवास पांडेय, अशोक मालवीय ,जगदीश यादव, राम इकबाल चौहान, विजय कुमार सिंह, विवेक कुमार गुप्ता, राजू चौहान, वृद्धि चंद्र यादव, जगदीश यादव, धर्मवीर यादव, शिवप्रसाद बारी, डॉ चंद्रिका यादव, जवाहर चौहान इत्यादि लोग मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग का धमाल! जिले में अभी अरविंद सिंह डी. एम., संजीव कुमार सी. डी. ओ., बी. एस. ए. कल्पना देवी का है कार्य काल ?

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। मिश्रौलिया फत्ते जोत के परिषदीय कंपोजिट विद्यालय में लगी अधिकारियों के नाम पद की प्रदर्शित पट्टीका पर विश्वास किया जाए तो आज की तारीख में जनपद में डी. एम. अरविंद सिंह सीडीओ संजीव कुमार मौर्या तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना देवी कार्यरत हैं। शायद इस स्कूल में पढ़ने वाले सैकड़ो छात्राओं को भी यही पता हो। हो क्यों न क्योंकि स्कूल में जितनी शिक्षिकाएं शिक्षक हैं उनके भी नाम पत्रिका में लिखे हैं। इसलिए बच्चों को प्रदर्शित पट्टिका पर भरोसा करना जायज है। यदि कोई उनसे डीएम, सीडीओ और बेसिक शिक्षा अधिकारी के नाम के बारे में जानना चाहे तो उनका उत्तर भी वेशक यही होगा जो पट्टीका पर अंकित है। विद्यालय के कितने जागरूक हैं गुरुजन और शिक्षा विभाग के अधिकारी जिन्हें प्रदर्शित पट्टीका मुंह चढ़ा रही है पट्टीका में

जिन तीनों अधिकारियों के नाम प्रदर्शित किया जा रहे हैं उनके तबादले पिछले वर्ष ही अन्य जनपद के लिए हो गए हैं और वह वहां अपने दायुक्तो का निर्वहन कर रहे हैं। वर्तमान परिवेश में जिले में जिला अधिकारी पवन कुमार अग्रवाल मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला है लेकिन पट्टीका के अनुसार अभी तक जनपद में वर्तमान परिवेश में कार्य कर रहे जिले की कमान संभाल रहे इन अधिकारियों का वजूद तो स्कूल के पट्टीका के अनुसार नहीं है। इस संबंध में जब प्रधानअध्यापि शिप्रा यादव से बात की गई तो उन्होंने बहुत खूबसूरत ढंग से जवाब दिया कि पेंटर से कहा गया था। लेकिन अभी वह यहां समय नहीं दे पाया है। इस सवाल पर की 1 वर्ष से ज्यादा समय में पेंटर यहां नहीं आ पाया? तो उसका उन्होंने कोई जवाब देने की अपेक्षा चुप रहना वाजिब समझा। कितने ताज्जुब की बात है कि लबे रोड पर स्कूल होने के बावजूद भी यहां शिक्षा विभाग का कोई अधिकारी जिला स्कूल में बच्चों के शैक्षिक गुणवत्ता परखने के लिए आने से नजरन्दाज करते रहे या फिर यह देखकर भी हुए इस गलती पर भी खामोश रहे। खंड शिक्षा अधिकारी तो निरंतर विद्यालयों का निरीक्षण करते रहते हैं।लेकिन उन्होंने इस गलती को सुधारने के लिए शिक्षकों को कोई आदेश निर्देश दे कर गलती का दुरुस्ती करण कराया।

सवर्ण आर्मी सोनभद्र को मिला नया जिला अध्यक्ष, क्षेत्र में जगी उम्मीद

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र। सवर्ण आर्मी सोनभद्र इकाई ने पंकज कुमार शुक्ला को अपना नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लंबे समय से उन्हें एक ऐसे संगठन की आवश्यकता महसूस हो रही थी जो उनके स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा सके। पंकज कुमार शुक्ला के जिला अध्यक्ष बनने से लोगों में यह विश्वास जागा है कि अब उनकी समस्याओं को न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि सड़क से लेकर संसद तक पहुंचाया जा सकेगा।सूत्रों के अनुसार, पत्रकार बंधुओं के साथ हुई बातचीत में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष पंकज कुमार शुक्ला ने सोनभद्र क्षेत्र की जन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा

कि संगठन पूरी निष्ठा के साथ आम लोगों की आवाज बनेगा और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करेगा।पंकज कुमार शुक्ला, जो मूल रूप से मिर्जापुर के रहने वाले हैं, पिछले कई वर्षों से सोनभद्र की धरती पर निवास कर रहे हैं। इससे उन्हें क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों की गहरी समझ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि उनकी यह पृष्ठभूमि उन्हें क्षेत्र की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनका समाधान ढूंढने में सहायक होगी।सवर्ण आर्मी का यह कदम ऐसे समय में आया है जब सोनभद्र क्षेत्र विभिन्न प्रकार की स्थानीय समस्याओं से जूझ रहा है। लोगों को उम्मीद है कि एक मजबूत और सक्रिय नेतृत्व के तहत अब इन समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। पंकज कुमार शुक्ला की नियुक्ति से क्षेत्र के लोगों में एक नई उम्मीद का संचार हुआ है और वे अब अपने मुद्दों को प्रभावी मंच पर उठाने की आस लगाए बैठे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में सवर्ण आर्मी सोनभद्र, पंकज कुमार शुक्ला के नेतृत्व में, स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में कितनी सफल हो पाती है।

योग प्रशिक्षक तैयार करने के संकल्प के साथ विशेष कक्षा का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

गांधी मैदान, ओबरा। राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना ने आज गांधी मैदान, ओबरा में एक विशेष योग कक्षा का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य कुशल योग प्रशिक्षकों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल "दयालु"ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय योग संरक्षक धनराज सिंह और राष्ट्रीय योग गुरु झल्लन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस विशेष कक्षा में कुमारी अर्पिता पांडे ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। उल्लेखनीय है कि कुमारी अर्पिता पिछले तीन महीनों से लगातार योग का प्रशिक्षण ले रही हैं और इस कक्षा के माध्यम से उन्हें योग सिखाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।प्रशिक्षण सत्र के दौरान, मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया और उनकी तकनीकों में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

दिए। उन्होंने प्रशिक्षकों को सशक्त बनाने की दिशा में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।इस अवसर पर राष्ट्रीय योग सेना के राष्ट्रीय सलाहकार लाल बहादुर यादव, विनोद चौहान, रामबाबू सोनकर, कुमारी महिमा, कुमारी हर्षिता पांडे, कुमारी स्नेहा गर्ग, कुमारी गुनगुन और कुमारी मनीषा समेत कई अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि धनराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि योग स्वास्थ्य, अनुशासन और एक संतुलित जीवन शैली का आधार है। उन्होंने प्रशिक्षक बनने की दिशा में उठाए गए इस कदम को समाज के सभी वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।दूसरे मुख्य अतिथि झल्लन शर्मा ने कहा कि योग केवल स्वयं के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह दूसरों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योग प्रशिक्षकों का निर्माण सामाजिक परिवर्तन की नींव रखेगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष आनन्द पटेल ÷दयालु÷ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग मात्र एक शारीरिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह मानसिक और आध्यात्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना के लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका संगठन प्रत्येक गांव और गली तक प्रशिक्षित योग गुरुओं को पहुंचाना चाहता है, ताकि भारत एक बार फिर विश्वगुरु के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सके।राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना का यह दृढ़ संकल्प है कि योग को जन-जन तक पहुंचाकर आत्मनिर्भरता और स्वास्थ्य के नए प्रतिमान स्थापित किए जाएं।

संक्षिप्त खबरें

पुवायां स्थित कैंब्रिज कान्वेंट स्कूल में "एक राष्ट्र एक चुनाव" के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

शाहजहांपुर पुवायां। कैंब्रिज कान्वेंट स्कूल में "एक राष्ट्र एक चुनाव" के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दुग्ध एवं पशुधन एवं राजनीति पेंशन मंत्री श्री धर्मपाल जी की उपस्थिति में पुवायां स्थित कैंब्रिज कान्वेंट स्कूल में "एक राष्ट्र एक चुनाव" के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रिय पुवायाँ भाजपा विधायक चेतराम ने एक राष्ट्र एक चुनाव के संबंध में लोगों को जागरूक किया व देश की आर्थिक स्थिति एवं देश की प्रगति को बढ़ाने में सहयोग करने का आह्वान किया। इस मौके पर साथ में भाजपा जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा, विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष संजय गुप्ता, तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुभाष चंद्र शुक्ला, जलालाबाद विधायक हरिप्रकाश वर्मा, तिलहर विधायिका सलोना कुशवाहा, पूर्व विधायिका शकुंतला देवी ब्लॉक प्रमुखगण, मण्डल अध्यक्षगण, प्रधानगणों सहित तमाम भाजपा कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केन्द्र का आयोजन

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद शाहजहांपुर के कुशल निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन पुलिस लाइन जनपद शाहजहांपुर में किया गया आज 10 पत्रावली पर सुनवाई की गयी तथा 01 दम्पति को विदा किया गया। जानकारी के अनुसार थाना पुवायां जनपद शाहजहंपुर के एक दम्पति जिनकी शादी लगभग 01 वर्ष पूर्व हुई थी। दोनो पति पत्नी मे कुछ समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था दोनो पक्षों को परिवार परामर्श केन्द्र जनपद शाहजहांपुर बुलाया गया ढ्ढ दोनो पक्षों की आपस में वार्ता कराई गई और समझाया गया ढ्ढ प्रथम पक्ष व द्वितीय पक्ष एक दूसरे के साथ रहने को तैयार हैढ्ढ दोनों ने आपसी सहमति से समझौता कर लिया है दोनो को परिवार परामर्श केंद्र से विदा किया गया। इस मौके पर प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र जनपद शाहजहांपुर उप निरीक्षक श्रीमती मधु यादव, महिलाआरक्षी मोनिका, महिला आरक्षी करुणा, आरक्षी सौरभ कुमार मौजूद रहे।

श्री भगवान परशुराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर निकलेगी 30 अप्रैल को भव्य शोभायात्रा

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

शाहजहाँपुर। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर भव्य शोभा यात्रा 30 अप्रैल दिन बुधबार समय प्रातः 10 बजे स्थान उदासीन अखाडा बडी संगत निकट सीता मठिया छोटा चौक से प्रारम्भ होगी। इससे पूर्व ब्राहम्ण समाज कार्यालय पर भगवान परशुराम जी का अभिषेक एवं वस्त्र अलंकरण तथा यज्ञ आयोजित किया जायेगा। शोभा यात्रा में सबसे आगे भगवान परशुराम जी की पतिमा एवं ज्योति उसके पीछे साधू सन्यासी शंख ध्वनि करते हुए 251 मन्दिर के पुजारी के बाद सैकडों महिलाएं भजन कीर्तन करते हुए चलेगी। चंदौसी से आया ढोल मजीरा बाद्य यंत्र जिसके बाद भगवान परशुराम जी का रथ उसके पीछे भगवान परशुराम माता पिता का रथ जिसके पीछे भगवान शिव जी का परिबार आचार्य चाणक्य महाश्रृषि दधिचि राधा कृष्ण राम दरबार के साथ रथ पर बनारस से पधारे परम पूज्य संत आचार्य प्रशान्त प्रभु जी महाराज एवं 30 फिट ट्राला पर डीजे एक छोटा डीजे और रामदरबार के आगे बाहुबली हनुमान जी शोभा यात्रा में शोभायमान होगे। नगर में जगह जगह आमजनमानस द्वारा सीता मठिया कोतवाली कच्चे कटरा मोड बनखंडी नाथ मन्दिर घण्टाघर बहादुर गंज चौराहा आर्य महिला चौराहा सदर बाजार पर सूक्ष्म जल पान एवं पुष्प वर्षा शोभायात्रा का स्वागत आदि किया जायेगा। तदुपरान्त जलूस में सम्मिलित लोगो के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन गाँधी हाल में परम पूज्य आचार्य प्रशान्त प्रभू जी महाराज जी द्वारा भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डाला जायेगा। प्रेसवार्ता में पंडित डाक्टर विजय पाठक पूर्व एमलसी संजय मिश्रा हरीशरण बाजपेई ब्राहम्ण नेता कनुप्रिया पुनीत त्रिवेदी अवधेश दीक्षित श्रीदत्त शुक्ला कौशल किशोर मिश्रा विश्वदीप अवस्थी जितेन्द्र नाथ तिवारी राजकमल बाजपेई सुशील दीक्षित रवि मिश्रा दीपक शर्मा नीरज बाजपेई आदि लोग उपस्थित थे।

जिला अधिशासी अभियंता पर लग रहे भाई की फर्म पर ठेकेदारी,के आरोप

● मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम का संरक्षण, होने की चर्चा जोरो पर

उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी जनपद मे भारत सरकार की अति महत्वकांक्षी योजना के तहत जल जीवन मिशन के अंतर्गत गंभीर भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया। जिला अधिशासी अभियंता योगेंद्र कुमार नीरज द्वारा अपने सगे भाई उपेंद्र कुमार नीरज के नाम पर फर्म अक्षिता कंस्ट्रक्शन के माध्यम से स्वयं ठेकेदारी की जा रही है। इस प्रत्यक्ष स्वार्थ के टकराव के चलते लाखों ग्राम वासियों के नाम पर फर्जी कनेक्शन स्थापित किए गए हैं। धरातल पर कार्य नदारद है, और केवल कागजों पर जल आपूर्ति दिखाई जा रही है। निर्माण कार्य की प्रगति से पहले ही भुगतान जारी कर दिए गए उच्च अधिकारियों की मिली भगत से करोड़ों रुपए का गबन किया गया7 इस संबंध में सैकड़ों शिकायतें दर्ज हैं, जो इस व्यापक अनियमितता की ओर इशारा करती हैं। इन गंभीर अनियमितताओं के बावजूद, मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम द्वारा जिला अधिशासी अभियंता को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। उक्त आरोप श्याम किशोर गुप्ता द्वारा लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच किये जाने की माग की हैं।मुख्य अभियंता ने न केवल इस भ्रष्ट आचरण को अनदेखा किया है, बल्कि फर्जी जांच रिपोर्टें प्रस्तुत कर भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाए हैं। यह कृत्य भ्रष्टाचार को दबाने और सच्चाई को सामने लाने वालों को डराने का स्पष्ट प्रयास है।इस संगठित भ्रष्टाचार के विरुद्ध पत्रकार अजीत सिंह सैनी ने जनहित याचिका के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ में गुहार लगाई है। इस महत्वपूर्ण मामले की पहली सुनवाई 24 अप्रैल 2025 को हुई, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय ने ÷जल निगम ग्रामीण÷ को भी मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है।यह घटनाक्रम जल जीवन मिशन के तहत सार्वजनिक धन की लूट और मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम द्वारा भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप देने का जीता जागता प्रमाण है। उच्च न्यायालय द्वारा मामले का संज्ञान लेना यह दर्शाता है कि न्यायपालिका इस तरह के भ्रष्ट गठजोड़ को समाप्त करने और जनता के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब सभी की निगाहें इस मामले पर टिकी हैं, जिससे लखीमपुर खीरी के निवासियों के साथ-साथ पूरे प्रदेश में पारदर्शिता और जवाबदेही की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

पलियाकलां- (खीरी)लखीमपुर खीरी 28 अप्रैल। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के उद्देश्य से सोमवार को विकास भवन के स्वामी विवेकानंद सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की मासिक समीक्षा बैठक ली, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। बैठक का संचालन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने निर्देश दिया कि विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, मिड-डे-मील सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लें तथा यह सुनिश्चित कराएं कि बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा मिले। सभी बीईओ पंजीकृत छात्रों की शतप्रतिशत उपस्थिति के साथ-साथ इस बात को भी सुनिश्चित करें कि सभी छात्र प्रापर ड्रेस, जूता, मोज़ा व स्वेटर पहन कर विद्यालयों में आयें।

डीएम ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मानसिक संतुलन, सामाजिक कौशल और शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी हैं। इसलिए हर विद्यालय में सुबह के समय के शुरुआती आधे घंटे में बच्चों के लिए खेल अवश्य होना चाहिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि बीईओ अपने आवंटित ब्लॉक में अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण को बढ़ाते हुए उपस्थिति को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करें। अभियान के दौरान कम अटेंडेंस वाले बच्चों के घर दस्तक देकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। विद्यालयों के शैक्षिक व भौतिक गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।बैठक में डीएम ने एसएमसी गठन सूचना प्रेरणा पोर्टल पर अपलोडिंग, केजीबीवी परिसर में एकेडमिक, छात्रावास निर्माण की प्रगति, डीबीटी मॉडल, स्कूल चलो अभियान, मिशन प्रेरणा, फेज-दो, निपुण भारत के प्रभावी क्रियान्वयन, ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों में 19 पैरामीटर्स के संतृप्तिकरण, कक्षाओं को प्रेषित विभिन्न शैक्षिक सामग्री व शिक्षकों की दक्षता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण, मेंटरिंग एवं प्रोग्राम प्रगति का प्रस्तुतीकरण, डीटीएफ डीटीएफ निरीक्षण, सहयोगात्मक पर्यवेक्षण, शिक्षक संकुल बैठक, दिव्यांग बच्चों की ट्रैकिंग, शैक्षणिक कार्यक्रमों की प्रगति संबंधी समर्थ प्रणाली का प्रस्तुतीकरण, मध्यान भोजन टास्क फोर्स, बा विद्यालय में स्टाफ उपस्थिति प्रतिशत की बिंदुवार समीक्षा की व जरूरी निर्देश दिए।बैठक में बीएसए प्रवीण तिवारी ने कहा कि आज की बैठक में जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका उनके स्तर से या उनकी टीम द्वारा पूर्णतया अनुपालन किया जाएगा। बैठक में डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह, सभी खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

जन्म प्रमाण पत्र की पेंडेंसी शीघ्र निपटाएं- डीएम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसडीएम को जन्म प्रमाण पत्र की लंबित आवेदनों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बीईओ को आदेशित किया कि वे अपने क्षेत्रीय एसडीएम से समन्वय करके सभी पेंडिंग मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करें। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि एसडीएम इस कार्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें, ताकि नौनिहालों के स्कूल में प्रवेश लेने और आधार नामांकन में कोई समस्या न आए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्राप्त आवेदनों का नियत सीमा के भीतर प्रमाण पत्र निर्गत कराए जाएं।

बाहरगंज में मां दुर्गा मंदिर की मूर्ति अराजक तत्वो ने तोड़ माहौल बिगाड़ने की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के गांव बहारगंज मे देवस्थान पर बने दुर्गा देवी मंदिर की मुर्तिया अराजकतत्वों ने रविवार की रात तोड़ दी सुबह गांव की महिलाये पूजा करने के लिए पहुंची तो मूर्ति टूटी देखकर ग्रामीणों को अवगत कराया। जिसके बाद खबर आग की तरह क्षेत्र मे फ़ैल गयी ग्रामीणों के साथ कई हिन्दू संगठन मंदिर पर पहुंच गए वही मौके पर गोला कोतवाली पुलिस सहित मैलानी व फरधान थाने की पुलिस फोर्स व मितौली सीओ शमशेर बहादुर सिंह दलबल के साथ पहुंच गए। सूचना मिलते ही एसडीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार सुखबीर सिंह, नायब तहसीलदार सर्वेश यादव ने मौके पर पहुंच आक्रोशित ग्रामीणों वो हिन्दू संगठनों को समझा बुझा किसी तरह मामले को संभाला और लोगों के गुस्से को शांत कराया। ग्रामप्रधान इसवेंद्र वर्मा की तहरीर पर अज्ञात अराजक तत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कठोर कार्रवाई की मांग की। हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों , ग्रामीणों व अधिकारियों की सहमति विधि विधान से पूजन कराकर विखंडित मूर्ति को विसर्जन के लिए भिजवाया। वहीं ग्रामीणों को मंदिर में नई मूर्ति स्थापित कराने का आश्वासन दिया है। मौके पर ग्रामीणों के साथ भारतीय हिन्दू परिषद अंतर्राष्ट्रीय संघटन के प्रदेश प्रभारी अरुण कुमार अवस्थी पारस व जिलाध्यक्ष नीरज मिश्रा, जिला मिडिया प्रभारी पंकज मिश्रा,मुनेश दीक्षित, रुक्मकेस मिश्रा, उमंग मिश्रा, गोलू जोशी व विश्व हिन्दू परिषद से डा पियूष शुक्ला सहित सैकड़ो क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। आक्रोर्षित ग्रामीणों व क्षेत्रीय लोगों के जमावड़े को देखते हुए मौके पर गोला प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह, फ़रधान थाना प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी व मैलानी थाना प्रभारी निराला तिवारी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस तरह की यह दूसरी घटना है जिसमें हिंदू देवस्थानो में देवी देवताओं की मूर्ति को अराजकतत्वों ने तोड़कर हिन्दुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है।इससे पहले 19 अप्रैल को थाना हैदराबाद क्षेत्र के बेलवा गांव में मां दुर्गा व बालाजी की मूर्ति को को खंडित किया गया था।

अराजक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने को लेकर लेकर पीस कमेटी बैठक हुई

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। कोतवाली गोला में अराजक तत्वों द्वारा दो घटनाओं को अंजाम दिये जाने को लेकर कोतवाली प्रांगण में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह की अध्यक्षता में शांति कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह नफीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अराजक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिसको लेकर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में हिंदू मुस्लिम धर्म लंबियों व प्रधान जनप्रतिनिधि बीडीसी नगर पालिका सदस्य एवं सभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अराजक तत्वों द्वारा दो घटनाओं को अंजाम दिया गया है ऐसी घटना भविष्य में घटित ना हो अन्यथा अराजक तत्वों के विरुद्ध एनकाउंटर तक करने की चेतावनी दी और गोला नगर के आसपास क्षेत्र के प्रधानों जनप्रतिनिधियों वीडीसी से कहा गया मंदिर और मस्जिद व अपने अपने पंचायत में कैमरे लगाने की व्यवस्था जल्द से जल्द करें जिससे अपराधियो को पकड़ने में आसानी होगी और अपराध में कमी आएगी।

विकसित भारत 2047 कार्यक्रम के उपलक्ष में एनसीसी कैडेटो की रैली नगर में निकाली गई

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। स्थानीय पब्लिक इंटर कॉलेज में दिनांक 28 अप्रैल2025 विकसित भारत 2047 कार्यक्रम के उपलक्ष्य में 26 यूपी बटालियन एनसीसी लखीमपुर खीरी के कमांडिंग आफिसर कर्नल चित्र सेन के निर्देशन में एक जागरूकता रैली का भव्य आयोजन गोला में किया गया। आयोजित जागरूक रैली का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेतो विकसित भारत 20 47 के भारतीय नागरिकों को इस मिशन के लिए जागरूक करना थ। जिसमें पब्लिक इंटर कॉलेज गोला तथा कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला के एन सी सी कैडेट्स, ए न ओ, प्रधानाचार्यऔर शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री का फर्जी व्यवस्था अधिकारी बनकर एसपी को किया फोन, नटवर लाल गिरफ्तार

● मुख्यमंत्री का व्यवस्था अधिकारी बताकर नटवरलाल अधिकारियों पर बनाता था दबाव

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
पुलिस 112
आपात सेवाएं

शाहजहांपुर- मुख्यमंत्री का फर्जी व्यवस्था अधिकारी बताकर अधिकारियों पर काम करने का दबाव बनाने वाले नटवर लाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के सीयूजी नम्बर पर एक व्यक्ति ने फोन मिलाकर अपने आपको मुख्यमंत्री का व्यवस्था अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा बताया और एक महिला की सिफारिश करने लगा और अधिकारी बाली भाषा शैली का इस्तेमाल करते हुए दिशा निर्देश देने लगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बात करते समय उन्हें कुछ संदेह हुआ तो उन्होंने सर्विलांस द्वारा नंबर की जांच कराई तो राहुल भारती नाम का व्यक्ति जो जनपद फर्रुखाबाद के अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अमईयापुर का निवासी निकला। पुलिस की जांच में पता चला कि ये नटवरलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का व्यवस्था अधिकारी बनकर स्थानीय स्तर के अधकारियों को फोन करता था। पुलिस ने उसके पास से व्यवस्था अधिकारी मनोज मिश्रा के नाम की फर्जी आईकार्ड भी बरामद किया है। एवं फर्जी विजटिंग कार्ड भी मिले है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि ये व्यक्ति नटवरलाल है और इसी तरह से इसने फर्जी अधिकारी बनकर इससे पहले भी कई अधिकारियों से काम कराए हैं।

पहलगाम व जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले की वीआईपी परिवार व डोरेमोंस इंटरनेशनल स्कूल ने, की कड़ी निंदा

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। पहलगाम व जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले की वीआईपी परिवार व डोरेमोंस इंटरनेशनल स्कूल, के बच्चों ने कड़ी निंदा कर कश्मीर में पर्यटकों की हत्या पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।स्कूल प्रांगण में बच्चों, स्टाफ टीचर्स तथा अभिभावकों ने जलाई मोमबत्तियां और की शांति प्रार्थना की गई।सुंदर कश्मीर के पहलगाम को खूनी करते हुए जो आतंकवादियों जो कृत्य किया है, वो झकझोर करने वाला है, डीआईएस के प्रांगण में, आतंकी हमले द्वारा, मारे गए पर्यटकों को भाव पूर्ण श्रद्धांजलि दी गई, सभी ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की एवं घटना के दौरान घायल हुए पर्यटकों के अति शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की, तथा इस प्रकार की नृशंस, अत्यंत निंदनीय एवं संतापजनक घटना भविष्य में न हो इसके लिए, सरकार से घृणित जिहादी मानसिकता सोच वाले आतंकवादियों के प्रति सख्त कार्रवाई की मांग की साथ ही आतंकवाद पूरी तरह से बंद हो, सभी को मजबूत सुरक्षा हो, ऐसी मांग की, बच्चों ने आतंकवाद बंद करो, के नारे लगाए। वीआईपी ग्रुप के संरक्षक संजय अग्रवाल जी ने कहा, धर्म किसी को हिंसा करना नहीं सिखाता। कुछ कट्टरपंथियों ने हिंसा को ही अपना धर्म मान लिया है। निर्दोषों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है। वीआईपी ग्रुप के क्रिएटर अभिनभ गुप्ता ने कहा, इस तरह की मानसिकता वाले लोग क्यों, कैसे और कहा बनते है, हम सभी को और सरकार को इस बात पर पर भी ध्यान देना चाहिए साथ ही गुनहगारों को इतनी सख्त सजा का प्रावधान बनाना चाहिए, जिससे कोई इस प्रकार के कृत्य को करने की सोचे भी ना, सुरक्षाओं पर गंभीर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और दो मिनट के मौन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन उदय सिंग ने किया, साथ ही अभिनभ गुप्ता, संजय अग्रवाल, दीपमाला रस्तोगी, अंशिका बॉथम, समस्त अध्यापक, अध्यापिकाएं और अभिभावक मौजूद रहे।

हल्द्वानी बैश्य समाज के नेतृत्व में बस समाज की उपजातियां द्वारा भामाशाह के नाम पर नगर में नामकरण के मांग की गई

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। स्थानीय वैश्य समाज के विभिन्न उपजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा दान शिरोमणि भामाशाह जी के नाम पर नगर के किसी चौराहे अथवा पार्क का नामकरण किए जाने के संबंध पुनः पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौपा गया। पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू को सौंप गए ज्ञापन में कहा गया है कि उपरोक्त के संबंध में विगत 8 जनवरी को दिए गए ज्ञापन पर इतना समय व्यतीत हो जाने के उपरांत भी कोई कार्यवाही न होने पर अनुस्मारक के माध्यम से नगर पालिका परिषद गोला के अध्यक्ष को पुनः अवगत कराते हुए मांग की कि जल्द से जल्द कृपया दान शिरोमणि भामाशाह जी के नाम पर नगर के किसी चौराहे अथवा पार्क का नामकरण किया जाए। पालिका अध्यक्ष ने वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही उनके आवेदन पर उचित कार्यवाही होना सुनिश्चित की जाएगी।ज्ञापन देने वालों में श्री हरिद्वारी वैश्य महासभा के प्रदेश संयोजक तथा वरिष्ठ समाजसेवी शरद गुप्ता सोनू ,प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल आनंद गुप्ता, प्रदेश महामंत्री आदित्य गुप्ता आदी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात गुप्ता बीनू, जायसवाल समाज के संरक्षक प्रेम चंद्र जायसवाल, जायसवाल समाज के अध्यक्ष अवधेश गुप्ता,यज्ञसेनी समाज के अध्यक्ष सुधीर गुप्ता बबलू, नगर पालिका परिषद गोला के पूर्व सभासद पंकज गुप्ता ,विकास गुप्ता, नीरज गुप्ता सहित तमाम सजातीय बंधु उपस्थित रहे।

अमृत काल के अंतर्गत अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजयी छात्छा-त्राओं को पुरस्कृत किया गया

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। स्वतंत्रता के अमृत काल में संपूर्ण प्रदेश में वर्ष पर्यंत हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान की टैगलाइन के अंतर्गत भारत रत्न डॉ बी आर अंबेडकर की 135 वीं जयंती के उपलक्ष में पूरे पखवाड़े कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में आयोजित वाद विवाद, निबंध, भाषण, क्विज और खेल प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि पूर्व संसद सदस्य रवि प्रकाश वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष नारायण लाल वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम संयोजक डॉ अनिल कुमार ने बताया कि श्रीमान जिला विद्यालय निरीक्षक खीरी डॉ महेंद्र प्रताप सिंह जी द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज के दिशा निर्देशन में पूरे पखवाड़े कॉलेज में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। जिनमें वाद विवाद प्रतियोगिता में आरुषि पटेल प्रथम राम जी मिश्रा द्वितीय और रोमिल पटेल ने तृतीय स्थान अर्जित किया। निबंध प्रतियोगिता में सिमरन, मोहिनी कश्यप और अनामिका गोस्वामी ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान अर्जित किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम अंशिका सोनी द्वितीय अदीबा और तृतीय स्थान अर्शिया ने अर्जित किया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिया वर्मा द्वितीय वंशिका वर्मा और तृतीय स्थान प्रिंस गिरी ने अर्जित किया।खेल में 100 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में सृष्टि प्रथम उषा द्वितीय और गुनगुन गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं जबकि बालक वर्ग में देव भारद्वाज, अभिषेक कटियार ने स्थान अर्जित किया। समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण उपप्रधानाचार्य लखपति भारती की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक देवेंद्र सिंह ने किया।

डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा भागेदारी एक पहल बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल, मोहम्मदी ने सीताराम मनवार पब्लिक इंटर कालेज महरिया में वार्षिक भागेदारी एक पहल बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 100 सामुदायिक सहयोगियों की उपस्थिति रही बैठक में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी विपिन पाण्डेय ने उपस्थित प्रतिभागियों का माल्यार्पण व अंगवस्त्र पहना कर सम्मानित किया।उन्होंने बताया की संस्था अब तक 26 गावों कों निवारणीय अंधता मुक्त ग्राम घोषित किया जा चुका है साथ ही हर घर हर जन की तर्ज पर घर घर नेत्र जाँच कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संस्था के प्रबंधक दीपक त्रिपाठी ने बताया की हम समुदाय में नेत्र स्वास्थ्य पर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है। निःशुल्क व आयुष्मान के ऑपरेशन करने में लगातार 5 वर्ष से प्रथम स्थान प्राप्त हों रहा है जिसका श्रेय उपस्थित सहयोगियों कों जाता है।संस्था के मोहम्मद जावेद ने बच्चों में होने वाला आँखों के कैंसर रेटीना ब्लास्टोमा के बारे में बताया, वही संस्था की हीना शाह ने संस्था द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया सहयोगी मोनू शुक्ला ने संस्था द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की कमलेश मिश्रा जी ने कहा की नेत्र ज्योति सर्व ज्योति के रूप में हम सब मिलकर कार्य कर रहे है।कार्यक्रम कों सफल बनाने में जमाल अहमद, कमलेश मिश्रा का सहयोग रहा कार्यक्रम में मोनू शुक्ला, बाबू राम, उदयभान सिँह, राम पाल यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख, सलीम खान गणेश प्रताप सिँह, प्रेम सागर वर्मा, अनिल पाण्डेय, डी पी सिँह, मोहित सिँह, उपमा पाण्डेय, गायत्री देवी राधिका सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

एंबुलेंस 108 के इ.एमटी व चालाक की तत्परता से बचाई गई हार्ट पेशेंट की जान

भदोही/ सुरियावा दिनांक 28 अप्रैल 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा के अंतर्गत ग्राम सभा करियांव के कंसापुर निवासी अनिल कुमार तिवारी द्वारा 108 एमरजैंसी एम्बुलेंस सर्विस को फोन कर बताया कि मेरी पत्नी सुमन देवी उम्र 35 वर्ष के सीने में भयानक दर्द उठ रहा है हमें तत्काल एंबुलेंस सहायता की जरूरत है जिसकी सूचना पर कंट्रोल रूम द्वारा एम्बुलेंस युपी 32इजी4904 को सूचित किया सूचना पाकर इयमटी राजेश कुमार शर्मा तथा पायलट विमल कुमार द्वारा मौके पर पहुंचकर मरीज को ऑक्सीजन की सहायता देकर तत्काल महाराजा बलवंत सिंह अस्पताल पहुंचा जहां पर प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा मरीज का इलाज कर राहत प्रदान किया तत्काल सहायता प्रकार परिवार वालों ने एंबुलेंस 108 के चालक एवंइएमटी की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने हेतु जनमानस को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान संचालित

भदोही – निदेशालय महिला कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के क्रम में जिला प्रोवेशन अधिकारी शत्रुघ्न कनौजिया ने बताया कि आप सभी अवगत है कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है। जनपद में प्रायः बाल विवाह की घटना संज्ञानित होती रहती है तथा बालविवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत बाल विवाह एक दण्डनीय अपराध है तथा बाल विवाह में हिस्सा लेने वाले व्यक्तियों पर भी कानूनी कार्यवाही का प्राविधान किया गया है। इस अधिनियम के अन्तर्गत किसी भी बालिका जिसने अपनी आयु 18 वर्ष पूर्ण न की हो एवं किसी बालक/युवा जिसने अपनी आयु 21 वर्ष पूर्ण न की हो, का विवाह कराया जाना प्रतिवन्धित है। अक्षय तृतीया (आखा तीज) जैसे अवसर पर बाल विवाह करने की रूढ़िवादी परम्परा समाज में प्रचलित रही है। वर्ष 2025 में अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को प्रस्तावित है। इस अवसर पर बाल विवाह की प्रथा की रोकथाम हेतु प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों से आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा भी बाल विवाह रोकने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

ईंट-भट्ठा के पास मिले एक व्यक्ति के शव मिलने की घटना से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 27.04.2025 को वादिनी गीता पत्नी स्व0 शंकर निवासिनी भोरमार माफी थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी के पति की मारपीट की गयी जिससे उनकी मृत्यु होने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-120/2025 धारा 105 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा तत्समय घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित कर घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उक्त अभियोग की विवेचना के क्रम में सुरागरसी पतारसी व इलेक्ट्रानिक/भौतिक साक्ष्य संकलित करते हुए सोमवार को थाना अदलहाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्रांर्गत ग्राम कोलउन्द नियर न्यू अहरौरा रेलवे स्टेशन आउटर के पास से घटना से सम्बन्धित 02 अभियुक्तगण 1. छोटू कुमार पुत्र प्रेमनाथ व 2. रविन्द्र भारतीय पुत्र प्रेमनाथ निवासीगण भोरमार माफी थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर रक्तरंजित कपड़े बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेजा जा रहा है।

एक करोड़ से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओ के कार्य प्रगति की समीक्षा कर ली जानकारी

●दिए गए निर्धारित समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराएं निर्माण कार्य, बार समय बढ़ाने पर होगी कार्यवाही -मण्डलायुक्त

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में सड़क कटिंग एवं रेस्टोरेशन से सम्बन्धित समन्वय बैठक की समीक्षा एवं मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली के अन्तर्गत मण्डल के जनपदो में एक करोड़ से अधिक लागत से निर्माणाधीन परियोजनाओ के प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या, प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर के अलावा मीरजापुर, भदोही व सोनभद्र के कार्यदायी संस्थाओ व विभागो के अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में मण्डलायुक्त ने कहा कि विभिन्न कार्यदायी संस्थाओ द्वारा कार्य करते समय आपसी समन्वय की कमी के कारण एक ही सड़क विभिन्न कार्यो के लिए काटना पड़ता है जिससे सड़को की स्थिति खराब होने के साथ ही साथ जन मानस को कठिनाई होती हैं। उन्होंने कहा कि अधीक्षण अभियंता जल निगम ग्रामीण को प्रत्येक माह लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व जिला पंचायत के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य योजना बनाकर कार्य कराएं ताकि बार-बार कटिंग की स्थिति न आने पाए। उन्होंने कहा कि मण्डल क्षेत्र के जिन मार्गो पर अडंर ग्राउंड विद्युत के केबिलिंग कार्य है उसकी सूची सम्बन्धित जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दी जाए। इसी प्रकार जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया गया मिशन के अन्तर्गत वर्तमान में भी सड़को/पटरियो की कटिंग करना आवश्यक है सम्बन्धित अनापत्ति प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त की जाए। मण्डलायुक्त ने कहा कि प्रायः शिकायते प्राप्त हो रही है कि सड़को का रेस्टोरशन बालू डालकर नही किया जा रहा है तथा कम्पैक्शन भी ठीक से नही किया जा रहा है केवल मिट्टी डालकर गढ्ढा भर दिया जा रहा हैं। उन्होंने अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि अधीक्षण अभियंता जल निगम ग्रामीण के साथ स्वंय मौके पर जाकर कुछ कार्यो की जांच करते हुए 15 दिवस में आख्या उपलब्ध कराएं। बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद भदोही, मीरजापुर, सोनभद्र में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराए जाने वाले कार्यो की सूची सम्बन्धित विभागो से समन्वय स्थापित कर दे दिया जाए तथा खोदे गए गढ्ढो को समय रहते

मरम्मत भी कराया जाए। इसी प्रकार नगर क्षेत्र में नगर पालिकाओ से भी समन्वय स्थापित नगर पालिकाओ से अधिशासी अभियंता जल निगम से समन्वय स्थापित कर कार्य करे तथा 15 दिवस में आख्या प्रस्तुत करें। मण्डलायुत ने मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली के अन्तर्गत मण्डल के तीनो जनपदो में एक करोड़ से अधिक लागत के निर्माणाधीन निर्माण कार्यो के प्रगति कार्य की समीक्षा गई। मण्डलायुक्त ने तीनो जनपदो के कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यो को दिए गए निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए बार-बार समय बढ़ाने वाले कार्यदायी संस्थाओ पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यो विशेषकर पानी टंकी निर्माण, सड़क निर्माण, भवन निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यदायी संस्था/विभाग स्वंय आन्तरिक टीम समय-समय पर गुणवत्ता की जांच करे इसके अतिरिक्त अर्न्तविभागीय उच्च स्तरीय टीम गठित कर भी समय-समय पर रजिस्टर्ड लैब से जांच कराई जाए तथा प्रत्येक जांच आख्या पत्रावलियों में सुरक्षित रखा जाए। मण्डलायुक्त ने कहा कि निर्माण कार्यो के लिए धनराशि प्राप्त है और वह 70 सें 80 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुके है उन्हे प्रत्येक दशा में मई 2025 के अन्त तक पूर्ण करा लिया जाए तथा जो परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है उन्हे एक सप्ताह के अन्दर हैण्डओवर की कार्यवाही कराई जाए। राजकीय निर्माण निगम सोनभद्र इकाई के द्वारा निर्माणाधीन मेडिकल कालेज, 300 सैय्या मण्डलीय चिकित्सालय, राजकीय पालीटेक्निक राजगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चील्ह, सीखड़, पड़री हलिया तथा पूल्ड हाउसिंग योजना के श्रेणी तीन व श्रेणी के आवास निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयपुर आदि की समीक्षा की गई जिसे मई 2025 तक पूर्ण कराने का आश्वासन दिया तथा पूल्ड हाउसिंग योजना में टाइप-3 के आवासो को छोड़कर शेष कार्य अप्रैल 2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश देते हुए विवादित भूमि को मुख्य विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित कर निस्तारित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के द्वारा 50 सैय्या आयुष चिकित्सालय, मड़िहान तहसील में 100 छात्र क्षमता के बालिका छात्रावास, वृहद गौ संरक्षण देवरी कला सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओ के कार्यो की समीक्षा कर निर्धारित समय सीमा अन्तर्गत पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार नलकूप खण्ड मीरजापुर, नहर प्रखण्ड मीरजापुर, नगर पालिका परिषद चुनार, अहरौरा, उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास के द्वारा कराए जाने वालो कार्यो की भी समीक्षा की गई। जनपद भदोही में निर्माणाधीन एम0बी0एस0 जिला चिकित्सालय व भदोही में स्वतंत्र विद्युत फीडर निर्माण, जिला भदोही में बैरक निर्माण, पुलिस लाइन पुरूषो हेतु 100 क्षमता के हास्टल, उच्च न्यायालय भदोही में न्यायिक अधिकारियों के आवास, राजकीय पालीटेक्निक संतरविदास के स्थापना निर्माण, ज्ञानपुर के चकसुन्दर में पाइप पेयजल योजना, भदोही के वरूणा नदी पर लघुसेतु पहुंच मार्ग, भदोही के गेस्ट हाउस निर्माण सहित सिंचाई एवं जल संशाधन की समीक्षा की गई। इसी प्रकार जनपद सोनभद्र में 220 के0बी0 उप केन्द्र म्योरपुर का निर्माण, अपनरा तापीय विद्युत परियोजना में 500 मेगावाट, एफ0जी0डी0 की स्थापना, अगिनश्मन सुन्दरीकरण कार्य, ओबरा तापी परियोजना पर अग्निशमन प्रणाली सुन्दरीकरण, पटवध पेयजल योजना, अमवार योजना, झीलो बीजापुर बेलाही, हर्रा कदरा पेयजल योजना, 38वीं आई0आर0 वाहिनी सोनभद्र में सेना नायक के आवास निर्माण बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय निर्माण, मॉडल स्कूल नंदना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत मल्टीपर्पज सीड स्टोर एण्ड टेक्नालाजी, डिसेमिशनेशन सेंटर बभनी, राजकीय इण्टर कालेज घोरावल सहित अन्य निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए ससमय व गुणवत्तापूर्ण पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि सभी सम्बन्धित विभागो के अधीक्षण अभियंता समय-समय पर अपने विभाग के सम्बन्धित परियोजनाओ का निरीक्षण करते हुए निरीक्षण आख्या फोटोग्राफ सहित संयुक्त विकास आयुक्त को उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करने का दिया निर्देश

● समय सीमा में संतुष्टिपरक हो फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण- जिलाधिकारी शैलेश कुमार

स्वतंत्र प्रभात

भदोही :- जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा कलेक्टेऊट जनता दर्शन में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता पूर्वक ध्यान देते हुए समयबद्ध व पारदर्शी ढ़ग से निस्तारण सुनिश्चित कराये, ताकि

फरियादी को बार-बार जनपद व तहसील मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि निस्तारण संतुष्टिपरक हो, गलत रिपोर्ट लगाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने जन मानस की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक देखते हुए शिकायतों को गुणवत्तापरक समय-सीमा के अन्दर निस्तारण करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागों में 10 से 12 बजे तक उपस्थित रहकर फरियादियों की शिकायतों को सुने और गम्भीर समस्याओं को मौके पर जाकर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों को निस्तारण करने में लापरवाही न बरते, अन्यथा कठोर कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया की आईजीआरएस पोर्टल को प्रतिदिन देखे और लम्बित शिकायतो को अधिकारी स्वयं बात कर तत्काल निस्तारण करें। जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वि/रा0 कुँवर वीरेंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिव नारायण सिंह, उपजिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने मण्डलीय स्वास्थ्य मिशन की बैठक कर स्वास्थ्य सुविधाओ के बारे में ली जानकारी

● चिकित्सको की उपस्थिति बनाए रखने के लिए करे औचक निरीक्षण -मण्डलायुक्त

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बाल कृष्ण त्रिपाठी ने आज आयुक्त कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्वास्थ्य कार्यक्रमो/योजनाओ के प्रगति की जानकारी ली। मण्लायुक्त ने अपर निदेशक स्वास्थ्य सहित सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओ की गुणवत्ता में सुधार लाने एवं आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें इसके लिए चिकित्सको की उपस्थित बनाए रखने के लिए समय-समय पर औचक निरीक्षण करे यदि कोई चिकित्सक बार-बार अनुपस्थित पाया जाता है उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि

स्वास्थ्य केन्द्रो पर दवाओ एवं आवश्यक उपकरणो की उपलब्धता बनाए रखे। स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य कर्मियो को नवीनतम तकनीकी से प्रशिक्षत किया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाओ की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकें। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियो को देय धनराशि को समय पर उपलब्ध कराना तथा आशाओ के भुगतान को भी समयानुसार भुगतान कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कुपोषित बच्चो को एन0आर0सी0 में भर्ती कराने पर बल देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रो में भ्रमण के दौरान आशा ए0एन0एम0 व आंगनबाड़ी कार्यकत्री ऐसे बच्चो को चिन्हित कर एन0आर0सी0 में भेजना सुनिश्चित करे ताकि उनका समुचित उपचार हो सकें। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चो एवं गर्भवती महिलाओ का रूटीन टीकाकरण कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रो में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियो यथा आशा एवं ए0एन0एम0 के कार्य प्रणाली एवं संस्थागत प्रसव आदि से सम्बन्धित मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजना/सेवाओ की मानिटरिंग की जाए। बैठक में ओ0पी0डी0/आई0पी0डी0, आयुष्मान कार्ड, स्नेक बाइट वैक्सीन की उपलब्धतता, टीकाकरण आदि की समीक्षा की गई। बैठक में डब्लू0एच0ओ0 एवं यूनीसेफ के प्रतिनिधियों के द्वारा जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ में कार्यो का लक्ष्य एवं गुणवत्ता के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा सम्बन्धित पी0पी0टी0 के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में राष्ट्रीय वेंडर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, संचारी नियंत्रण दस्तक अभियान में प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर निदेशक स्वास्थ्य, तीनो जनपदो के मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्य सम्बन्धित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

देवारिया कला में पंचायत भवन के पास घायल हिरन मिला, वॉचर मैन दूबे ने तालाब में उतरकर बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। विकास खंड रूपईडीह के ग्राम पंचायत देवारिया कला में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब पंचायत भवन के बगल स्थित तालाब के किनारे एक घायल हिरन पड़ा मिला। हिरन के गर्दन और पीछे हिस्सें में गंभीर चोट थी और वह कीचड़ में फंसा हुआ था।सूचना मिलते ही पुलिस, वन विभाग की टीम और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वन विभाग के वाचर मैन दूबे ने कड़ी मेहनत कर कीचड़ से लथपथ हिरन को बाहर निकाला। इस बीच वन विभाग के वॉचर मैन दूबे ने साहस का परिचय देते हुए कीचड़ में उतरकर काफी मेहनत के बाद हिरन को सुरक्षित बाहर निकाला। दूबे जी की तत्परता और मेहनत से घायल हिरन को समय रहते उपचार मिल सका। वन विभाग की टीम ने मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद हिरन को वन्य जीव संरक्षण केंद्र में भेज वाने की कार्य योजना बना रही है । विभागीय अधिकारियों ने वॉचर मैन दूबे, पुलिस और ग्रामीणों की संयुक्त प्रयास की सराहना की और कहा कि सभी के सहयोग से एक वन्य जीव की जान बचाई जा सकी।ग्रामीणों ने भी खुशी जताते हुए कहा कि वन्य जीवों की रक्षा करना सभी का कर्तव्य है और वे भविष्य में भी इसी प्रकार मदद करते रहेंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक सम्पन्न

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में उप निदेशक कृषि विकेश पटेल, जिला कृषि अधिकारी अवधेश यादव, अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र बरकछा, जिला प्रबन्धक लीड बैंक, जिला रेशम अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में रेशम विभाग द्वारा रेशम उत्पादन का वित्तमान रू0 79632/- निर्धारित किया गया। फसली ऋण वितरण हेतु कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग द्वारा चर्चा की गई।

भाजपा विधायक के संग पार्षद ने निकाला कैंडल मार्च

●पनाहगारो को जड़ से उखाड़ फेकने की मांग - पार्षद योगेन्द्र शर्मा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी एवं पार्षद योगेन्द्र शर्मा के द्वारा संजय गांधी नगर स्थित पार्क से कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें हमले मे मारे गये देश के 26 नागरिको को श्रद्धांजली दी गई नौबस्ता पश्चिम वार्ड 65 पार्षद योगेन्द्र शर्मा की अगुवाई में आस

पास के सैकडो स्थानीय लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए कैंडल मार्च निकाला । इस दौरान एक स्वर मे आतंकवादियो व उसके पनाहगारो को जड से उखाड फेकने की मांग की गई । इस दौरान पार्षद योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि कश्मीर जो हमारे देश का मुकुट जन्नत कहा जाता है वहां पाकिस्तान से आये आतंकियो द्वारा पहचान पूछकर पर्यटको की नृशंस हत्या ने संपूर्ण राष्ट्र को झकझोर कर रख दिया है। पूरे विश्व में आतंकवाद का क्रूर चेहरा एक बार फिर सबके समक्ष उजागर हुआ है, जो मानवता को शर्मसार करने वाला है। इस हृदयविदारक घटना के विरोध में पूरा देश एकजुट है सरकार से कडा कदम उठाने की मांग कर रहे है। कैंडल मार्च इस एकजुटता का संदेश है। इस दौरान जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। मुख्य रूप से विकास बाजपेई अमित भारद्वाज विष्णु दुबे विकास मल्होत्रा विजय वर्मा राजीव गुप्ता राजेश शुक्ला अनिल पाल विकास सविता हिमांशु शर्मा अजय त्रिपाठी विजय वाजपेई सुनील झा मनीष शुक्ला रितिक शर्मा अनुज बाजपेई रजत बाजपेई सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने सुबह 8:30 बजे महाराज चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर का औचक निरीक्षण

●अनुपस्थित 04 डॉक्टरों और 27 स्वास्थ्य कर्मियों को स्पष्टीकरण जारी?

सभी डॉक्टर अपने ड्यूटीरत चिकित्सालय क्षेत्र में ही करें आवास

स्वतंत्र प्रभात

भदोही- जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने सुबह 8:30 बजे महाराज चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर का औचक निरीक्षण किया। अनुपस्थित 04 डॉक्टरों और 27 स्वास्थ्य कर्मियों को स्पष्टीकरण जारी? किया। संतोषजनक स्पष्टीकरण उत्तर न मिलने पर विधिक कार्रवाई करते हुए शासन को अवगत कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड ,महिला वार्ड, पोषण

पुनर्वास केंद्र, दवा स्टोर रूम आदि वार्डो का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों व तीमारदारों से हाल-चाल पूछते हुए प्राप्त चिकित्साकीय सुविधाओं की जानकारी ली। डीएम ने पर्ची काउंटर पर कर्मियों को पर्चे पर मरीज का नाम,उम्र ,पता पूर्ण विवरण भरने का निर्देश दिया। उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि डॉक्टर द्वारा पर्चे पर दवा के पूर्ण विवरण सहित जांच इत्यादि का भी विवरण लिखें, और अपनी हस्ताक्षर व मोहर भी लगाएं। दवा वितरण कर्मियों द्वारा दवा देते समय मरीजों को पूर्ण जानकारी दें की दवा किस किस टाइम और कैसे खाना है। बाहर की दवा लिखे जाने पर संबंधित डॉक्टर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।कुछ मरीजों द्वारा प्लास्टर लगाने के पैसे लिये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सीएमएस प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार को निर्देशित किया कि प्लास्टर लगाने का रसीद अनिवार्य रूप से मरीज को दिया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देशित किया कि ओपीडी समय 8 से 2 बजे तक अवश्य रहे। इमरजेंसी वार्ड व शिफ्टवार लगाए गए डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी अपने निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। सभी डॉक्टर अपने ड्यूटीरत चिकित्सालय क्षेत्र में ही आवास पर रहे, आवश्यक काम से जनपद छोड़ने हेतु लिखित अनुमति लेकर ही जाएं, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ई0वी0एम0 व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया मासिक निरीक्षण

●सीसीटीवी कैमरा में विगत दिवसो के रिकॉर्डिंग की चेकिंग,फायर सेफ्टी उपकरण की वैलेडिटी तिथि,सुरक्षाकर्मियो को पूरी जिम्मेदारी व मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

भदोही – जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई0वी0एम0 व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ई0वी0एम0 के रखरखाव, रजिस्टर तथा गेट पर सील लॉकर का निरीक्षण करते हुये ड्यूटी पर तैनात गार्डो आदि व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने सीसी टीवी कैमरा में विगत दिवसो की रिकॉर्डिंग की चेकिंग, फायर सेफ्टी उपकरण की वैलेडिटी तिथि आदि बिंदुओं का भी अवलोकन किया।

उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के उपस्थिति पंजिका को चेक करते हुए निर्देशित किया कि ड्यूटीरत सुरक्षाकर्मी पूरी जिम्मेदारी व मुस्तैदी के साथ देखरेख करें। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, जिला कृषि रक्षा अधिकारी रत्नेश सिंह, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार,सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव व अन्य उपस्थित रहें।

सरदार सेना ने राज्यपाल को संबोधित 6 सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपा

चुनार, मिर्जापुर। सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल के निर्देश पर मिर्जापुर जिला अध्यक्ष सुनील पटेल फौजी के नेतृत्व में 6 सूत्रीय मांग सौपा उपजिलाधिकारी राजेश कुमार वर्मा को सौंपा। ज्ञात हो कि बीते 22 अप्रैल 2025 को वाराणसी के ज्ञानदीप इंग्लिश स्कूल के संचालक द्वारा 12 वीं के छात्र हेमंत पटेल की हत्या के संबंध में चुनार तहसील प्रांगण में सरदार सेना के कार्यकर्ताओं ने चक्रमण करते हुए हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए राज्यपाल को संबोधित 6 सूत्रीय मांग पत्र उप जिलाधिकारी को सौपा । जिसमें हत्यारों की गिरफ्तारी कर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। अभियुक्त के घर तत्काल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञानदीप इंग्लिश स्कूल की मान्यता रद्द कर स्कूल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी सरकार द्वारा तत्काल मुहैया कराया जाए। हेमंत पटेल के परिजनों को योगी सरकार द्वारा एक करोड़ की धनराशि मुहैया कराई जाए। पीड़ित परिवार को तत्काल शस्त्र लाइसेंस निर्गत कराया जाए।

संक्षिप्त खबरें

कौशांबी में 25 साल की युवती की धारदार हथियार से सिर काटकर हत्या, दुष्कर्म की आशंका

प्रयागराज। कौशांबी दिल दहला देने वाली घटना में 25 वर्षीय युवती की धारदार हथियार से बेरहमी से सिर काटकर हत्या कर दी गई. युवती के साथ दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है. वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि घटना पश्चिम शरीरा थाना इलाके के एक गांव की है. जहां गांव की रहने वाली 25 साल की युवती घर की छत पर सो रही थी. सुबह जब युवती देर तक नहीं उठी तो परिजन पड़ोसी की छत से अपने छत पर पहुंचे तो वहां युवती का शव क्षत विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ था। परिजनों के मुताबिक उसके तन पर कपड़े भी नहीं थे. युवती के परिजनों ने आशंका जताई कि दरिंदे ने पहले हवस का शिकार बनाया होगा और फिर धारदार हथियार से सिर काटकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। उसके शरीर पर गंभीर जख्मों के निशान थे, गर्दन और हाथ पर धारदार हथियार से वार किया गया था। ये खौफनाक मंजर देख परिजनों के होश उड़ गए। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल उच्च अधिकारियों को भी जानकारी दी गई. पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की विस्तृत जांच कर वहां से सबूत इकट्ठा किए हैं. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में दहशत का माहौल है. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

संघ लोक सेवा आयोग की सर्वोच्च परीक्षा आई0ए0एस0 में 931वीं रैंक प्राप्त करने वाली साधना दिवाकर को जिलाधिकारी ने पुष्प गुच्छ देकर एवं साल ओढ़ाकर किया सम्मानित

कौशाम्बी। संघ लोक सेवा आयोग की सर्वोच्च परीक्षा आई0ए0एस0 में अपने पहले ही प्रयास में 931वीं रैंक प्राप्त करने वाली जनपद कौशाम्बी की साधना दिवाकर पुत्री गिरधारी लाल निवासी ग्राम-महमूदपुर तहसील सिराथू जनपद कौशाम्बी को जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा कार्यालय कक्ष में पुष्प गुच्छ देकर एव शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आपने पहले ही प्रयास में आई0ए0एस0 की परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद का नाम रोशन किया है। आप कौशाम्बी जनपद की बालिकाओं के लिए प्रेरणाश्रोत बनकर उभरीं है, आपसे और भी बालिकायें सीख प्राप्त करके आगे भी इसी तरह की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगी। जिलाधिकारी ने साधना दिवाकर से अपने अनुभव साझा किये एवं साधना दिवाकर ने जिलाधिकारी से कैडर सम्बन्धित कई जानकारियां प्राप्त की। जिलाधिकारी ने उनका हौंसला अफजाई करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कॉमना किया।

इफको महिला चेतना क्लब ने जाफर पुर में खोला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र-सोना होगी प्रशिक्षक

प्रयागराज। सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों असहाय और महिलाओं को सशक्ति करण के लिए इफको की महिला चेतना क्लब सामाजिक कार्य करती रहती है।उसी कड़ी में आज जाफर पुर उर्फ बाबूगंज में महिलाओं और लड़कियों के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र केखोला और प्रशिक्षण के लिए के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराया। इस अवसर पर महिला चेतना क्लब की अध्यक्ष विनीता कुदेशिया ने कहा सिलाई प्रशिक्षण से घर में रहने वाली महिलाओं और शिक्षित लड़कियों के लिए रोजगार का एक अच्छा साधन हो सकता है साथ ही पूरे परिवार के कपड़े की सिलाई का पैसा भी बचाता है।किसी भी महिला या लड़की के लिए यह एक विशेष गुड़ हो जाता है। उन्होंने बीएससी पास शिक्षित लड़की सोना देवी को इस केंद्र के लिए प्रशिक्षक नियुक्त करते हुए आशा व्यक्त की वह आसपास और गांव की लड़कियों को सिलाई के लिए प्रशिक्षित करेगी इस अवसर पर उनके साथ रमा वैश्य रेखा जायसवाल पुष्पा यादव गीता सिंह सचिव उपमा वर्मा नीरू सक्सेना कोषाध्यक्ष मौजूद रही। ग्राम प्रधान शीला देवी पटेल ने क्लब की अध्यक्ष श्रीमती कुदेशिया तथा उनकी टीम का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण केंद्र खोलने के लिए आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेट को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित, केंद्र को नोटिस जारी

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और अन्य से ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेट की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाने की याचिका पर जवाब मांगा हैं. यह मामला जस्टिस बी आर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के समक्ष आया. उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को ओटीटी प्लेटफार्मों और सोशल मीडिया पर अश्लीलता के बारे में चिंताओं से सहमति जताई और कहा कि केंद्र को इसे दूर करने के लिए कानून के दायरे में कुछ करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला विधायिका या कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है, यह स्वीकार करते हुए कि याचिकाकर्ता ने एक महत्वपूर्ण चिंता जताई है. जस्टिस गवई ने कहा, "जैसा कि यह है, ऐसे आरोप हैं कि हम विधायिका और कार्यपालिका की शक्ति का अतिक्रमण कर रहे हैं।"

पत्रकार और पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर और अन्य की जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और एजी मसीह की पीठ ने केंद्र और नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, ऑल्टबालाजी, उल्लू डिजिटल और मुबी जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स कॉर्प, गूगल , मेटा इंक और एप्पल को नोटिस भी जारी किया।

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने तर्क दिया कि यह मामला 'प्रतिकूल मुकदमा' नहीं था, बल्कि 'वास्तविक चिंता' को जन्म देता है. जैन ने कहा कि किसी भी प्रकार के विनियमन या जांच के अभाव में, अश्लील कंटेट ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जा रही है. उन्होंने बेंच से मामले की जांच करने का आग्रह किया. बेंच ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि सरकार को याचिका में उठाए गए मुद्दे के बारे में कुछ करना चाहिए. मेहता ने इस पर कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दों के संबंध में कुछ नियमन अस्तित्व में हैं, जबकि कुछ और विचाराधीन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह याचिका ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर विभिन्न आपत्तिजनक, अश्लील और अभद्र सामग्री के प्रदर्शन के संबंध में एक महत्वपूर्ण चिंता पैदा करती है. बेंच ने कहा, "सॉलिसिटर जनरल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि, सामग्री विकृति की हद तक जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ और नियमन विचाराधीन हैं।" पीठ पांच याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेट को प्रतिबंधित करने के लिए एक राष्ट्रीय सामग्री नियंत्रण प्राधिकरण के गठन के लिए दिशानिर्देश भी मांगे हैं।

घर की छत पर सो रही युवती की हाथों की नसें और गला काटकर हत्या पुलिस कर रही जांच

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में एक सनसनीखेज वारदात से क्षेत्र में सनसनी मच गई है। घर की छत पर सो रही युवती की धारदार हथियार से दोनों हाथों की नसें और गला काटकर हत्या कर दी गई,घर की छत पर सो रही युवती की हत्या से परिजनों में कोहराम मच गया,घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है। घटना पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कोल्हूवा गांव की है जहां पर ज्योति पुत्री शम्भू उम्र लगभग 24 वर्ष का उसके घर की छत पर रक्तरंजित और निर्वस्त्र हालत में शव मिला है,युवती को सुबह जगाने पहुंचे परिजनों ने युवती को इस हाल में देखा तो कोहराम मच गया,घटना की सूचना पुलिस को दी गयी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है।

वहीं जानकारी के अनुसार घटना के बाद युवती निर्वस्त्र एवं रक्तरंजित हालत में मिली थी,हत्यारे ने युवती के दोनों हाथों के नसे काट दी थी और गला भी काट दिया था,अधिक खून बहने से युवती की मौत हो गई,वहीं युवती कि रेप के बाद हत्या किये जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है,घटना की जानकारी होने पर एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एक युवती का शव रक्तरन्जित मिला है,उसके दोनों हाथों की नसें काटी गयी और गले में भी धारदार हथियार से चोट की गयी है,शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है,अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।जल्द ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

सात वर्षीय बालक का पानी से भरे गड्ढे में मिला शव

बलिया यूपी के रेवती थाना क्षेत्र अंतर्गत गायघाट गांव में एक दिन पहले गायब सात वर्षीय अमन कुमार का शव गुरुवार को गायघाट दह ताल से सटे पानी भरे गड्ढे में मिलने से हड़कम्प मच गया। बालक की मां दुर्गावती देवी समेत सभी परिजनों का रोते रोते बुरा हाल है। पत्रकार सैयद सेराज अहमद ने प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि प्रिन्स शर्मा का पुत्र अमन ज्ञान्ती देवी बालिका इन्टर कालेज गायघाट में कक्षा एक का छात्र था। वह स्कूल से लौटने के बाद शाम चार बजे घर से निकला, लेकिन वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी तलाश की। सोशल मीडिया ग्रुप के जरिये सूचना पोस्ट कर लोगों से बालक के संबंध में जानकारी होने पर सूचित किए जाने की अपील की गई। लेकिन गुरुवार को गायघाट दहताल से सटे पानी भरे गड्ढे में प्रिंस का शव उतराया मिला। सूचना पर पहुंचे एसआई अवनीश त्रिपाठी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिट्टी का टीला ढहने एक किशोरी सहित पांच महिलाओं की हुई मौत पुलिस और प्रशासन जांच में जुटे

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में मिट्टी का टीला ढहने से दबकर एक किशोरी समेत पांच महिलाओं की मौत हो गयी है,घटना की सूचना पर पहुंचे सिराथू एसडीएम योगेश कुमार गौड़ ने पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। घटना कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी की है जहां टीकरडीह में यह हादसा हो गया,जब कुछ महिलाएं अपने घर में मिट्टी की पुताई और चूल्हा बनाने के लिये तालाब के किनारे मिट्टी निकालने गयी थी,महिलाएं मिट्टी निकालते-निकालते समय बड़ा गढ्ढा बनाती चली गयी तभी अचानक मिट्टी का टीला भरभरा कर ढह गया और मिट्टी का टीला ढहने से लगभग दर्जनभर महिलाएं उसमें दब गयीं,महिलाओं के दबने की जानकारी होने पर लोग दौड़े और फावड़े से मिट्टी हटा कर लोगों को निकालना शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने टीले के नीचे दबे हुये लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को भी इसकी सूचना दी,ग्रामीणों ने पुलिस और एम्बुलेन्स की सहायता से सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां पर डॉक्टरों ने ममता देवी पत्नी अवधेश कुमार (उम्र लगभग 35 वर्ष),ललिता देवी पत्नी राजेश कुमार (उम्र लगभग 35 वर्ष),खुशी पुत्री मूलचन्द्र (उम्र लगभग 17 वर्ष),उमा देवी पुत्री मायादीन(उम्र लगभग 15 वर्ष),कचई देवी पत्नी घोटे पासी(उम्र लगभग 70 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया। वहीं मैना देवी पत्नी राजू(उम्र लगभग 35 वर्ष), सपना पुत्री भारत(उम्र लगभग 15 वर्ष),आकोश पुत्र घोरेलाल (उम्र 32 वर्ष) का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर पहुंचे एसडीएम सिराथू योगेश कुमार गौड़ ने पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है, वहीं चार लोगों का अभी इलाज अभी भी चल रहा है।एसडीएम ने पीड़ित परिवार को शासन द्वारा जल्द ही उचित मदद दिलाने का आश्वासन दिया है।

जमीन के हिस्से में नैनो यूरिया और डीएपी डालकर देखिए एक हिस्से मेंअपने तरीके से, परिणाम दिखाई पड़ जाएग- कुदेशिया

● कार्डेट ड्रोन का प्रशिक्षण देगा।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। इफको फूलपुर इकाई की टीम ने स्थानीय गाँव- महुलिया में जाकर किसान चौपाल लगाया जिसमें किसानों को धान की फसल पर नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग विधि के बारे में बताया। टीम ने छिड़काव की विधि, इसकी मात्रा तथा इसके लाभ के बारे में बताया।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने कहा कि आगामी धान की फसल में जमीन के एक हिस्से में खेती नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी से ही करें तथा अंतर देखे। अतः इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें। इस वर्ष इफको की तरफ से निःशुल्क ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा की तथा कोर्डेट की टीम किसानो को ड्रोन विधि से छिडकाव का प्रशिक्षण देगी। चौपाल में किसानों ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रति उत्साह दिखाया। इस दौरान कार्डेट के प्राचार्य डॉ हरिश्चंद्र, उमेश कुमार वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यावरण),प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी,जन सम्पर्क अधिकारी स्वयम् प्रकाश, मुकेश तिवारी, ग्राम प्रधान कमलाशंकर सिंह, किसान राम प्रताप, विजय सिंह, कुसुम देवी, आशीष यादव आदि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी ने इफको भ्रमण के समय नैनो के बारे में इफको के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को गांवों में जाने और किसानों को जागरूक करने नैनो के प्रयोग की विधि के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया था। उनके निर्देश का पालन करते हुए इकाई प्रमुख सर्व प्रथम पूरी टीम के अब तक दर्जनों गांवों में चौपाल लगाकर नैनो उत्पाद के बारे में जानकारी दे रहे है और धान की फसल में नैनो का अधिक से अधिक प्रयोग करके लाभ उठाने की अपील कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ग्राम टीकरडीह में हुई दुर्घटना से पीड़ितों/घायलों का हाल-चाल लेने पहुँचे जिला अस्पताल

● जिलाधिकारी ने घायलों का बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में थाना कोखराज के अन्तर्गत ग्राम टीकरडीह में तालाब में मिट्टी खोदने गयी महिलाएं व पुरुष मिट्टी का ढेर ढह जाने से दब गये थे, जिनमें 05 महिलाओं की दुखद मृत्यु हो गयी है तथा अन्य 04 लोग घायल हुये हैं। सभी घायलों को एम्बुलेन्स के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी स्थिति सामान्य है। घायलों के स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी लेने के

लिये जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी जिला अस्पताल पहुँचकर कर घायलों से बात-चीत कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश चिकित्सकों को दिये। जिलाधिकारी ने ग्राम टीकरडीह पहुँचकर दुर्घटना स्थल का जायजा लेते हुए गॉव वालों से दुर्घटना के सम्बन्ध में जानकारी ली एवं पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि नियमानुसार जो भी अनुमन्य होगा सभी को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाया जायेगा।

थानानैनी में धारदार हथियार से वारकर वृद्ध दंपती की हत्या, मचा हड़कंप!

प्रयागराज। नैनी के एडीए कॉलोनी में धारदार हथियार से वारकर वृद्ध दंपती की हत्या कर दी गई। घटना के समय दोनों घर में अकेले मौजूद थे। पड़ोसियों से सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के माध्यम से छानबीन शुरू कर दी है। हमलावरों का कुछ पता नहीं चल सका है। अरुण कुमार श्रीवास्तव (66) अपनी पत्नी मीना श्रीवास्तव (60) के साथ एडीए कॉलोनी स्थित अपने मकान में रहते थे। सोमवार को दंपती की हत्या कर दी गई। घटना के समय दोनों घर में अकेले थे। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को घायलावस्था में एसआरएन अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दंपती को तीन बेटियां और एक बेटा है। तीनों बेटियों की शादी हो गई है। बेटा रीवा मध्य प्रदेश में एसबीआई बैंक में कर्मचारी है।

तीन बार के माकपा सांसद बंसा गोपाल चौधरी पार्टी से निष्कासित

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल में माकपा ने तीन बार के लोकसभा सदस्य बंसा गोपाल चौधरी को एक महिला सहकर्मी के प्रति "अत्यधिक आपत्तिजनक" व्यवहार के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया है।20 अप्रैल को पार्टी की महिला नेता और जियागंज-अजीमगंज नगर पालिका की पूर्व पार्षद ने सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट किया जिसमें चौधरी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने उन्हें व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश भेजे हैं। उन्होंने कथित तौर पर उन्हें भेजे गए उन संदेशों के स्क्रीनशॉट भी अपलोड किए।

उन्होंने चौधरी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी मांग की, जो पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य बनने से पहले पिछले वाम मोर्चा मंत्रिमंडल के सदस्य भी थे। वह वर्तमान में पार्टी के पश्चिम बर्दवान जिला समिति के सदस्य थे। महिला ने दावा किया कि उसने पिछले साल नवंबर में इस मामले को पार्टी नेतृत्व के संज्ञान में लाया

था। मामला पार्टी की आंतरिक शिकायत समिति को भेजा गया, जिसने जांच शुरू की। हालाँकि, चौधरी शुरू से ही आरोपों से इनकार करते रहे हैं और दावा करते रहे हैं कि वह एक साजिश का शिकार हैं। अंततः, जब महिला नेता ने इस महीने सोशल नेटवर्किंग साइट पर संदेशों के स्क्रीनशॉट अपलोड किए, तो माकपा ने चौधरी को पार्टी से निष्कासित करने का निर्णय लिया। सीपीआई(एम) नेतृत्व ने रविवार सुबह एक अधिसूचना जारी करके चौधरी के निष्कासन की घोषणा की। हालांकि, अधिसूचना में पार्टी ने उनके निष्कासन के पीछे का कारण नहीं बताया।

यूपी में बड़ा हादसा; मिट्टी का टीला ढहने से 3 महिलाएं और 2 बच्चियों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। कौशांबी जिले में सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा हो गया. कोखराज थाना में मिट्टी का टीला ढहने से 5 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह हादसा सोमवार की सुबह लगभग 7:30 बजे उस समय हुआ, जब ग्रामीण घर की पुताई के लिए मिट्टी की खुदाई कर रहे थे.हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया. इसके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए जिला प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए हैं. मृतकों के परिजनों को 5- 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है.

जानकारी के मुताबिक, कोखराज थाना क्षेत्र के टीकरडीह गांव में रहने वाले ग्रामीण घर की पुताई के लिए गांव के बाहर स्थित तालाब से सोमवार की सुबह मिट्टी खोदने गए थे. तभी मिट्टी खोदते समय अचानक बड़ा सा मिट्टी का टीला ढह गया. टीला ढहने की वजह से मिट्टी की खुदाई कर रहे 8 ग्रामीण दब गए. हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया. चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और घटना की जानकारी कोखराज थाने की पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से किसी तरह मिट्टी हटाकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

2 मासूम बच्चियों की भी गई जानः जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के अनुसार, मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने ममता पत्नी अवधेश (35), ललिता पत्नी राजेश (35), खुशी पिता फूलचंद (15), उमा देवी पुत्री माया देवी (13) और कच्छरही पत्नी स्व. छोटे लाल (70) को मृत घोषित कर दिया. जबकि मैना देवी पत्नी राजू (40), सपना पुत्री भारत (16) और आक्रोश कुमार पुत्र स्व छोटे लाल (35) का इलाज मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है. सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है. वहीं, इस हादसे से गांव में गहरा मातम छा गया है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी-डीएम अस्पताल पहुंचकर लिया जायजाः हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव सीओ के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायलों और उनके परिजनों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना. इसके साथ ही क्षेत्रीय लेखपाल समेत 5 लोगों की टीम को मौके में पहुंचकर पूरे मामले में रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि मृतकों और घायलों को कृषक बीमा योजना के तहत मुआवजा दिया जाएगा।

बस्ती में हुई प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे कौशाम्बी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अव्वाहन पर बस्ती में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया था जिसमें कौशाम्बी की तरफ से जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय अपनी कमेटी के साथ बस्ती पहुंचकर रैली को सफल बनाने में अपना योगदान दिया । मीडिया को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने बताया कि जनपद बस्ती में अपार भीड़ देखकर लगा की अब जनता को कांग्रेस के ऊपर ही विश्वास रह गया है और जनता राहुल गांधी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं , जिलाध्यक्ष ने मीडिया को बताया की प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी अविनाश पाण्डेय, विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, पीएल पुनिया, प्रदीप नरवाल सहित प्रदेश के तमाम नेता मीटिंग में मौजूद थे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय भीड देखकर गदगद रहे और उन्होंने जनता को विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान को खत्म नहीं होने देगी तथा संविधान बचाने के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर रही है और वर्तमान की भाजपा सरकार जो संविधान को खत्म कर देना चाहती है उसके मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को कुचलना चाहती है। बैठक में जिलाध्यक्ष के साथ बस्ती पहुंचे जिला महासचिव रामसूरत रैदास ने कहा की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को बीजेपी कुचलना चाहती है तथा आरक्षण को भी खत्म करना चाहती। बस्ती की मीटिंग में जिलाध्यक्ष के साथ प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश सचिव राम बहादुर त्रिपाठी, यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष अलकमा उस्मानी, महासचिव राम सूरत रैदास, सचिव नूरुत जमा, श्याम सिंह भदौरिया,सोशल मीडिया के प्रदेश सचिव मोहम्मद शाहरुख, राष्ट्रीय छात्र संगठन के पूर्व प्रदेश सचिव विवेक मिश्रा, अमृतलाल प्रधान,बिसाई लाल, राम दास,छोटेलाल, कार्यालय प्रभारी हेमंत रावत, रोहित सिंह,जिला कौशांबी कांग्रेस के पदाधिकारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

यही है बावनी इमली शहीद स्मारक जहाँ 28 अप्रैल 1857 को 52 क्रांतिकारियों को पेड़ की डालों पर लटका दिया गया था

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। फतेहपुर जनपद में एक इमली का पेड़ है जिस पर अंग्रेजो ने 52 क्रांतिकारियों को एक साथ फांसी पर लटकाया था। अंग्रेजो की दासता से मुक्त कराने के लिए अनगिनत क्रांतिकारियों ने अपनी जान देश के नाम कुर्बान करी थी। इन शहीदो की शाहदत को नमन करने के लिए अनेको जगह शहीद स्मारक बने हुए है, जो की हमें उन आज़ादी के सिपाहियों कि देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानो की याद दिलाते है। क्रांतिकारी बाबू बंधू सिंह के शहीद स्मारक के बारे में बताया गया है कि अँगरेज़ सैनिको के सिर काटकर तरकुलहा देवी के चरणो में चढ़ा देते थे। आपको ऐसे ही एक और स्मारक के बारे में बता रहे है जो की इतिहास में बावनी इमली के नाम से जाना जाता है। असल में यह एक इमली का पेड़ है जिस पर अंग्रेजो ने 28 अप्रेल 1858 को 52 क्रांतिकारियों को एक साथ फांसी पर लटका दिया था। यह पेड़ आज भी गवाह है। अंग्रेजो की नाक में दम करने वाले क्रांतिकारी जोधा सिंह अटैया और उनके 51 साथियो की शाहदत का। बावनी इमली शहीद स्थल उत्तरप्रदेश के फतेहपुर जिले के बिन्दकी ब्लाक में खजुआ कस्बे के निकट पारादान में स्थित है। जोधा सिंह अटैया, बिंदकी के अटैया रसूलपुर (अब पधारा) गांव के निवासी थे। वो झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई से प्रभावित होकर क्रांतिकारी जोधा सिंह अटैया बन गए थे। जोधा सिंह ने अपने दो साथियो दरियाव सिंह और शिवदयाल सिंह के साथ मिलकर गोरिल्ला युद्ध की शुरुआत करी और अंग्रेज़ो की नाक में दम करके रख दिया।

जोधा सिंह ने 27अक्टूबर 1857 को महमूदपुर गांव में एक दरोगा व एक अंग्रेज सिपाही को घेरकरमार डाला था। सात दिसंबर 1857 को गंगापार रानीपुर पुलिस चौकी पर हमला कर एक अंग्रेज परस्त को भी मार डाला। इसी क्रांतिकारी गुट ने 9 दिसंबर को जहानाबाद में तहसीलदार को बंदी बना कर सरकारी खजाना लूट लिया था।साहसी जोधा सिंह अटैया को सरकारी कार्यालय लूटने एवं जलाये जाने के कारण अंग्रेजों ने उन्हें डकैत घोषित कर दिया। चार फरवरी 1858 को जोधा सिंह अटैया पर ब्रिगेडियर करथ्यू ने आक्रमण किया लेकिन वो बच निकले। लेकिन जैसा की हमारे कई क्रांतिकारि अपनों की ही मुखबरी का शिकार बने ऐसा ही जोधा सिंह और उनके साथियो के साथ हुआ।

जोधा सिंह 28 अप्रैल 1858 को अपने इक्यावन साथियों के साथ खजुआ लौट रहे थे तभी मुखबिर की सूचना पर कर्नल क्रिस्टाइल की सेना ने उन्हें सभी साथियों सहित बंदी बना लिया और सभी को इस इमली के पेड़ पर एक साथ फांसी दे दी गयी। बर्बरता की चरम सीमा यह रही कि शवों को पेड़ से उतारा भी नहीं गया। कई दिनों तक यह शव इसी पेड़ पर झूलते रहे। चार मई की रात अपने सशस्त्र साथियों के साथ महराज सिंह बावनी इमली आये और शवों को उतारकर शिवराजपुर गंगा घाट में इन नरकंकालों की अंत्येष्टि की।

तभी से यह इमली का पेड़ देश के इन अमर सपूतो की निशानी बन गया। आज भी यहाँ पर शहीद दिवस 28 अप्रेल को और अन्य राष्ट्रीय पर्वो पर लोग पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचते है। (राष्ट्रीय स्तर पर शहीद दिवस 23 मार्च को क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शाहदत कि याद में मनाया जाता है, पर यहाँ पर 28 अप्रेल को भी इन 52 क्रान्तिकारियों की याद में शहीद दिवस मनाते रहे है)।

संक्षिप्त खबरें

नवनिर्वाचित युवा कांग्रेस अध्यक्ष बिलाल शेख को विधायक प्रतिनिधि एवं अध्यक्ष मंसारुल हक ने बुके देकर किया सम्मान

पाकुड़, झारखंड- सोमवार को पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में नवनिर्वाचित युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष, युवा सम्राट बिलाल शेख को जिला कांग्रेस कमेटी के विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद एवं पाकुड़ प्रखंड के 20 सूत्री कार्यक्रम अध्यक्ष मंसारुल हक ने बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नसीम आलम और जलालुद्दीन शेख ने भी उन्हें सम्मानित किया।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष बिलाल शेख ने कहा कि वे युवाओं को हर कठिन परिस्थिति में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे और इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

चार घंटे में लापता युवती को मालपहाड़ी ओपी

पुलिस ने किया बरामद

पाकुड़, झारखंड- पाकुड़ जिले के मालपहाड़ी ओपी थाना क्षेत्र से लापता युवती को थाना प्रभारी अंशु उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मात्र चार घंटे के भीतर बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, 27 अप्रैल 2025 को युवती के पिता ने अपनी 19 वर्षीय पुत्री के लापता होने की सूचना थाना में दी थी। आवेदन प्राप्त होते ही थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छानबीन शुरू कर दी ।

पुलिस की सतर्कता और तत्परता के कारण युवती को महज चार घंटे में सुरक्षित बरामद कर लिया गया और कागजी प्रक्रिया पूरी कर उसे उसके माता-पिता के जिम्मे सुपुर्द कर दिया गया।अपनी पुत्री को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने मालपहाड़ी ओपी पुलिस और थाना प्रभारी का आभार प्रकट किया।

पाकुड़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर आयोजित, 123 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

पाकुड़ झारखंड- सोमवार को पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा, पाकुड़िया और हिरणपुर प्रखंड में आयुष विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। अमड़ापाड़ा प्रखंड के शामपुर और छोटापहाड़पुर आंगनबाड़ी केंद्र, पाकुड़िया प्रखंड के फूलोपानी तथा हिरणपुर प्रखंड के मणिढंगा में आयोजित इन शिविरों में कुल 123 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां मुफ्त में वितरित की गई।

आयुष विभाग से डॉ. मिथलेश सिंह, डॉ. अमरेश कुमार, डॉ. बीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा और डॉ. कुलेश कुमार ने बताया कि शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों के दर्द, गठिया तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न रोगों की जांच की गई। मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी प्रदान की गई।स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ पोषण पखवाड़ा के तहत लोगों को पौष्टिक भोजन, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

जेएनयूएसयू चुनाव 2024-25 में वामपंथी गठबंधन की शानदार जीत, आइसा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल,बिहार। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) 2024-25 के चुनाव परिणाम 28 अप्रैल की सुबह घोषित किए गए, जिसमें ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन (डीएसएफ) के संयुक्त वामपंथी पैनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष तीन प्रमुख पदों पर कब्जा जमाया। बिहार के अररिया जिले के निवासी कामरेड नितीश कुमार ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की, जबकि पटना की रहने वाली कामरेड मुंतहा फातिमा ने महासचिव का पद अपने नाम किया। उपाध्यक्ष पद पर कामरेड मनीषा ने विजय प्राप्त की। चुनाव परिणामों के बाद आइसा कार्यकर्ताओं ने अनुमंडल मुख्यालय स्थित अनूपलाल यादव महाविद्यालय में अबीर लगा कर और जोरदार नारेबाजी करते हुए जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर आइसा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सियोटा ने कहा कि, "वामपंथी छात्र संगठनों ने एक बार फिर जेएनयूएसयू में अपनी नेतृत्व क्षमता को साबित किया है। हालांकि दक्षिणपंथी ताकतों के हमले लगातार जारी हैं। यह चुनाव जेएनयू में हो रहे संरचनात्मक बदलावों, खासकर आरएसएस-बीजेपी समर्थक शिक्षकों की बढ़ती भर्ती, के बड़े संदर्भ में हुआ।"उन्होंने आगे कहा कि एआईएसए और डीएसएफ ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा, जबकि एसएफआई और एआईएसएफ ने अलग गठबंधन बनाया, जिससे वामपंथी वोटों में बिखराव हुआ। इसके बावजूद, छात्र समुदाय ने वामपंथी प्रगतिशील राजनीति को समर्थन दिया।

संतोष कुमार सियोटा ने कहा, "यह जनादेश न केवल नई शिक्षा नीति के खिलाफ है, बल्कि भारतीय संविधान, देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे की रक्षा तथा आरएसएस-बीजेपी-एबीवीपी के सांप्रदायिक फासीवादी एजेंडे के खिलाफ भी है। जेएनयूएसयू, वामपंथी नेतृत्व में, आगे भी फासीवादी ताकतों का मुकाबला करेगा।"कार्यक्रम में आइसा सचिव डॉ. अमित चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार सरदार, रामाशीष कुमार, अभिनंदन कुमार, मनीष, शिव कुमार, अशिफ, नीतीश, अभिषेक जुबेर, पंकज, सत्यम, अमरजीत, शुभम, कपिल, हरिओम, सुमन, अवनीश, महेश, दिलखुश, सौरव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हुसैनाबाद के बराही धाम में भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारी चरम पर

● वीआईपी आगमन को लेकर विधायक व एसडीओ और डीएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात

हुसैनाबाद/पलामू/झारखंड- पलामू जिला के हुसैनाबाद में ऐतिहासिक बराही धाम परिसर में प्रस्तावित 551 फीट ऊंचे मां दुर्गा मंदिर और 151 फीट ऊंचे नवग्रह मंदिर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन आगामी 14 मई को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार को स्थल का उच्चस्तरीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम में स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो, हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह आइपीएस एस. मोहम्मद याकूब, अंचलाधिकारी पंकज कुमार, बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, ज़िप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह तथा शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक रंधीर कुमार सिंह शामिल रहे।

हैलीपैड निर्माण और ड्रोन से निगरानी की योजना

भूमि पूजन समारोह में ड्डढ्ढक्क आगमन की संभावना को देखते हुए अस्थायी हैलीपैड का निर्माण किया जा रहा है। अधिकारियों ने हैलीपैड स्थल का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा की दृष्टि से आयोजन स्थल पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी करने का निर्णय लिया गया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह आइपीएस एस. मोहम्मद याकूब ने बताया कि सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल तैनात रहेगा और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

SDO ने व्यवस्थाओं को लेकर दिए कड़े निर्देश

हुसैनाबाद स्ष्ठह्र गौरांग महतो ने कार्यक्रम स्थल पर यातायात व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधा और साफ-सफाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक ने भव्य आयोजन का दिया भरोसा

विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि बराही धाम में प्रस्तावित मां दुर्गा मंदिर पूरे झारखंड में आस्था का केंद्र बनेगा। भूमि पूजन समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए सरकार और प्रशासन मिलकर काम कर रहा है।

कार्यक्रम सचिव ने दी आयोजन की जानकारी

कार्यक्रम के सचिव आलोक कुमार सिंह और व्यवस्थापक आकाश सिन्हा ने बताया कि भूमि पूजन कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

स्थानीय जनता में जबरदस्त उत्साह

इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर बराही धाम सहित आसपास के क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में अंडर-15 बालिका टी-20 अंतर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, हजारीबाग टीम में बीएसए बरही की 10 खिलाड़ी शामिल

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में अंडर-15 बालिकाओं के लिए टी-20 अंतर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 अप्रैल से हुआ है और यह 8 मई तक चलेगी। टूर्नामेंट के लिए टीमों को तीन ग्रुपों में विभाजित किया गया है।ग्रुप ए में जमशेदपुर, सिमडेगा, लोहरदगा और खूंटी की टीमें शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में हजारीबाग, बोकारो, रांची और पाकुड़ की टीमें रखी गई हैं। ग्रुप सी में धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह, देवघर और गुमला की टीमें खेल रही हैं। ग्रुप ए के मुकाबले धनबाद में, ग्रुप बी के मैच पाकुड़ में और ग्रुप सी के खेल बोकारो में आयोजित हो रहे हैं। टूर्नामेंट के तहत 30 अप्रैल को हजारीबाग और पाकुड़ के बीच, 1 मई को हजारीबाग और रांची के बीच तथा 2 मई को हजारीबाग और बोकारो के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। हजारीबाग टीम की कप्तानी सलोनी कुमारी कर रही हैं। हजारीबाग टीम में बीएसए बरही से दस प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में सलोनी कुमारी (कुंडवा), पिता- छोटन राणा, विद्यालय- मध्य विद्यालय बरही, नंदनी कुमारी (करसो बरही), पिता- धीरेंद्र कुमार, विद्यालय- उत्क्रमित मध्य विद्यालय करसो, तृप्ति गुड़िया (रसोइया धमना), पिता- प्रकाश साव, विद्यालय- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, सृष्टि कुमारी (बरहीडीह), पिता- दीपू प्रजापति, विद्यालय- प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल बरही, सुमन कुमारी गुप्ता (रसोइया धमना), पिता- सुरेंद्र साव, विद्यालय- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, अंशु कुमारी, पिता- वीरेंद्र साव, विद्यालय- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, तानिया कुमारी (हजारी धमना), पिता- धूपनारायण सिंह, विद्यालय- भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही, सृष्टि राज गुप्ता (धमना), पिता- विकास कुमार, विद्यालय- सुरेंद्र लाल जैन हाई स्कूल सिंहरावा, जीविका रानी, पिता- विजय कुमार साव, विद्यालय- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, सपना कुमारी (बरही), पिता- राजू रविदास, विद्यालय- प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल बरही शामिल है। टीम के सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और राज्य का नाम रौशन करने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगी। सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण बीएसए संरक्षक अब्दुल मनान वारसी, कुलदीप कुमार, बसन्त ठाकुर देने का काम किए है। बधाई देने वालो में विधायक मनोज यादव, एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजित कुमार विमल, बीड़ीओ जयपाल महतो, सीओ अमित किस्कू, डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, व्यवसायी संघ अध्यक्ष कपिल केशरी, मनोज केशरी, अध्यक्ष नौशाद अहमद, सचिव बलराम केशरी, धर्मपाल केशरी, अनिल रजक, मनितोष यादव, रामप्रसाद यादव समेत अन्य शामिल हैं।

करोंग्राम में भव्य कलश यात्रा के साथ बाबा धर्मराज मंदिर प्रतिष्ठा समारोह प्रारंभ

स्वतंत्र प्रभात

करों, देवघर, झारखंड- सोमवार को अनुमंडल के करों प्रखंड के धार्मिक गांव करोंग्राम में नवनिर्मित आकर्षक बाबा धर्मराज मंदिर की प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 250 कुमारी कन्याओं ने भाग लिया। साथ ही सालतर, गोविंदपुर, सिरिया, रानीडीह, केन्दवेरिया, डूमरतर, रान्हा, आलमपुर, चौरबेरिया, कमलकर जांत और प्रतापपुर समेत दर्जनों गांवों से सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कलश यात्रा बाबा धर्मराज मंदिर से प्रारंभ होकर दे टोला, मिसिर टोला स्थित बाबा कर्णेश्वर मंदिर, मुदी टोला, बनिया टोला, चंडी मोड़ होते हुए राजा पोखर पहुंची। वहां विधि-विधान के साथ कलशों में जल भरा गया। इस अवसर पर काशी से आए पंडित आचार्य रामानुज, आचार्य मुकुंद पांडेय, आचार्य संतोष पांडेय, दीपक त्रिवेदी, आयुष पांडेय, पंडित कालीदास आचार्य और परेश शर्मा ने कन्याओं से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संकल्प कराया। कलश जल को बाद में विधिपूर्वक बाबा धर्मराज मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु 'धर्म की जय हो', 'अधर्म का नाश हो', 'विश्व का कल्याण हो', 'बाबा धर्मराज की जय' जैसे नारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।इस अवसर पर सामूहिक पूजा-पाठ का आयोजन भी हुआ तथा कन्याओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में सपत्नीक अजय कुमार सिंह, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष विष्णु चौधरी, सचिव महादेव सिंह, कोषाध्यक्ष शरदेन्दु सिंह सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय साप्ताहिक बैठक

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल, बिहार- समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में आज जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय साप्ताहिक सोमवारीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान न्यायालय संबंधी लंबित वादों की समीक्षा, "जनता के दरबार में मुख्यमंत्री" कार्यक्रम, ई-कम्प्लायंस डैशबोर्ड, CPGRAM, जिला जनता दरबार सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लंबित कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करें।बैठक में राशिद कलीम अंसारी, अपर समाहर्त्ता, सुपौल, सुधीर कुमार, उप विकास आयुक्त, सुपौल, विनय कुमार साह, बंदोबस्त पदाधिकारी, सुपौल, सिविल सर्जन सुपौल सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, अवर निबंधक तथा नगर परिषद एवं पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (BSWAN) के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने हेतु तत्परता से कार्य करें और जनता के विश्वास को मजबूत करें।

हेमंतगंज में जमीन विवाद ने ली हिंसक झड़प का रूप, छह लोग घायल, गांव में दहशत

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज बिहार सुपौल- त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के डपरखा वार्ड संख्या-23, हेमंतगंज में सोमवार सुबह करीब दस बजे जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे और फायरिंग के साथ खूनी संघर्ष हुआ, जिससे पूरे गांव में दहशत फैल गई। घटना में छह लोग घायल हो गए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 65 वर्षीय मोहम्मद मुस्तफा आलम को गंभीर स्थिति में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों की पहचान मोहम्मद मुस्तफा आलम (65), मोहम्मद अरमान (13), मोहम्मद शहबाज (18), मोहम्मद अब्दुल वाहिद (16), नासरीन प्रवीण (32) और मोहम्मद फिरोज (34) के रूप में हुई है। सभी एक ही पक्ष के बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार, विवादित 12 कट्ठा जमीन पर मुस्तफा आलम का परिवार पिछले सौ वर्षों से काबिज है। यह जमीन पूर्वजों को मौखिक समझौते के तहत मिली थी। हाल ही में गांव के रमेश भगत ने इस पुराने समझौते को नकारते हुए जमीन पर कब्जे की कोशिश शुरू कर दी थी।

सोमवार को रमेश भगत दर्जनों हथियारबंद लोगों और ट्रैक्टर के साथ खेत जोतने पहुंचे। विरोध करने पर हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने करीब दस राउंड फायरिंग की, हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। सूचना मिलते ही त्रिवेणीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नियंत्रण पाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रमेश भगत की पत्नी और पुत्र को हिरासत में ले लिया है और अन्य अज्ञात हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। एसडीपीओ विपिन कुमार ने बताया कि गोली किसी को नहीं लगी है, सभी घायल मारपीट में हुए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद हेमंतगंज गांव में भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण अब भी सहमे हुए हैं।

नलकूपों की मरम्मती नहीं होने से टोलेवासियों की बढ़ी पेयजल की कठिनाई

● महिलाओं को दूर के टोले से भरना पड़ रहा है जल

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखंड- कड़ी धूप व भीषण गर्मी को देखते हुए उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार ने जिले के सभी पंचायतों में खराब पड़े नलकूपों को पूरी तरह मरम्मत कराने का सख्त निर्देश दिया था। इसके बावजूद पाकुड़िया प्रखंड के डोमनगढ़िया पंचायत के जामसोल ग्राम के चितान टोला में पांच नलकूपों की मरम्मती नहीं होने से महिलाओं की पेयजल की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। बताया जाता है कि प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया से 12 किलोमीटर दूर बंगाल सीमा पर अवस्थित जामसोल गांव के ऊपरी टोले में लगभग 40 संथाल आदिवासी परिवार रहते हैं, और इस टोले में कुल पांच चापाकल लगे हैं। 28 अप्रैल को टोले के लोगों, विशेषकर महिलाओं से पूछने पर उन्होंने बताया कि पांचों नलकूप खराब होने से हम लोगों को पेयजल के लिए बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

टोले की सूरजमुनी मुर्मू और कई अन्य महिलाओं, पागान टुडू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कहा कि सभी पांचों नलकूप खराब हैं। मिनी जल टंकी से भी जलापूर्ति नहीं हो रही है, जिससे समस्या और बढ़ गई है। जब यह पूछा गया कि पानी कैसे लाते हैं, तो महिलाओं ने बताया कि धूप के बावजूद प्रतिदिन दूसरे ग्राम उपरपारकूड़ा गांव और स्कूल टोला से पानी भरकर लाना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि खराब नलकूपों की मरम्मती न तो पंचायत द्वारा कराई गई है और न ही पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने कोई कार्रवाई की है। एक सवाल के जवाब में ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत सचिव भी गांव नहीं आते हैं। बहरहाल, जामसोल गांव के ऊपरी टोले में पेयजल की भीषण समस्या का शीघ्र समाधान किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि लोगों को और अधिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

कटकमदाग प्रखंड में रूआर कार्यक्रम 2025 का भव्य शुभारंभ, शत-प्रतिशत नामांकन और ठहराव का लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- प्रखंड कटकमदाग के सभागार में मंगलवार को रूआर कार्यक्रम 2025 का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवबालक प्रसाद, बीपीओ पंकज कुमार गुप्ता, बीपीएम गौतम कुमार सेन, झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मो. जहांगीर अंसारी तथा अजाप्ता जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह के अध्यक्षीय संबोधन में प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवबालक प्रसाद ने रूआर कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन, उपस्थिति, ठहराव एवं उच्च कक्षाओं में स्थानांतरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह विशेष अभियान 25 अप्रैल से 10 मई 2025 तक सभी विद्यालयों में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बच्चों एवं राज्य का भविष्य उज्जवल बनाया जा सके। बीपीओ पंकज कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में रूआर कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ना है जो किसी कारणवश विद्यालय से बाहर हो गए हैं। रूआर% का अर्थ है फिर से लौटना, और यह कार्यक्रम ऐसे बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इस अवसर पर झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मो जहांगीर अंसारी ने कहा कि अभिवंचित एवं अल्पसंख्यक वर्ग के उन बच्चों को विद्यालय से जोड़ना रूआर कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है, जो अब तक शिक्षा से वंचित रहे हैं। कार्यक्रम में सीआरपी अनुपमा रानी, पंचानन पांडेय, बीआरपी नाज परवीन, रिसोर्स टीचर अरुण कुमार, मनीषा कुमारी, और पीरामल फाउंडेशन से प्रोग्राम लीड शुभम कुमार, गौरव चौधरी, आयुषी वर्मा, नेहा वर्धा सहित क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक नाहिद परवीन, अयूब अंसारी, मनोज सिन्हा, अवध बिहारी गोप, शिव शंकर पाठक, रोहित कुमार, धनंजय कुमार, एहसान मंजर, कमाल अख्तर, मनोज काशी, उमा अग्रवाल, एहतेशाम अरशद आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीआरपी अनुपमा रानी ने किया एवं आगामी 16 दिवसीय गतिविधियों का तिथिवार विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन बीपीओ पंकज कुमार गुप्ता ने किया।

कस्तूरबा विद्यालय बरसोत पहुंचे विधायक प्रतिनिधि, जानी छात्राओं की समस्याएं, छात्राओं ने खेल मैदान की रखी मांग

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- बरही विधायक सह लोक लेखा समिति के चेयरमैन मनोज कुमार यादव के मार्गदर्शन में उनके प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, बरसोत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की वार्डन रौशनी बाड़ा समेत समस्त शिक्षिकाओं व छात्राओं से मुलाकात की और विद्यालय की मूलभूत आवश्यकताओं की जानकारी ली। छात्राओं ने प्रतिनिधि के समक्ष विद्यालय में खेल मैदान की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उनकी इस आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए श्री ठाकुर ने आश्वस्त किया कि छात्राओं की इस मांग को क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव एवं सांसद मनीष जायसवाल के संज्ञान में प्राथमिकता के साथ लाया जाएगा और यथोचित कार्रवाई का प्रयास किया जाएगा। विद्यालय परिवार द्वारा विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर का आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आगामी विद्यालय बैठक में क्षेत्रीय सांसद व विधायक की उपस्थिति सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि विद्यालय की समस्याओं का समाधान त्वरित गति से हो सके।

संक्षिप्त खबरें

रन फॉर यूथ का पूर्व विधायक श्रद्धा यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारम्भ

जौनपुर। ग्राम पंचायत बेनीपुर,थाना नेवढ़िया,ब्लॉक रामपुर, तहसील मड़ियाहू, जौनपुर के आयुष यादव जौनपुरिया व हिमांशु यादव रन फॉर यूथ के तहत बेनीपुर जौनपुर से लखनऊ 300 किलोमीटर दौड़कर जाने के लिए रवाना हुए। रन फॉर यूथ का शुभारंभ पूर्व विधायक माननीय श्रद्धा यादव जी ने हरी झंडी दिखाकर किया तथा सैकड़ो ग्रामीणों ने आयुष यादव को शुभकामनाएं देकर उत्साहित किया। आयुष यादव इससे पहले ढाई सौ किलोमीटर छत्तीसगढ़ चुनार बनारस जौनपुर के बक्सा खेतासराय होते हुए मडियाहू दौड़कर आए थे। आयुष यादव ने बताया कि मैं बेनीपुर से लखनऊ 300 किलोमीटर जाऊंगा और वहां से फिर दौड़ते हुए बिहार जाकर जौनपुर अपने गांव लौटूंगा। आयुष ने बताया कि मैं 4:00 बजे से 8:00 तक सुबह और 4:00 बजे से 8:00 बजे तक शाम को लगातार चार घंटे दौड़ते हुए अपने मंजिल को तय करूंगा। रन फॉर यूथ कार्यक्रम में राजेश यादव जयप्रकाश पिंटू, पंकज यादव, चंद्रशेखर यादव,दीपक यादव, रमेश, मोहन, अनिल यादव, दिनेश यादव,अंग्रेज, कमलेश पटेल,भजन यादव कमला यादव,भीम यादव व सैकड़ो नवयुवक उपस्थित रहे।

पुलिया की रेलिंग क्षतिग्रस्त

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के गौशाला चौराहे के पास से परसा जाने वाली सड़क पर बनी पुलिया की रेलिंग क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इस पुलिया के एक तरफ की रेलिंग करीब तीन वर्ष से टूटकर समाप्त हो गई है। इससे राहगीर आवागमन के समय दुर्घटना के शिकार हो सकते है। इसी रास्ते से बच्चे स्कूल में पढ़ाई के लिए भी आवागमन करते है। कस्बा के काशीनाथ मिश्र, प्रसन्न मिश्र, शिव सागर, राम उजागिर पांडेय आदि ने प्रशासन से पुलिया की रेलिंग निर्माण की मांग की है।

श्रीरामचरितमानस पाठ और भंडारा संपन्न

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार क्षेत्र के घुघुलिया में स्थित श्री दुखी बाबा के स्थान पर सोमवार को श्रीरामचरितमानस पाठ और भंडारा संपन्न हुआ। भंडारा का शुभारंभ समाजसेवी राणा प्रताप सिंह ने प्रसाद वितरण के साथ किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में सुख व समृद्धि आती है और वातारण शुद्ध होता है तथा एक नयी सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। उन्होने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता भी बढ़ती है। इस तरह के आयोजन समाज को एक सुखद संदेश देते हैं। इस अवसर पर संतोष कुमार,राजन, राजकुमार , हेमचंद सिंह आदि रहे।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी विंग का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ संपन्न

लालगंज, रायबरेली- शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवम् विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित शिक्षण संस्थान न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सुरेन्द्र सरस्वती नगर लालगंज रायबरेली में प्री-प्राइमरी विंग का ओरिएंटेशन प्रोग्राम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी व अभिभावकों के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुई। । कार्यक्रम में प्री- प्राइमरी विंग के अभिभावकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिए और अपने बच्चों से संबंधित सभी प्रकार की जानकारियों को साझा करते हुए उनकी प्रगति का अवलोकन किया ।कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय की तरफ से किए जा रहे बच्चों की शिक्षा व्यवस्था, सर्वांगीण विकास के प्रयासों से रूबरू कराया और अभिभावकों से भी उनके सुझाव लिए, बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए विद्यालय के कार्यों में सहयोग करने के लिए आग्रह किया । उक्त कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के समस्त प्री-प्राइमरी विंग की शिक्षिकाओं ने अहम योगदान दिया।

हरि झंडी दिखाकर चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व अधिशासी अधिकारी सना सगीर नें किया कूड़ा वाहनों को रवाना

स्वतंत्र प्रभात

सड़क गली दरवाजे पर न फेंकें कूड़े- चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल।

जौनपुर केराकत।नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व अधिशाषी अधिकारी सना सगीर ने हरी झण्डी दिखाकर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली टीम को कूड़ा वाहनों को समस्त वार्डों में रवाना किया। केराकत नगर पंचायत में आने वाले भवनों दूकानों होटलों अस्पतालों कारखानों से 28 अप्रैल सोमवार से प्रतिदिन डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्यक्रम का शुभारंभ कर दिया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व विशिष्ट अतिथि अधिशासी अधिकारी सना सगीर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पंचायत केराकत को कूड़ा निस्तारण हेतु नगरपंचायत ने एम आर एफ़ सेन्टर पर मशीनें लगवा दीं गई है। अब घर घर से सूखा व गीला कूड़ा उठाने का कार्य अक्षत कार्पोरेट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ की कम्पनी के जिम्मे सौंपा गया है।आगे उन्होंने नें नगर वासियों ने अपील करते हुए कहा कि नगर

को साफ़ सुन्दर बनाये रखने के लिए कूड़े को सड़क गली व दरवाज़े पर न फेंके।कूड़ा सिर्फ कूड़ा गाड़ी में ही फेकने की अपील की है। इन मौके पर गीला व सूखा कूड़ा रखने हेतु अलग अलग डस्टवीन भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्पोरेट के डायरेक्टर ए एस राठौर ने बताया कि अभी वार्डो में लगभग 100 अलग अलग कूड़ा रखने हेतु डस्टवीन चेयरमैन साहेबा द्वारा वितरित किया गया है। और आगे भी वितरण का कार्यक्रम चलता रहेगा।साथ ही नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला नालापार वार्ड में बनें सार्वजनिक शौचालय का भी चेयरमैन एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सभासद फिरोज खॉन, सभासद संजय बाबा, के साथ अन्य वार्डो के सभासद गण उपस्थित रहे।लिपिक अजय कुमार निषाद, कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी, नगर की सम्मानित जनता एवं समस्त सुपरवाइजर मौजूद रहे।कार्पोरेट के मैनेजर मुख्तार अहमद खॉन ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने ग्राम भिस्कुरी जसोवर स्थित ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट वेयरहाउस मासिक (बाह्य निरीक्षण) निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी में तैनात पुलिसकर्मियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक शर्मा, कांग्रेस पार्टी के छोटे खान, कपिल कुमार, समाजवादी पार्टी के नगर महासचिव अनीस खान च दीनानाथ प्रजापति, बहुजन समाज पार्टी के मण्डल उपाध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार अग्रहरि, जिला उपाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी सद्दाम राईन, आम आदमी पार्टी के नगर प्रभारी मनबोध दूबे उपस्थित रहें।

ग्रामीण क्षेत्र के होनहार का उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में चयन होने से क्षेत्र में खुशी

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। ग्रामीणों क्षेत्र के होनहार ने उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में चयन होने से क्षेत्र में खुशी।ग्राम पंचायत पुरैनिया के घन श्याम शुक्ला का उत्तर प्रदेश पुलिस बल में चयन हुआ।विकास खंड रूपईडीह के ग्राम पंचायत पुरैनिया के निवासी घन श्याम शुक्ला का उत्तर प्रदेश पुलिस बल में चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनके इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव को गर्वित किया है।घन श्याम शुक्ला ने अपनी कठिन मेहनत और समर्पण से यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। उनके इस सफलता पर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य श्रवण शुक्ल, डॉ. संजय शुक्ला, सरबस नाथ पांडेय, पूर्व प्रधान राकेश पाण्डेय,दयाराम शुक्ला और मुरलीधर शुक्ला ने खुशी और गर्व का इज़हार किया।स्थानीय लोगों का मानना है कि यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के

लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। घन श्याम शुक्ला की कड़ी मेहनत और संकल्प ने यह साबित कर दिया कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास और समर्पण सबसे महत्वपूर्ण है। घन श्याम शुक्ला ने बताया कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती और हर किसी के पास अपनी मेहनत से सपने साकार करने का मौका होता है। सफलता के पीछे माता पिता व गुरुजनों तथा बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

यूपी बोर्ड परीक्षा में विद्यालय में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

●स्कूल परिवार ने इन बच्चों का दिल खोलकर स्वागत किया – फूलमालाएँ पहनाई गईं और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया।

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा । विद्यालय में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं का जोरदार स्वागत।स्वामी दयाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज आर्य नगर के होनहारों बच्चों के द्वारा यू0पी0वोर्ड परीक्षा 2024-25 में विद्यालय के होनहार ने अपना परचम लहराया। रिजल्ट आते ही स्कूल में खुशी की लहर दौड़ गई। स्कूल परिवार ने इन बच्चों का दिल खोलकर स्वागत किया – फूलमालाएँ पहनाई गई और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया।

12वीं के धुरंधर

कृपाशंकर ने 91.6% अंक पाकर सबसे बाजी मारी। उसके बाद अक्षिता (84.4%),

सचिन यादव (83%), अंजलि जायसवाल (79%), एकता सिंह (78.8%) और लक्ष्मी (78.4%) ने भी शानदार प्रदर्शन किया।आशुतोष मिश्र, आराधना शुक्ला, सूफियान, दिव्यांशी मिश्रा और कविता भारती भी अच्छे अंकों के साथ पास हुए।

10वीं में भी धमाल

हाईस्कूल में शिवम तिवारी ने 91.33% लाकर सबको पीछे छोड़ दिया। अमित कुमार, काजल शुक्ला, सूरज मिश्रा, ऋषभ शुक्ला, सार्थक मिश्रा, प्रियांशु, अमर तिवारी, वन्दना, रवि तिवारी, पूजा चतुर्वेदी, कायनात बानो, अमन मिश्रा और रंजीत मौर्या ने भी शानदार अंक लाकर स्कूल का नाम रोशन किया।विद्यालय प्रबंधक श्री सुधाकर पाण्डेय जी ने अपने हाथों से बच्चों को माल्यार्पण कर मिठाई खिलाई और ढेर सारी शुभकामनाएँ दीं ।प्रधानाचार्य श्री पंकज पाठक जी ने बच्चों और उनके माता-पिता का स्वागत किया और बच्चों का खूब उत्साह बढ़ाया।इस मौके पर शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य श्री ओंकार जी समेत ओमप्रकाश जी, रजनीश जी, शुभम जी, इंद्रजीत जी, शिवप्रकाश जी, हरिश्चंद्र जी, नंदप्रसाद जी और आचार्या बहनें – निशा जी, अनीता जी, नीता जी, स्वाति जी, वंदना जी, पूर्णिमा जी और रोली जी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में खूब गर्मजोशी का माहौल रहा और बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा कर ली जानकारी

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संचारी रोग अभियान जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यो शत प्रतिशत कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विजयपुर में संचारी रोग अभियान के तहत आने वाले इंडीकेटरो के अनुसार शत प्रतिशत कार्य न होने पर खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने क्षेत्रान्तर्गत शत प्रतिशत कार्य कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रो में नालियो की साफ सफाई, फागिंग व झाड़ियो की कटाई आदि कार्य कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने हलिया, गुरूसण्डी के प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि संचारी रोग से सम्बन्धित शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट अंशुल हिन्दल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी0एल0 वर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल, सभी खण्ड विकास अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने हार्डवेयर की दुकान से 80 हजार किए पार

●दुकान में लगें सीसीटीवी कैमरे में घटना हुई कैद

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के चिकमंडी रोड पर हार्डवेयर दुकान में सोमवार दोपहर करीब 2:15 बजे बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने गल्ले का लॉकर तोड़कर 80 हजार रुपये चोरी कर लिए। वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर उपाध्यक्ष कैलाश गुप्ता की बाबा ट्रेडर्स नाम से चिकमंडी रोड पर हार्डवेयर दुकान है। सोमवार को दो युवक ग्राहक बनकर दुकान में आए। एक युवक ने एमसील मांगी और खरीदारी के बाद दुकानदार से बकाया राशि वापस ली। इसी बीच दूसरे युवक ने मोटे सूत की सरिया दिखाने को कहा। दुकानदार लॉकर बंद कर युवक को सरिया दिखाने के लिए दुकान के पीछे उसे गोदाम ले गया। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर दूसरा युवक पेचकस से लॉकर तोड़कर उसमें रखे 80 हजार रुपये निकाल लिए और दुकान से दूर जाकर खड़ा हो गया। जब तक दुकानदार गोदाम से निकलकर गल्ले तक पहुंचता दूसरा युवक दूर खड़े अपने साथी की बाइक पर जा बैठा। पीड़ित ने बताया कि दोनों बदमाश बेहटा चौराहा की ओर भाग निकले। घटना की सूचना पर पहुंचे व्यापारियों ने घटना पर नाराजगी जताई। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच जारी है।

रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हुए बाइक सवार बदमाश

सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर के पास चिक मंडी रोड पर रविवार देर शाम बाइक सवार तीन बदमाश एक व्यक्ति से रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में जुट गई है। मैदेमऊ गांव निवासी अमर बहादुर सिंह के बेटे सुधांशु उर्फ हनी का तिलकोत्सव बेहटा चौराहा स्थित एक गेस्ट हाउस में हो रहा था। इसी दौरान कार्यक्रम में मौजूद पुरोहित के कहने पर अमर बहादुर सिंह कपूर लेने गेस्ट हाउस से बाहर निकले। जैसे ही वह पास की दुकान की ओर बढ़े, पीछे से आए बाइक सवार तीन बदमाश उनका बैग छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित का दावा है कि बैग में डेढ़ लाख से अधिक रुपए रखे थे। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न, आतंकी हमले में दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा रहे। श्री मिश्रा ने जौनपुर आगमन के उपरांत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों की स्मृति में आयोजित शोक सभा में प्रतिभाग कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किया इसके पश्चात आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद प्रत्येक पीड़ित पत्रकार के साथ मजबूती के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित पत्रकारों के सुख-दुख में सहभागिता निभाना है, चाहे वह परिषद से संबद्ध हो अथवा नहीं।

श्री मिश्रा 28 अप्रैल, सोमवार को लखनऊ से प्रस्थान कर जौनपुर पहुंचे, जहां वाजिदपुर तिराहे पर उनका भव्य स्वागत संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न अखबारों और चैनल के पत्रकारों के साथ साथ समाज के अलग अलग क्षेत्र में अपने सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान देने वाले

गण मान्य लोगों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्रम दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश भक्ति गीत से राहुल गुप्ता ने एक अलग शमा बांधी,कार्यक्रम का सफल संचालन सलमान शेख़ ने किया कार्यक्रम के अंत में परिषद के जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन की प्रतिबद्धताओं को पुनः दोहराया।इस मौके पर मुख्य रूप से रियाजुल हक, विशाल सोनी, आफताब आलम, जितेंद्र बहादुर उर्फ संजय सिंह,इज़हार हुसैन, मोहम्मद हारून, डॉ.इम्तियाज़ अहमद, रवि केशरी, सोनू गुप्ता, मो.अल्ताफ़, अभिषेक पटेल, हिमांशु विश्वकर्मा, गंगेश निगम,राहुल गुप्ता, रवि सिन्हा,संजय सिंह, कलीम सिद्दीकी, अनवर हुसैन, कपिल देव सिंह, संतोष कुमार, कोमल यादव, राजेश गौतम, अमित तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, शशिकांत मौर्य, सिकंदर, मोश्र हारून, आबिश इमाम, असलम खान आदि मौजूद रहे।

गोद लिए गए 111 टीबी मरीज को ठाकुरबाड़ी ने बांटी पोषण पोटली

● सभी की नि- शुल्क स्वास्थ्य और शुगर जांच, कई मरीजों का बढ़ा वजन

गर्मी और लू के इस मौसम में टीबी मरीजों को विशेष ख्याल रखने की जरूरत- डी.टी.ओ.डॉ. विशाल सिंह यादव

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर सिंगरामऊ सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के गौरीशंकर मंदिर स्थित मुख्यालय पर सोमवार को संस्था की ओर से गोद लिए गए 111 टीबी मरीजों को डी.टी.ओ विशाल सिंह यादव एवं संस्था प्रमुख डॉ. अंजू सिंह के हाथों पोषाहार वितरित किया गया। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जनवरी में गोद लिए गए 58 मरीज को तीसरी बार तथा फरवरी में गोद लिए गए 53 मरीजों को दूसरी बार पोषाहार बांटा गया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. विशाल सिंह यादव ने बताया कि जनपद में 298 ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित किया गया है।

जनपद में इस वर्ष 6.70 लाख लोगों की जांच होनी है और 9818 रोगी खोजने का लक्ष्य है। उन्होंने ने अपने गांव को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी से अपील की। साथ ही साथ संस्था द्वारा की लगातार विगत कई वर्षों से गोद लेकर टीबी मरीजों को पोषाहार किट वितरण एवं इनका फॉलो आप करते रहने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि गर्मी और लू के इस मौसम में टीबी मरीजों को विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है। डिहाइड्रेशन की समस्या से बचने के लिए ज्यादा मात्रा में पानी,मौसमी फल और धूप से बचाव की सलाह दी। साथ ही साथ गर्मी से होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी। जिला कार्यक्रम समन्वयक सलिल यादव ने एन.टी.ई.पी. कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में प्रकाश डाला

संस्था प्रमुख डॉ. अंजू सिंह ने कहा कि गर्मी के मौसम में वायु प्रदूषण और एलर्जी की समस्या बढ़ सकती हैं, जिससे फेफड़ों में सूजन तथा अन्य सांस की बीमारियों का खतरा हो सकता है। उन्होंने इसके प्रति लोगों को सावधान

किया। मलेरिया से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनने, मच्छरदानी और मच्छररोधी क्रीम लगाने, घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देने की सलाह दी। इस अवसर पर टीबी मरीजों का वजन लिया गया और स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की गई। जांच में कई मरीजों के वजन में बढ़ोतरी दिखी। सभी मरीजों का शुगर का भी निःशुल्क जांच कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित करके किया जिसके बाद सरस्वती वंदना और स्वागत गीत कंचन ने प्रस्तुत किया। संचालन सत्यजीत मौर्य ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अजय तिवारी, सी.एल. निगम, नितिन, लालमनि मिश्रा, नेहा सिंह, मंजू सिंह, सौम्या सिंह, सत्यजीत मौर्य, जबीं, सद्दाम के साथ ही गोद लिए गए टीबी मरीज उपस्थित रहे।

खाद्य आयुक्त ने गेहूँ क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण

● किसानों से अधिक से अधिक गेहूँ क्रय किया जाए- खाद्य आयुक्त

सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाले कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई शिथिलता न बरतें- खाद्य आयुक्त

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली- खाद्य आयुक्त उ0प्र0 भूपेन्द्र सिंह चौधरी द्वारा गेहूँ क्रय केन्द्र बन्नावां, कसरवां, बछरावां आदि का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम उन्होंने गेहूँ क्रय केन्द्र बन्नावा का निरीक्षण किया जहां पर 290 कुंटल गेहूँ खरीद की गयी जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए केन्द्र प्रभारी को कड़े निर्देश दिये कि किसानों से गेहूँ खरीद बढ़ायी जाये और लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति सुनिश्चित करायी जाये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिये कि प्रतिदिन सभी केन्द्र प्रभारी अपने अपने केन्द्रों में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष गेहूँ की खरीद सुनिश्चित करायें। गेहूँ क्रय केंद्र पर खरीद कार्य पूरी सतर्कता के साथ ही निरीक्षण व प्रभावी तरीके से संचालन किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने अधिकारी से कहा कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर अपनी उपज बेचने में किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हों। किसी भी दशा में गेहूँ क्रय केन्द्रों पर दलाल व बिचौलियां, किसान विरोधी आदि असामाजिक तत्व न दिखाई पड़े। किसानों से गेहूँ खरीद में कोई विलम्ब नही होना चाहिए तथा किसानों को उपज का मूल्य का भुगतान समय से उनके खातों में हस्तातरित हो जाना चाहिए। गेहूँ क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा गेहूँ की खरीद के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

खाद्य आयुक्त ने केंद्र पर आए किसानों से भी गेहूँ खरीद व अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जाना तथा उनके प्रपत्रों को भी देखा। उन्होंने निर्देश दिये कि नमी मापक यंत्र, बोरे, इलेक्ट्रॉनिक कांटा आदि व्यवस्थाए दुरुस्त रखा जाए। गेहूँ क्रय केंद्र पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखते हुए केन्द्रों पर किसानों से अधिक से अधिक नियमानुसार गेहूँ की खरीद की जाए। गेहूँ क्रय केन्द्रों निरीक्षण के दौरान खाद्य आयुक्त ने उपस्थित केन्द्र प्रभारी से रजिस्ट्रेशन फॉर्म व खरीदे गये गेहूँ को देखा तथा नमी मापक यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक कांटा बोरे आदि व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा समुचित व्यवस्थओं को दुरुस्त कराने के लिये निर्देश दिये। खाद्य आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन द्वारा निर्धारित गेहूँ समर्थन मूल्य के अनुसार ही किसानों से ज्यादा से ज्यादा गेहूँ क्रय किया जाए एवं केंद्रों पर समुचित व्यवस्थाए आदि दुरुस्त रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता न बरती जाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हवन यज्ञ और भंडारे के साथ हुआ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। शिवगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत भवानीगढ़, देहली में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का विश्व शांति एवं सर्व कल्याण की कामना के साथ बड़े ही धूमधाम के साथ समापन हुआ। भागवत कथा के समापन पर हवन यज्ञ और विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। भंडारे में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने जयकारे भी लगाए श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा पांडाल गुंजायमान हो गया। आपको बता दें कि, यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा समेत गांव के लोगो ने हवन किया। हवन के दौरान कथा व्यास पंडित वागीश रामचंद्र दास ने कहा कि, आत्मा को जन्म व मृत्यु के बंधन से मुक्त कराने के लिए भक्ति मार्ग से जुड़कर सत्कर्म करना होगा। हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है। दुर्गुणों की बजाय सद्गुणों के द्वार खुलते हैं। यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं। भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता

है। श्रीमद भागवत से जीव में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं। इसके श्रवण मात्र से व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं। विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है। कथावाचक पंडित वागीश रामचंद्र दास ने भंडारे के प्रसाद का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि, प्रसाद तीन अक्षर से मिलकर बना है। पहला प्र का अर्थ प्रभु, दूसरा सा का अर्थ साक्षात व तीसरा द का अर्थ होता है दर्शन। जिसे हम सब प्रसाद कहते हैं। हर कथा या अनुष्ठान का तत्वसार होता है जो मन बुद्धि व चित को निर्मल कर देता है। मनुष्य का शरीर भी भगवान का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है। भगवान का लगाए गए भोग का बचा हुआ शेष भाग मनुष्यों के लिए प्रसाद बन जाता है। कथा का समापन सोमवार को विधिविधान से पूजा आरती पाठ कर यज्ञशाला में दोपहर तक हवन किया गया। तत्पश्चात भंडारे का प्रसाद वितरित हुआ जो प्रभु की इच्छा तक चलता रहा। महराजगंज क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा के रहने वाले आनंद मिश्रा ने बताया कि, हर दूसरे महीने अलग-अलग स्थानों पर उनके द्वारा संकल्पित श्रीमद् भागवत कथाओं का आयोजन किया किया जा रहा है, यह उनके द्वारा आयोजित पांचवी श्रीमद् भागवत कथा है, जिसका समापन बड़े ही विधिविधान से हवन पूजन एवं भंडारे के साथ संपन्न हुआ।

इस मौके पर यज्ञशाला प्रमुख आचार्य पंडित योगेंद्र त्रिपाठी, परिचायक अमरेश शुक्ला, आकाश मिश्रा, मुख्य यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा सहित, सुमित मिश्रा,रुद्रेश मिश्रा, पंकज मिश्रा, रामानुज मिश्रा, कनिक मिश्रा, अमित मिश्रा, आकाश मिश्रा, विकाश मिश्रा, कृष्ण मिश्रा, हर्षित मिश्रा, अरुण तिवारी, अनूप अवस्थी, सुभाष मिश्रा, अरविंद सिंह, विवेक मिश्रा, जितेंद्र सिंह, रागेन्द्र सिंह, रामू त्यागी सहित बड़ी तादात में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण हटाने जेसीबी लेकर निकलीं मेयर प्रमिला पांडेय

मेयर ने कानपुर वासियों से अपील की है के नाली से अतिक्रमण हटा लें

कानपुर। कानपुर नगर में नगर निगम द्वारा आज से अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरुआत हो गई है। कानपुर नगर निगम की मेयर प्रमिला पांडेय आज जेसीबी मशीन के साथ पुलिस फोर्स, नगर निगम के कर्मचारियों के साथ शहर में निकालीं। कुछ समय पहले कानपुर नगर निगम की मेयर प्रमिला पांडेय ने खुली जीप में नगर के सभी क्षेत्रों में जनता से हाथ जोड़कर अपील की थी कि वे अपने आप अतिक्रमण हटा लें। नहीं तो नगर निगम बाद में समय नहीं देगा। आज शहर के सभी 6 जोन में 18 जगहों पर आज से नाली नालों के ऊपर से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। सीसामऊ नाला बकरमंडी में आज मौके पर खड़े होकर मेयर प्रमिला पांडेय ने अतिक्रमण को हटवाया है। मेयर प्रमिला पांडेय ने सभी शहरवासियों से हाथ जोड़कर अपील है कि कृपया नाली नालों के ऊपर से अतिक्रमण को स्वयं हटा दें जिससे बरसात में नालों की सफाई हो सके।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने की जनसुनवाई

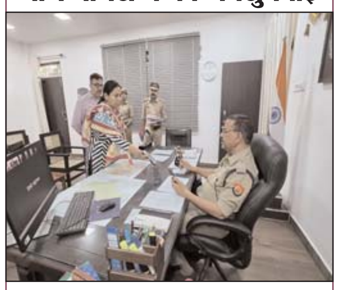

कानपुर। आज दिनांक 28.04.2025 को पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा अपने कार्यालय पर जन-सुनवाई की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने जन-सुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना और उनके समाधान हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे इन समस्याओं को समयबद्ध तरीके से हल करें। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा शिकायतों के निस्तारण में देरी न हो, इसके लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे त्वरित कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी दें। आगंतुकों और पीड़ितों से सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए और बैठने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। सभी फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक और धैर्यपूर्वक सुना जाए व शीघ्र निस्तारण किया जाए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा स्थानीय स्तर पर बार-बार आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाने को कहा गया।

कमरौली पुलिस द्वारा 01 अदद तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

कमरौली अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी हरेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कमरौली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सोहराब पुत्र मोहम्मद वशी उर्फ बब्बू निवासी मंगरौरा थाना कमरौली जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को सिन्दुरवा मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

इंस्पेक्टर प्रदीप की गहन जांच पर निर्भर गोविंद नगर के राजेश आत्महत्या मामले में कार्रवाई - हिरासत में आरोपी

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। यहां गोविंद नगर के बहुचर्चित राजेश यादव आत्महत्या मामले में सुसाइड नोट और गहन छानबीन से निकले नतीजे के आधार पर आरोपी विनोद यादव को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ शुरू की है, जिसके आधार पर ही अगली कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मामले में मृतक के भाई द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की जानकारी देते हुए मामले में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे गोविंद नगर के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने घटना का विवरण देते हुए बताया कि 36 साल के राजेश यादव ने नहर पटरी विवेकानंद नगर दादानगर थाना गोविन्द नगर पर अपने घर के एक कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक मृतक राजेश की मृत्यु लटकने के कारण हुई है। मामले की गहन छानबीन के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाने की जानकारी देते हुए गोविंद नगर के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मृतक राजेश यादव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ था, जिसमें किसी विनोद यादव नाम के व्यक्ति का ज़िक्र था जिससे पैसे के लेन देन का विवाद होने के कारण परेशान करना अंकित किया गया था, जिसके फलस्वरूप मृतक द्वारा कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या की गई है।

अपने गोविंद नगर की अब तक के कार्यकाल में छोटी बड़ी सभी घटनाओं की सटीक खुलासे के साथ ही संबंधित अपराधियों को भी जेल भेज चुके इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह ने बताया कि मृतक के बड़े भाई अवधेश के अनुसार मृतक राजेश यादव छोटा मोटा कंस्ट्रक्शन का कार्य करता था। मृतक के

भाई अवधेश की तहरीर पर आरोपी आरोपी विनोद यादव पुत्र सूर्यवीर यादव निवासी टीकर माफ़ी अमेठी हॉल बगाही भट्ठा बाकरगंज बाबूपुरवा को अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछतांछ किए जाने की जानकारी देते हुए गोविंद नगर के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी कला का पुरवा गॉब में प्लॉट ले रखा है। उसी प्लॉट में कंस्ट्रक्शन का काम मृतक राजेश यादव द्वारा आरोपी से ठेके पर लेकर निर्माण किया जा रहा है। उसी के संबंध में लेन देन हुआ था। गोविंद नगर के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को विरासत में लेकर की जा रही गहन पूछताछ जांच पड़ताल से निकले नतीजे के आधार पर ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

दोनों कानों से नहीं देता था बहू को, डीएम ने की इलाज की व्यवस्था, ससुर बोला धन्यवाद डीएम साहब

● प्राइवेट अस्पताल ने चालू किया बृजेश की बहू रमिता का इलाज

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान हरदेव नगर, बर्रा निवासी बृजेश कुमार ने अपनी बहू रमिता कुमारी के इलाज़ के संबंध में जिलाधिकारी के समक्ष गुहार लगाई। प्रार्थी का कहना है कि मूलतः बिहार की रहने वाली उनकी बहू को दोनों कानों से सुनाई नहीं देता है तथा उन्होंने 8 महीने से कई सरकारी अस्पतालों की दौड़ लगाई परंतु उनके बहू की समस्या का हल नहीं निकाला जा सका। उन्होंने प्रार्थी ने यह भी कहा कि सरकारी अस्पताल वाले प्रार्थी को इलाज करने के बजाय किसी प्राइवेट संस्थान में इलाज कराने की बात कही।

इस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए दूरभाष पर एक निजी चिकित्सालय के डायरेक्टर से बात करके रमिता की समस्या का निवारण करने की गुजारिश की। इस पर डायरेक्टर ने सहमति व्यक्त करते हुए प्रार्थी को अपने हॉस्पिटल में बुलाया और उसका इलाज निशुल्क करना प्रारम्भ कर दिया। रमिता के ससुर बृजेश ने बताया कि मेरी बहू दोनों कानों से नहीं सुन सकती है इसलिए मैं और मेरा परिवार इस बात के लिए कई महीनो से चिंतित और प्रयासरत थे और आज जिलाधिकारी को समस्या बताते ही उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर हमारी मदद की, जिसके लिए हम उन्हें आभार व्यक्त करते हैं।

ऑपरेशन त्रिनेत्र फिर बना मददगार, थाना सजेती पुलिस द्वारा बिछड़े दो बच्चों को परिवार से मिलाया गया

● थाना सजेती पुलिस की हर तरफ हो रही जमकर तारीफ

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कमिश्नरेट में अपहृताओं, गुमशुदाओं की सकुशल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान आपरेशन तलाश के तहत आज दिनांक दौराने गश्त, सुबह यमुना पुल के पास थाना क्षेत्र सजेती में पीआरवी / डायल 112 को दो बालक यमुना पुल के पास हाइवे किनारे भटकते हुये मिले जिन्हें पीआरवी द्वारा थाना सजेती पर लाकर बैठाया गया तथा दोनों बालकों से उनके परिजनों के बारे में पूंछताछ की गयी। नाम, पता पूंछा गया तो उन्होने अपने नाम आशी उम्र 2.5 वर्ष व शिवांस उम्र 3 वर्ष बताया तथा माता पिता के नाम किरन व अनिल बताया। गांव का नाम पूंछा गया तो नहीं

बता पा रहे थे। उक्त दोनों बच्चे अपने घर से खेलते हुए भटककर यमुना पुल के पास पहुंच गये थे जिन्हें थानाध्यक्ष सजेती द्वारा त्वरित संज्ञान में लेकर कार्यवाही करते हुये टीम गठित की गयी तथा सोशल मीडिया व चौकी व हल्का प्रभारियों के माध्यम से उनके सम्बन्धित गांव व मजरों में ग्राम प्रधानों व सम्भ्रान्त व्यक्तियों को सूचना दिलाते हुये बच्चों की फोटो दिखाते हुये परिजनों की तलाश करायी गयी। ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत थाना क्षेत्र में लगाये गये सीसीटीवी कैमरों की मदद से थाना सजेती पुलिस द्वारा उक्त दोनों बालकों के परिजनों को ढूंढ निकाला जो ग्राम बगरिया के रहने वाले आशीष कुमार यादव की पुत्री आशी व अनिल यादव का पुत्र शिवांस होना पाया गया जो अपने बाबा प्रभूदयाल की दुकान से खेलते हुये रास्ता भटककर हाइवे पर यमुना नदी किनारे आ गये थे। दोनों मासूमों को जब उनके परिजनों के सकुशल सुपुर्द किया गया। तो उनके परिजनों द्वारा अपनी खुशी जाहिर करते हुये थाना सजेती पुलिस की हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा बीट पुस्तिकाओं का अवलोकन कर दिये गये आवश्यक आदेश निर्देश

अमेठी। पुलिस कार्यालय गौरीगंज में पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा बीट कार्य प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु प्रतिदिन पुलिस कार्यालय में प्रत्येक थाने से एक-एक बीट मुख्य आरक्षी व आरक्षी को बुलाकर उनकी बीट बुक का अवलोकन किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त थानों से आये बीट आरक्षियों की बीट बुक को चेक कर बीट प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित रूप से अपने-अपने बीट में भ्रमण करने, हिस्ट्रीशीटरों, क्षेत्र के अपराधियों की प्रभावी निगरानी, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, सम्भ्रान्त व्यक्तियों व पुलिस मित्र से समन्वय स्थापित करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने आदि के संबंध में आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए।

नगर पालिका परिषद में नालियों की साफ-सफाई, फागिंग, स्ट्रीट लाईट मरम्मत के हो रहे है कार्य

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि सदर बाजार वार्ड में संचारी रोग के मद्देनजर विशेष अभियान चलाकर मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण एवं बचाव हेतु नाला गैंग के माध्यम से नालियों की साफ सफाई कार्य कराते हुये सिल्ट आदि का निस्तारण कार्य कराया गया। साथ ही नालियों के आस-पास उगी वनस्पतियों की कटाई भी करायी गयी एवं साथ ही हर्बीसाइड का छिड़काव कर घासों, झाड़ियों को नष्ट कराया जा रहा है तथा नालियों में एण्टी लार्वा का भी छिड़काव कराया जा रहा है। पालिका द्वारा समस्त वार्डो में 02 बड़ी मशीनों और 03 छोटी फागिंग मशीनों के माध्यम से रोस्टर के

अनुसार प्रति वार्ड 05 दिवस के अन्तराल पर फागिंग कराया जाता है। प्रकाश व्यवस्था के अन्तर्गत नगर के समस्त 25 वार्डो एवं मुख्य मार्गो में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराते हुये प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। शासन के निर्देश के क्रम में निकाय क्षेत्रान्तर्गत बैनर व होर्डिंग हटाये जाने का कार्य लगातार किया जा रहा है तथा पालिका क्षेत्रान्तर्गत सार्वजनिक सड़क व नाले नालियों पर रेहड़ी पटरी व गुमटी-ठेला आदि से किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने हेतु लगातार पालिका द्वारा अनाउन्समेन्ट कराया जा रहा है।

बस डंफर की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत, 27 यात्री घायल, चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर देहात। कानपुर देहात में बस-डंफर की टक्कर से 27 यात्री घायल हो गए, जब कि एक यात्री की मौत हो गई। कानपुर देहात के रनियां थाना क्षेत्र के मंटोरा पुल पर यह बड़ा सड़क हादसा हो गया। आगरा से वाराणसी जा रही यात्री बस डंपर से टकरा गई। हादसे में 27 यात्री घायल हो गए, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। कानपुर देहात के रनियां थाना क्षेत्र के मंटोरा पुल पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। सोमवार तड़के करीब साढ़े 12 बजे आगरा से वाराणसी जा रही यात्री बस जैसे ही मंटोरा पुल के पास पहुंची, तभी चालक को झपकी आ गई। जिससे बस अनियंत्रित हो गई। पुल पर चढ़ते समय बस सामने चल रहे डंपर से भिड़ गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो

गया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को जिला अस्पताल अकबरपुर भेजा। जहां इलाज के दौरान आगरा निवासी 60 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद की मौत हो गई। आठ गंभीर घायलों को हैलट अस्पताल, कानपुर नगर रेफर किया गया है। 27 घायलों की पहचान घायलों में शिवराज सिंह, नरेश कुमार पारस, जगबीर सिंह (बस चालक), मोहम्मद शमीम, समीर खान, लुकैया खातून, मुकेश सिंह, संदीप कुमार, धर्मेंद्र कुमार दीक्षित, ब्रह्मानंद शर्मा, शमां बेगम, अलसफा, भूपेंद्र सिंह (बस परिचालक), सभापति, प्रमोद, मीना देवी, गौरव शर्मा, अनिल (बस परिचालक), मोहम्मद इम्तिसान, इम्तियाज़, आयन, संजीव कुमार, दिनेश चौहान, नरसिंह यादव, मिस्वा, कन्हैया लाल और रंजीत सिंह शामिल हैं। सभी का प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल में किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने पहुंचकर जाना हालचाल पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया और मुख्य चिकित्साधिकारी को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्राथमिक जांच में चालक को नींद आने के चलते हादसा होना सामने आया है। बस और डंपर को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कल्यानपुर पुलिस द्वारा हत्या के आरोपी को किया गया गिरफ्तार

● कल इलाज के दौरान घायल युवक सुमित की इलाज को दौरान हुई थी मौत

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। 24.04.2025 को वादी मुकदमा आकाश कुमार पुत्र गुलशन निवासी नानकारी थाना कल्यानपुर कानपुर नगर ने सूचना दी कि मेरे चचेरे भाई सुमित पुत्र अमित कुमार उम्र 17 वर्ष निवासी नानकारी थाना कल्यानपुर कानपुर नगर को बाइक तेज चलाने को लेकर मेरे मोहल्ले के गुड्डू व उनके रिश्तेदारों द्वारा जान से मारने की नियत से सिर पर लोहे की रोड़ मार दी। गम्भीर चोट आने के कारण हास्पीटल में भर्ती

कराया गया है। सूचना के आधार पर थाना कल्यानपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रभारी निरीक्षक कल्यानपुर द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गयी। प्रभारी निरीक्षक कल्यानपुर द्वारा गठित टीम ने दविश देकर अभियुक्त गुड्डू पुत्र अजीतलाल निवासी नानकारी बगिया आईआईटी कल्याणपुर थाना कल्याणपुर कानपुर नगर उम्र करीब 35 वर्ष को एलिम्को क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गुड्डू पुत्र अजीतलाल उपरोक्त द्वारा मृतक सुमित

पुत्र अमित कुमार निवासी नानकारी थाना कल्यानपुर कानपुर नगर के साथ मोटर साइकिल तेज चलाने को लेकर दिनांक 24.04.2025 को विवाद किया गया जिसमें अभियुक्त गुड्डू पुत्र अजीतलाल द्वारा अपने सह अभियुक्तों के साथ मिलकर मारपीट करते हुए मृतक सुमित के सिर पर लोहे की राड से जान से मारने की नियत से प्रहार किये। सिर में गम्भीर चोटें आने के कारण मृतक सुमित की इलाज के दौरान दिनांक 27.04.2025 को मृत्यु हो गयी।

बस्ती जलने के चार दिन बाद भी पीड़ितों को कोई सहायता नहीं मिली

●खुले आसमान के नीचे जीवन निर्वाह करने वाले दाने-दाने को मोहताज

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के महदहा गांव में 24 अप्रैल को वर्मा बस्ती में अचानक आग लग गई।दिन में लगी आग तेज हवा के कारण उत्तरोत्तर बढ़ती चली गई और कई घरों को अपने आगोश में लपेट लिया जिससे करीब 15 लोगों के आवासीय छप्पर देखते ही देखते जलकर राख हो गए। उसमें रखा पूरा गृहस्थी का सामान खाने पीने की वस्तुओं सहित संपूर्ण घर जल गया था। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने 24 घंटे के अंदर सरकारी सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया था,लेकिन चार दिन बाद भी लोगों को एक तोला अनाज नहीं मिला और ना ही कोई सहायता मिली। पीड़ित किसी तरह खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

पीड़ित उषा देवी इंद्रमणि वर्मा लालमणि वर्मा जीत लाल वर्मा हरीलाल अमर बहादुर संजय राम लखन राजमणि आदि लोगों ने सोमवार को एसडीएम पट्टी तनवीर अहमद को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई कि उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए अन्यथा सभी भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। उप जिला अधिकारी ने क्षेत्रीय लेखपाल से संपर्क किया तो उसने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है अधिकांश लोगों के पास कोई दूसरा आवास नहीं है। उन्होंने तत्काल रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देश दिया। उषा देवी ने रोते हुए बताया कि अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं घटना के बाद से कोई भी मौके पर नहीं गया। बड़ी कठिनाई पूर्वक जीवन बिताना पड़ रहा है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक अब 30 अप्रैल को

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक 28 अप्रैल को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होनी थी, लेकिन यह बैठक कतिपय कारणों से अब 30 अप्रैल को

सायंकाल 5 बजे कैम्प कार्यालय में आयोजित की जायेगी।

गायत्री महायज्ञ शांति और समृद्धि को बढ़ावा देता है - सरयू प्रसाद

पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, 251 दीप यज्ञ का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

शुकुल बाजार अमेठी। राष्ट्र कल्याण की भावना एवं मानव में देवत्व के उदय की कल्पना के साथ कस्बा निवासी गायत्री परिवार के भाई ध्रुवकेश शर्मा के मुख्य यजमानत्व में आयोजित 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ व 251 दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। महायज्ञ में टोली नायक सरयू प्रसाद ने अपने बौद्धिक में परिजनों से बताया कि यज्ञ विधान से मानव में पंचतत्व का समागम होता है जिससे धीरे-धीरे व्यक्ति देवत्व की ओर बढ़ता है और इसी से सभी का कल्याण होता है महायज्ञ के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति दी। संध्या में 251 दिए दीप यज्ञ आयोजित हुआ।

महायज्ञ में सुल्तानपुर से पधारे टोली नायक सरजू प्रसाद वान प्रस्ती ने आगे कहा कि हमारा जीवन दीपक की तरह प्रकाशमान होना चाहिए स्वाध्याय, सत्संग और सेवा के माध्यम से मानव महामानव बन जाता है। यज्ञ से मनुष्य का जीवन महान बनता है। वह अपने जीवन में ऊंचाइयों को ग्रहण करता है हवन के साथ विविध संस्कार बताए गए, बताते चलें गायत्री महायज्ञ एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें गायत्री मंत्र का जप और हवन किया जाता है। यह अनुष्ठान विभिन्न अवसरों पर आयोजित किया जाता है, जैसे कि विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक समारोह, या व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास के लिए।

गायत्री महायज्ञ आध्यात्मिक विकास के लिए एक शक्तिशाली साधन है, जो व्यक्ति को आत्म-साक्षात्कार और मोक्ष की ओर ले जाता है। यह अनुष्ठान नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद करता है। गायत्री महायज्ञ शांति और समृद्धि को बढ़ावा देता है, और व्यक्ति के जीवन में सुख-

शांति और समृद्धि लाने में मदद करता है। गायत्री महायज्ञ का आयोजन पंडितों द्वारा किया जाता है, जो वेदों और शास्त्रों के अनुसार अनुष्ठान करते हैं।इस अनुष्ठान में गायत्री मंत्र का जप किया जाता है, जो एक शक्तिशाली मंत्र है जो व्यक्ति को आध्यात्मिक विकास की ओर ले जाता है।गायत्री महायज्ञ में हवन किया जाता है, जो नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद करता है। यज्ञ विधान को संपन्न कराने में दिनेश कुमार वर्मा, उमेश चंद्र विश्वकर्मा, राजेश वर्मा गायत्री परिवार के ब्लाक समन्वयक अशोक शर्मा ,भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ल, दिलीप बनर्जी, धर्मेंद्र पाठक, सोनू पाठक, विंध्या प्रसाद सहित गायत्री परिवार व श्रद्धालु जन उपस्थित रहें।

रीशू सिंह के शानदार प्रदर्शन से सन्यासी बाबा टीम ने जीता मैच

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट – ग्रामीण अंचलों में खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दूधाधारी क्रिकेट ऐसोसिएट खण्डेहा एवं खण्डेहा विकास समिति द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जीत हासिल करने के लिए खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। मऊ तहसील के खण्डेहा गांव में बीती दो अप्रैल से क्षेत्रीय ग्रामीण क्रिकेट

प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। जिसमें सोमवार को चित्रकूट प्रेस क्लब के अध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी और उद्योगपति बृजेश त्रिपाठी ने मैच का शुभारम्भ कराया। सन्यासी बाबा स्पोर्टिंग क्लब और महादेव स्पोर्टिंग क्लब के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। जिसमें रीशू सिंह के शानदार प्रदर्शन के बल पर सन्यासी बाबा स्पोर्टिंग क्लब ने जीत हासिल की। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए रीशू सिंह को मैन ऑफ का मैच का खिताब दिया गया। आयोजक अल्पनारायण पाण्डेय (रामू) और हीरालाल वर्मा ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा ले रहीं है। जिसमें प्रत्येक मैच 12-12 ओवर का होता है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार रामबहोरी केशरवानी, राजेन्द्र शुक्ला नेता, राजेन्द्र बलुआ, वेद प्रकाश शुक्ला आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

10 में से 6 दुकानदारों पर ही मिला तम्बाकू बेचने का लाइसेंस

–जुर्माना लगाने के बाद चेतावनी देकर छोडा, आगे होगी कडी कार्यवाही

बिना लाइसेंस तम्बाकू उत्पाद बिक्री करने वाले विक्रेताओं पर जुर्माना लगाते नगर निगम के कर्मचारी।

मथुरा। बिना लाइसेंस तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ नगर निगम कडी कार्यवाही करेगा। इसके लिए सोमवार को नगर निगम मथुरा वृन्दावन कार्यालय भूतेश्वर के सभागार में तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण लाइसेंस उपविधि 2021 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन सहायक नगर आयुक्त वृन्दावन जोन नगर निगम मथुरा वृन्दावन अनुज कौशिक एवं गोपाल गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम मथुरा वृन्दावन की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें कहा गया कि तम्बाकू विक्रेताओं ने लाइसेंस नहीं बनवाये है उनके शत प्रतिशत लाइसेंस बनवायें तथा जो तम्बाकू विक्रेता लाइसेंस नहीं बनवाना चाहते है और तम्बाकू बिकी कर रहे है उनके विरुद्ध जुर्माना एवं चालान की कार्यवाही की जाये। तदोपरान्त नगर निगम मथुरा वृन्दावन की टीम द्वारा तम्बाकू बिकी का लाइसेंस जांच के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में कृष्णानगर सौख रोड क्षेत्र में 10 तम्बाकू दुकानों का निरीक्षण किया गया जिसमें 6 तम्बाकू दुकानों पर लाइसेंस पाया गया बाकी चार दुकानों पर लाइसेंस नहीं मिला जिसके लिए टीम द्वारा तम्बाकू विक्रेताओं को कड़ी चेतवनी दी गयी व भविष्य में बिना लाइसेंस की तम्बाकू बिकी करने की पुनरावृत्ति पर जुर्माना एवं चालान की कार्यवाही की जाएगी।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह राजा भैया ने गांव में भ्रमण कर जनता की सुनी समस्याएं

प्राथमिकता के आधार पर हो जनता की समस्याओं का समाधान- केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री

नवाबगंज (गोंडा) प्राथमिकता के आधार पर हो जनता की समस्याओं का समाधान, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने क्षेत्र भ्रमण कर जाना लोगों को हाल,

समस्याएं सुनकर निस्तारण के लिए संबंधित को दिया दिशा निर्देश।सोमवार को केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री गोंडा लोकसभा क्षेत्र के नवाबगंज ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा में भ्रमण किया और लोगों का हाल जाना केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार गरीब दलित शोषित वंचित के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है। जिसकी जानकारी होना सभी जनता जनार्दन को आवश्यक है सरकार की योजनाओं का लाभ सभी लोगों को मिलना चाहिए सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है क्षेत्र भ्रमण के दौरान केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री दुल्लापुर कोल्हमपुर,कटरा भोगचंद, हरबंशपुर, रीवा व किशुनदासपुर पहुंचे कोल्हनपुर में भाजपा बूथ अध्यक्ष सुनील चौबे ने, हरिवंशपुर प्रधान दुर्गेश पांडेय ने, रीवा में दिवाकर मौर्य, किशुन दासपुर में अंकित सिंह ने केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गांव के आम जनता की समस्या सुनी और निस्तारण के लिए सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया। इस मौके पर विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, वेद प्रकाश दुबे, कमलेश पांडेय, जनार्दन तिवारी, बाबूलाल शास्त्री, अमरनाथ पांडेय, संतोष सिंह, दुर्गेश पांडेय, राहुल सिंह, अजय पाठक, अंकित सिंह, दिवाकर मौर्य, पिंकू शुक्ल, रत्नेश मिश्र,दिवाकर तिवारी, रतनदेव तिवारी, पुनीत मिश्र,सुभाष यादव,राज बाबू दुबे, पिंकू शुक्ला प्रधान प्रतिनिधि कटरा भोगचंद सुभाष यादव, भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक टिकरी अखिलेश त्रिपाठी,संतोष सिंह राजेश चौबे ,रत्नेश मिश्रा हरिबंशपुर प्रधान दुर्गेश पांडे सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी की उदासीनता के कारण सिंगला नदी पर आरसीसी पुल का मरम्मत कार्य धीमी गति से चल रहा है

● भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा का ध्यान आकर्षित।

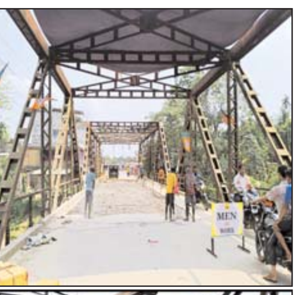

असम श्रीभूमि (करिमगंज)मौजूदा सरकार के कार्यकाल में लोगों के हित के विकास योजना के माध्यम से सड़कों, पुलों, निर्माण कार्यों और अन्य परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हैं ताकि हर क्षेत्र में विकास हो सके और आम नागरिकों को आवागमन समेत अन्य कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। लेकिन असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा के तहत दुल्लभछड़ा पुल का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जबकि अधिकारी सब कुछ जानकर भी चुप हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार इस बड़े पुल के काम में इतनी कम श्रमिकों के साथ, दिन में तीन या चार श्रमिकों के जरिए काम चला रहा है।ठेकेदार की लापरवाही के कारण निर्माण कार्य में अनावश्यक समय बर्बाद हो रहा है और कार्य में देरी हो रही है। लंबे टालमटोल के बाद दुल्लभछ?? सिंगला नदी पर स्थित आरसीसी ब्रिज का काम शुरू किया गया, लेकिन केवल 3-4 श्रमिकों से ब्रिज का डलाइ तोड़ने का कार्य किया जा रहा है, जिससे कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। हालांकि नागरिकों की आवाजाही की सुविधा के लिए एक सबवे का निर्माण किया गया है, लेकिन छोटे वाहनों के चालकों को जोखिम के साथ चलना पड़ रहा है। इस पर ब्रिज के दोनों ओर के नागरिकों का मानना है कि मानसून के मौसम में सिंगला नदी का जल स्तर सबवे की स्थिरता के लिए आंशिक है। दूसरी ओर, दुल्लभछड़ा निविया- चेरागी- रंगपुर सहित दुल्लभछड़ा के विशाल क्षेत्र में सैंकड़ों गांवों के लोगों की आवा- जाही का एकमात्र लाइफलाइन यही ब्रिज है, लेकिन आवंटित ठेकेदार के कार्य में लापरवाही के कारण दैनिक यात्री, व्यापारी, वाहन चालक और अन्य लोग नाराज हैं। यदि इसी तरह से सिंगला पुल की मरम्मत का कार्य धीमी गति से चलता रहा, तो आने वाले शुष्क मौसम में दुल्लभछड़ा, निविया चेरागी और रंगपुर में कई विकास कार्य रुक जाएंगे। इस मामले में स्थानीय लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से जांच के माध्यम से उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

पहलगाम की घटना" पर प्रतिक्रिया पहलगाम के भीषण आतंकवादी, कायरतापूर्ण हिंसा की जितनी निंदा की जाए कम"

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की हत्या कर दी गई। अब इस हमले को लेकर जांच काफी तेज गति से जारी है जबकि रिपोर्ट पर हमले में कुल 28 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे. हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली है. जहां इस आतंकवादी संगठन ने बेकसूर लोगों के निर्मम हत्या कर दी, और उन बेकसूर लोगों की हत्या का आक्रोश देश में ज्वाला की तरह भड़कता जा रहा है। जहां इस कायरता पूर्ण हिंसा की चहुं ओर निंदा हो रही है तो दूसरी तरह भारत देश का प्रत्येक व्यक्ति इन आतंकवादियों को कुत्ते की मौत मारने के समर्थन पर देश के साथ खड़े है। और राष्ट्रहित पर उठाए जा रहे हर कदम का पालन करने को भी तैयार हैं। जहां इस आतंकी हमले पर शहडोल जिले अंतर्गत बुढार नगर के कई जनप्रतिनिधियों द्वारा इस घटना पर शोक व्यक्त किया गया है, और आतंकवादियों पर आक्रोशित इन सभी जनप्रतिनिधियों ने सरकार से आतंकियों को नष्ट करने की अपील किए हैं।

बेकसूर लोगों की हत्या निंदनीय- पुष्पेंद्र

वरिष्ठ भाजपा नेता पुष्पेंद्र ताम्रकार ने पहलगाम पर हुए इस आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की घटना बेहद निंदनीय हैं और किसी प्रकार से यह घटना क्षम्य नहीं है आतंकियों के इस हरकत को देशवासी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा और हर आंसुओं का बदला देश की जनता लेना चाहती है. केंद्र सरकार से निवेदन है कि लोगों की बेकसूर हत्या का बदला सिर्फ आतंकियों को मिट्टी में मिला देने पर ही पूरा होगा। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवादियों और घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

आतंकियों को जड़ से खत्म किया जए- पार्षद पवन चीनी

युवा समाजसेवी पार्षद पवन ग्वालिनी (चीनी) ने बताया कि पहलगाम पर हुआ यह घटना बेहद चौंकाने वाला और दर्दनाक है, जिस प्रकार से हिंदुओं को निशाना बनाकर आतंकियों ने उनकी मृत्यु की है, आतंकियों का यह बेहद घृणित कार्य है। निश्चित ही देश के प्रधानमंत्री , केंद्र सरकार द्वारा इस विषय पर ठोस कदम राष्ट्रहित में हेतु उठा रहे हैं हम सभी भारत देशवासियों को उनका साथ देना चाहिए उनके पक्ष में अपना समर्थन देना चाहिए। आतंकवाद को देश से मिटाना चाहिए।

मकानों पर लाल निशान देख भयभीत हैं फौंडर के ग्रामीण

● बडी संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गोवर्धन तहसील का फौंडर एक बडा गांव है। गांव की आबादी अच्छी खासी है। गांव का अधिकांश हिस्सा सडक के किनारे बसा हुआ है। इस समय ग्रामीणों में बेचैनी है। गोवर्धन तहसील के गांव फौंडर में सडक के दौनों और मकान बना कर रहे रहे सैकडों परिवारों की नींद उडी हुई है। लोगों को इस बात की चिंता सता रही है कि उनके मकानों को कभी भी तोडा जा सकता है। जिंदगी भर की महनत से खडा किया गया आशियाना यों आंखों के आगे ध्वस्त हो जाये उन्हें बेचैन कर रहा है। सडक चौड़ीकरण के लिए लोकनिर्माण विभाग ने सडक की हद तय करते हुए मकानों पर लाल निशान लगाये हैं। साथ ही प्लस का निशान लगाते हुए कितना मकान का हिस्सा तोड जाएगये यह भी मीटर में अंकित किया है। जब से माकनों पर यह लाल निशान लगे हैं लोग सो नहीं पा रहे हैं। उन्हें यही चिंता सता रही है कि उनके मकानों को कभी भी ध्वस्त किया जा सकता है। अखिल भारतीय समता फाऊंडेशन समाजसेवी रमेश सैनी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत फोड़र ब्लॉक व तहसील गोवर्धन मथुरा के सैकड़ो अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के व अन्य वर्गो के लोग करीब सात दशक से मकान बनाकर स्थाई निवास कर रहे। ग्रामीणों को लोक निर्माण विभाग जनपद मथुरा द्वारा बिना किसी लिखित सूचना अथवा नोटिस दिए सड़क मार्ग चौड़ीकरण के नाम पर अनैतिक ध्वस्तीकरण कर सैकड़ो लोगों को बेघर किए जाने के विरोध में आठ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय पर सौपा। ग्रामीणों ने बताया की सभी ग्रामीण निर्धन एवं गरीब लोग हैं। जो गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं। स्थाई रूप से पिछले 60 से 70 वर्षों से ग्राम पंचायत के निवासी हैं और भारत के संवैधानिक नागरिक हैं, बावजूद इसके प्रांतीय लोक निर्माण विभाग मथुरा के अधिकारी, कर्मचारियों ने जबरन बिना कुछ बताएं बिना कुछ नोटिस दिए सड़क चौड़ीकरण के नाम पर मकानों को तोड़ने के लिए ध्वस्तीकरण हेतु निशानदेही कर लाल रंग के निशान लगा दिए हैं। जिससे ग्राम पंचायत फोड़र के निवासी भयभीत और दहशत में हैं। इस मौके पर रमेश

फोटो परिचय-जिलाधिकारी कार्यालय पर अपनी समस्या बातने के लिए जुंटे ग्रामीण।

सैनी एवं स्थानीय नागरिक जितेंद्र सिंह ने प्रशासन से मांग की प्रभावित लोगों की राहत के लिए इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाए। इस मौके पर अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहाकि अगर ध्वस्तीकरण का आदेश वापस नहीं लिया गया तो सैकड़ों ग्रामीण परिवार सहित आंदोलन को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होंगी। खुले मांग पत्र के दौरान रमेश सैनी, जितेंद्र सिंह, सुघड सिंह, प्रेम सिंह, घनश्याम, सुरेश बाबू, तूफानी, शेर सिंह, रामदास, चंद्रपाल, लखन सिंह, गुरु प्रसाद, केदार सिंह, बनवारी लाल, छिद्दी सिंह, बहोरन, पहलाद सिंह, नेम सिंह, संजय, जगदीश प्रसाद, कोमल प्रसाद, राम खिलाड़ी, दौलत सिंह आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने निमार्ण कार्य का किया निरीक्षण- मानक के अनुरूप नहीं मिली सड़क, दोबारा सड़क बनाने का दिया निर्देश

● डीएम ने ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित करने का दिया निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा सोमवार को विकास खण्ड खेसरहा के ग्राम पंचायत भकहा के पंचायत भवन भकहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा ग्राम पंचायत में कराये जा रहे कार्यो की पत्रावली को देखा गया। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा सामुदायिक शौचालय कंचनपुर का निरीक्षण किया गया तथा निर्देश दिया कि सामुदायिक शौचालय समय से खुले और ज्यादा से ज्यादा गांव के लोग इसका इस्तेमाल करें। नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी द्वारा मनरेगा द्वारा कराये गये इंटरलाकिंग कार्य नरेश के घर से जग्गा के घर तक तथा केवला देवी के घर से प्राथमिक विद्यालय तक इंटरलाकिंग सड़क को खुदवाकर देखा गया। दोनों इंटरलाकिंग सड़क मानक के अनुरूप नहीं पाया गया, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये ग्राम पंचायत सचिव सतीश कुमार को सस्पेन्ड करने का निर्देश दिया तथा एक सप्ताह के अन्दर दोबारा इंटरलाकिंग सड़क को बनवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी को शीघ्र अन्नपूर्णा भवन को जिला पूर्ति अधिकारी को हैण्डओवर कराने का निर्देश दिया, जिससे अगली बार राशन का वितरण अन्नपूर्णा भवन से किया जाये। इसके

पश्चात उचित दर राशन की दुकान का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा ई-पास मशीन व स्टाक रजिस्टर का मिलान किया गया। जिलाधिकारी ने कोटेदार को लाभार्थियों को पूरा व सही मात्रा में राशन का वितरण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी खेसरहा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे साथ है: प्रदीप मथुरा

मथुरा। पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए देश के सपूतों की आत्म शांति के लिए महानगर कांग्रेस मथुरा द्वारा होली गेट से विकास बाजार तक कैंडल मार्च निकाला गया। होली गेट से विकास वाजार तक कांग्रेस जन पाकिस्तान मुर्दावाद आतंक बाद मुर्दाबाद के नारे लगाते चल रहे थे। विकास बाजार स्थित गांधी जी की प्रतिभा के समक्ष कैंडल जलाकर शहीदों की आत्म शांति के लिए दो मिनट का मोन रखा गया। महानगर अध्यक्ष पं यतेंद्र मुकद्दम ने कहा कि जिस कायराना तरीके से बेकसूर निहात्थे देशवासियो को पहलगाम मे टारगेट कर बर्वरता से मारा गया उससे पुरे देश मे आक्रोश है 140 करोड़ देशवासी एक है और अब आतंक का खात्मा चाहता है। पूर्व सीएलपी लीडर विधायक प्रदीप माथुर ने कहा कि पूरा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे साथ है। पर गृह मंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा जरूर देना चाहिए। मार्च मे उपस्थित रहे श्रीपूर्व अध्यक्ष आबिद हुसैन, संजय शर्मा, मलिक अरोड़ा, विनेश सानवल, कांग्रेस सेवादल प्रदेश सचिव प्रकाश शर्मा, महानगर अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल मथुरा पंडित दीपक पाठक, राहुल अरोरा, प्रवीण ठाकुर, वरुण अरोरा, शिखा चौधरी, अशोक शर्मा, विष्णु राजपूत, अब्दुल कलाम, दुर्गेश बघेल, हरीश पचौरी, चंद्र मोहन जायसवाल, अर्पित जादौन, अनूप गौतम, तपेश गौतम, आशुतोष जेटली, मुकेश गोयल, राजू फारुकी, अनवर फारुकी, देवेंद्र लल्ला, राहुल चतुर्वेदी, अमित पंडित, अजय सक्सेना, राहुल मुकदम, सकीर अली, चांद पहलवान, रितेश सानवल, नीरज वाल्मिकी, वीरू माहौर, राहुल कुरैशी, हाशिम हुमेर, गुड्डू कुरैसी, नरेन्द्र कुमार, प्रमोद यादव, अजय यादव, आसिफ कुरैशी, काशान रिज़वी, सोमिल कुलश्रेष्ठ, संजीव शर्मा, दीपक मौर्य, खुदा बख्श, गंगाराम मौर्य आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

आग पर काबू पाते दमकलकर्मी।

मथुरा। सोमवार को सौंख कस्बा के सीमेंट रोड स्थित एक मकान में आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई। मकान स्वामी किसी कार्यक्रम में सहभागिता के लिए गए हुए थे। पड़ोसियों ने यह जानकारी मकान स्वामी को दी तो वह मौके पर पहुंचे। आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लाखों रुपए के नुकसान की आशंका व्यक्त की जा रही है। कस्बा के सीमेंट रोड पर श्रीचन्द अग्रवाल का मकान है। जिसमें वह अपने बेटों के परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार को परिवार में एक कार्यक्रम था। परिजन कार्यक्रम में भाग लेने को गए हुए थे। तभी अज्ञात कारणों से मकान में आग लग गई। बंद मकान से धुंआ उठता देखकर पड़ोसियों ने मकान स्वामी को सूचित किया। जब तक मकान स्वामी पहुंचते तब तक आग विकराल हो गई। सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस बारे में कुंज बिहारी अग्रवाल ने बताया कि मकान में किसी कारणवश आग लग गई थी। लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंचे और नुकसान का आंकलन किया है।

दिल्ली पुलिस ने हत्या के प्रयास में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली उत्तर-पूर्वी जिले के थाना खजूरी खास की टीम द्वारा एक कुख्यात अपराधी की गिरफ्तारी से हत्या के प्रयास के मामले का खुलासा हुआ, वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद 7 पुलिस को दिनांक 24 अप्रैल को लगभग रात 9:45 बजे थाना खजूरी खास में खजूरी चौक के पास चाकू मारने की घटना की सूचना प्राप्त हुई। जांच करने पर पता चला कि दो पीड़ित, इकराम पुत्र मेहदी हसन, निवासी मकान संख्या 960, गली नंबर 19, ए ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-94 और शहजाद पुत्र कमरुद्दीन, निवासी बी ब्लॉक, गली नंबर 11, एसआर कॉलोनी, खजूरी खास, दिल्ली-94, अपनी-अपनी टैक्सियों (मारुति अर्टिगा एवं होंडा अमेज़) में यात्रा कर रहे थे। जब वे पुराने थाना कट के पास पहुंचे, तो उनकी कारें एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार से टकरा गई। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जिसके बाद बाइक सवारों ने इकराम और शहजाद पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।इस संबंध में थाना खजूरी खास में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109/3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान इंस्पेक्टर राकेश यादव, थानाध्यक्ष खजूरी खास के नेतृत्व में स्ड्ढ केशव, HCs शुएब, प्रताप, कांस्टेबल मुकेश और अनुज की एक विशेष टीम का गठन किया गया। हरेश्वर वी. स्वामी, आईपीएस, उपायुक्त पुलिस/उत्तर-पूर्व जिला, के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी निगरानी शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को गहनता से खंगाला। टीम ने मानवीय स्रोतों के माध्यम से भी सुराग और साक्ष्य एकत्र किए।संग्रहित साक्ष्यों के आधार पर टीम ने वारदात में शामिल संदिग्ध आरोपियों की पहचान कर एक आरोपी जय कुमार उर्फ अनुज, उम्र 23 वर्ष, पुत्र लक्ष्मण, निवासी गली नंबर 9, शिव विहार, दिल्ली को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया।पूछताछ के दौरान आरोपी जय कुमार ने अपराध में अपने एक सहयोगी की भूमिका का भी खुलासा किया। विस्तृत सत्यापन में पाया गया कि आरोपी जय कुमार पूर्व में हत्या, ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारी पर हमला तथा आर्म्स एक्ट जैसे 5 मामलों में संलिप्त रहा है। उसकी अन्य आपराधिक संलिप्तताओं का भी पता लगाया जा रहा है तथा उसके सहयोगी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

साकेत में हजारों लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ रविवार को दिल्ली में अनेक हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। आतंकियों ने 28 पर्यटकों पर हमला किया था। आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं को निशाना बनाया। उन्हें कलमा पढ़ने को कहा और गोलियों से भून दिया गया। इस करतापूर्ण घटना का विरोध पूरे देश भर में हो रहा है। लोग देश भर में प्रदर्शन करके पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। इसी कड़ी में समस्त हिंदू समाज द्वारा साकेत पीवीआर पर भव्य प्रदर्शन करके पाकिस्तान का पुतला फूंका गया। इस आतंकी हमले के विरोध में रविवार की शाम साकेत नगर के मुख्य मार्गो से त्रिवेणी आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च की शुरुआत राधा कृष्ण विद्या निकेतन पुष्प विहार सेक्टर 3, शिव मंदिर पुष्प विहार सेक्टर 1 और लाडो सराय गांव से होते हुए डी ब्लॉक साकेत पर तीनों मार्चो का एक त्रिवेणी संगम बना और अंतिम स्थान अनुपम पीवीआर साकेत पहुंचकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पुतले को महिलाओं ने जूते मारकर जलाया। बैनर और तख्ती लेकर लोगों ने मार्च किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदुस्तान मांगे बदला, न राज्य पूछा, न भाषा पूछा, ना जाति पूछा केवल धर्म पूछा, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता आदि के नारे लगाये । इसमें साकेत नगर के युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा कार्यकर्ता आदि शामिल हुए । मौके पर लोगों ने 28 पर्यटकों की हत्या की घोर निंदा की। कालका जी जिला प्रचार प्रमुख विजय कुमार ने बताया कि 1000 से अधिक लोगों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया।

आक्रोश मार्च रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन लाडो सराय के अध्यक्ष देवेंद्र सेजवाल के निर्देशन में निकाला गया। और प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से निर्णायक कार्रवाई की मांग की गई। सभी लोगों ने सरकार से सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग की और लोगों ने कहा कि यह बार-बार मानवता को कलंकित करने वाली घटना है। इस कायराना और बर्बर हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। इस प्रदर्शन के आयोजकों में से एक अतुल जी ने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है, और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जब-जब आतंकवादी घटनाएं होती है तब देखा जाता है कि एक धर्म विशेष के लोग इन घटनाओं में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदुओं को एक दूसरे का सम्मान करना होगा। इसके अलावा हिंदुओं को एक वर्ग विशेष का आर्थिक बहिष्कार करना होगा

और कोई भी वस्तु हिंदू उन लोगों से ना खरीदें। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार और आम लोगों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि जेहादी कट्टरपंथियों द्वारा यह हिंदुओं पर किया गया हमला है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस्लामिक जिहाद और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों पर कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा लोगों ने कहा कि कश्मीर में मजहबी आतंकवाद का समूल नाश भारत सरकार को करना होगा। बाजार और क्षेत्र के युवाओं ने जमकर आक्रोश दिखाया। त्रिवेणी मार्च का अंतिम श्रद्धांजलि सभा और श्रद्धासुमन अर्पित करके श्री हनुमान चालीसा के पाठ कर किया गया। उनके परिजनों के लिए गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गयी। साकेत नगर के इस आक्रोश मार्च में नगर कार्यवाह अतुल और आर डब्लू ए, धार्मिक संगठन, मंदिर समिति, बीजेपी, वीएचपी, बजरंग दल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कल अक्षय तृतिया पर उमडेगी भीड, प्रशासन ने तैयारियां कीं पूर्ण

● वृंदावन को तीन जोन, नौ सेक्टर में किया गया विभाजित

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। बुधवार को अक्षय तृतिया का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे। अधिक भीड वृंदावन में रहेगी। इस दिन ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भीड का दबाव बहुंत अधिक रहता है। साल भर में अक्षय तृतिया पर ही ठाकुर जी के चरण दर्षन होते हैं। भीड के दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिमरूप दिया है। ट्रेफिक और पार्किंग प्लान जारी किया गया है जिससे कि बहार से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेंशानी का सामना न करना पडे। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और आसपास के क्षेत्र को तीन जोन और नौ सेक्टर में विभाजित किया गया है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। सोमवार को जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार नेइपुलिस बल के साथ आगामी त्यौहार अक्षय तृतीया त्यौहार के संबंध में वृंदावन स्थित मोहन बाग में श्री बांके बिहारी मन्दिर सेवायतों के साथ मीटिंग की। मन्दिर परिसर व आस पास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। एसएसपी मथुरा श्लोक कुमार ने बताया कि 30 अप्रैलल को अक्षय तृतिया का त्योहार मनाया जाना है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालुं आते हैं। ठाकुर बांकेबिहरी मंदिर और आसपास के क्षेत्र को तीन जोन और नौ सेक्टर में बांटा गया है। प्रदेश और जनपद के बाहर से भी काफी संख्या में श्रद्धालुं आते हैं। ट्रेफिक प्लान तैयार किया गया है जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। एलआईयू को सक्रिय किया

अक्षय तृतिया पर्व के लिए की जा रहीं तैयारियों को परखते जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

गया है। पूर्व से ही अलर्ट किया गया है। जनपदीय पुलिस के अलावा रेंज और जोन से भी पुलिस बल प्राप्त हुआ है। पीएसी, फ्ल्ड पीएसी भी प्राप्त हुई है। यमुना के घाटों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को लगाया गया है। जो बाहर से ट्रेफिक आता है, प्रदेश और जनपद के बाहर से भी बडी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उनके लिए ट्रेफिक और पार्किंग प्लान तैयार किया गया है।

दर्जनों संगठनों ने एक साथ किया एक मई को मथुरा बंद करने का ऐलान

● सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर मथुरा में बंद को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। दर्जनों संगठनों ने एक साथ एक मई को मथुरा बंद का ऐलान किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछ कर पहलगाम में किए गए नर संहार के विरोध स्वरूप विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में संघ विचार परिवार सहित अनेकों राष्ट्रवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं की बैठक स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर मथुरा में संपन्न हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी 1 मई को मथुरा में बन्द रखा जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले की घोर निंदा करते हुए भारत सरकार से आग्रह किय। कि वह शीघ्र से शीघ्र आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट करके पाकिस्तान को करारा जवाब दे। वक्ताओं ने कहा कि आतंकवादीयो द्वारा किया गया यह हमला भारत की आत्मा पर सीधा हमला है। यह देश को अस्थिर करने की साजिश है। एक और जहां देश विकसितता और सशक्तता की ओर बढ़ रहा है वही राष्ट्र विरोधी ताकत है उसको नष्ट करने में लगी हैं, जिसे भारत का सामान्य समाज किसी भी दशा में स्वीकार नहीं करेगा। बैठक में इस घटना के आक्रोश स्वरूप सभी सामाजिक, राष्ट्रवादी एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा 1 मई गुरुवार को मथुरा बाजार बंद का निर्णय लेते हुए समस्त दुकानदारों एवं व्यापारी भाइयों से आह्वान किया गया कि वह राष्ट्रहित में बाजार बंद कर देश का सच्चा नागरिक होने का परिचय दें। बैठक में एक मई को बाजार बंद का आह्वान करने वालों संगठनों में सर्राफा कमेटी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, नगर उद्योग व्यापार मंडल ,होली दरवाजा व्यवसाई समिती, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हिंदू जागरण मंच,अधिवक्ता परिषद, लघु उद्योग भारती,भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्र सेविका समिति, भारत विकास परिषद,हिंदू महासभा

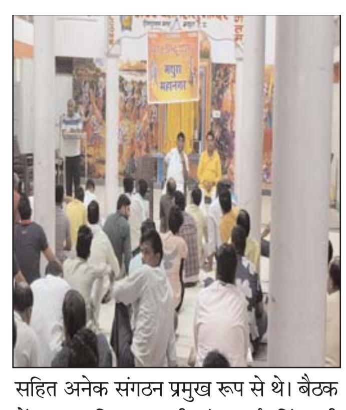

सहित अनेक संगठन प्रमुख रूप से थे। बैठक में भाजपा विद्यायक श्रीकांत शर्मा, हिंदूवादी नेता गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, विहिप संगठन मंत्री राजेश कुमार, उमाकांत, सह विभाग कार्यवाह डा संजय, कन्हैयालाल अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, हिजम से सुरेन्द्र कौशिक, विद्यार्थी परिषद संगठन मंत्री दिव्यांशु, अमन पांडे, गोकुलेश गौतम सहित सैकड़ों राष्ट्रवादी कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में गणगीत श्रीओम ने तथा संचालन महानगर कार्यवाह विजय बंटा सर्राफ ने किया।